सुप्रभात
रांची, गुरुवार
26.12.2024
* नगर संस्करण। पेज : 12

धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

खबर मन्त्र

रांची और धनबाद से एक साथ प्रकाशित

सबकी बात सबके साथ

khabarmantralive.com

khabarmantra.net

पौष, कृष्ण पक्ष, एकादशी, संवत् 2081

मूल्य : ₹ 3 । वर्ष : 12 । अंक : 165

12

सन्नी देओल की फिल्म बॉर्डर 2 की शूटिंग शुरू

न्यूज डायरी

झुमरीतिलैया में दिनदहाड़े 20 लाख के जेवर की चोरी

कोडरमा। झुमरीतिलैया के बजरंग चौक स्थित एक मकान से अज्ञात चोरों ने बुधवार को लाखों रुपये के जेवर की चोरी कर ली। पीड़िता गीता देवी ने बताया कि अलमीरा के लॉक को तोड़कर चोरों ने सोने की तीन चेन, चार जोड़ी कंगन, चार पीस कानबाली, चार सोने की अंगूठी, चार पीस पायल की चोरी की। चोरी किये गये जेवरात की कीमत करीब 20 लाख रुपए है। सूचना के बाद पुलिस मामले की जांच शुरू की।

13 आइएएस विशेष सचिव रैंक में प्रोन्नत

रांची। राज्य सरकार ने 13 आइएएस अफसरों को नए साल का तोहफा दिया है। इन अफसरों को स्पेशल सेकेट्री रैंक में प्रोन्नति दी गयी है। प्रोन्नति पाने वाले अफसरों में रवि शंकर शुक्ला, नेहा अरोड़ा, संदीप सिंह, संजीव कुमार बेसरा, अजय नाथ झा, अक्षय कुमार सिंह, मनमोहन प्रसाद, कुमुद सहाय, रवि रंजन, शशि भूषण मेहरा, प्रदीप तिग्गा, पूनम प्रभावती और मनोहर मरांडी शामिल हैं। कार्मिक ने इसका आदेश जारी कर दिया।

कोयला लोड मालगाड़ी के डिब्बे में लगी आग

पलामू। पलामू के पूर्व मध्य रेलवे के मोहम्मदगंज स्टेशन पर बुधवार सुबह एक मालगाड़ी के डिब्बे में अचानक आग लग गई। घटना सुबह करीब 7 बजे की है। स्टेशन पर तैनात स्टेशन मास्टर अमरीश भारतीय ने आग की सूचना तुरंत मालगाड़ी के चालक को दी। ट्रेन को तुरंत रोका गया और स्टेशन मास्टर सहित अन्य रेलकर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

अजरबैजान का प्लेन क्रैश, 42 की मौत

नयी दिल्ली। कजाकिस्तान में बुधवार को बड़ा विमान हादसा हो गया। यहां अजरबैजान एयरलाइंस का यात्री विमान लैंड करते समय क्रैश हो गया। अजरबैजान एयरलाइंस का एम्ब्रेयर (इ-190 एआर) विमान बाकू से रूस के चेचन्या जा रहा था। विमान में 67 लोग सवार थे, जिनमें से 42 लोगों की मौत हो गयी। अधिकारियों के मुताबिक कैस्पियन सागर तट पर कजाकिस्तान के अक्तौ शहर के पास यह हादसा हुआ। भारत

पीएम किसान सम्मान निधि में बदलाव जरूरी : धनखड़

तेलंगाना। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि में बदलाव की आवश्यकता पर बल देते हुए बुधवार को कहा कि कृषि और कृषि विकास पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया है। श्री धनखड़ ने तेलंगाना के मेडक में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर)-कृषि विज्ञान केंद्र के कार्यक्रम प्राकृतिक एवं जैविक किसान सम्मेलन -2024 को संबोधित करते हुए कहा कि आईसीएआर के संस्थानों के आत्म-आकलन की आवश्यकता है।

शहीद निर्मल महतो की जयंती पर सीएम ने दी श्रद्धांजलि, कहा

विकसित झारखंड बनाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। सीएम हेमंत सोरेन ने झारखंड आंदोलन के प्रणेता वीर शहीद निर्मल महतो की 74वीं जयंती के अवसर पर जेल चौक स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि शहीदों के सपनों का झारखंड बनाने के लिए सरकार कृतसंकल्प है। झारखंड को विकसित राज्य बनाने के लिए उनकी सरकार तेजी से कार्य कर रही है। इससे पहले मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने देश के पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी और शहीद निर्मल महतो की जयंती पर उन्हें

याद करते हुये सोशल मीडिया पोस्ट पर कहा कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर शत-शत नमन। अन्य ट्वीट में सीएम ने कहा है कि झारखंड की क्रांतिकारी भूमि के वीर सपूत, महान आंदोलनकारी वीर शहीद निर्मल महतो की जयंती पर शत-शत नमन।

लोगों ने जलाये कैंडल, प्रभु यीशू का मिला आशीष

24 दिसंबर की रात प्रभु यीशू मसीह के जन्मोत्सव के बाद 25 दिसंबर को मसीही समाज के लोगों ने राजधानी रांची समेत पूरे राज्य में क्रिसमस का त्योहार मनाया। इस दौरान मसीही समुदाय के लोगों ने केक काटा और एक दूसरे के बीच चॉकलेट बांटा। सुबह में राजधानी के सभी गिरजाघरों में विशेष प्रार्थना सभाएं हुईं। विशेष प्रार्थना में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। इस मौके पर ईसाई समाज के लोगों ने कैंडल जलाकर विशेष प्रार्थना की।

क्रिसमस की धूम

खूंटी में बाइपास निर्माण को मंजूरी

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। केंद्र सरकार ने खूंटी में बाईपास सड़क निर्माण के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने खूंटी बाईपास निर्माण को स्वीकृति दी है। भूमि अधिग्रहण प्रक्रियाधीन है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग विभाग के राज्य मंत्री अजय टम्टा ने खूंटी के सांसद कालीचरण मुंडा को भेजे एक पत्र में यह जानकारी दी।

जाम से मिलेगी मुक्ति : सांसद ने बताया कि उन्होंने 30 जुलाई को संसद में खूंटी बाईपास निर्माण का मुद्दा उठाया था। उन्होंने कहा था कि खूंटी मेन रोड से होकर कई औद्योगिक शहरों से भारी वाहनों का आवागमन होता है, जिससे शहर में हर दिन जाम रहता है। हमेशा हादसे होते हैं। इस कारण खूंटी में बाईपास का निर्माण अति आवश्यक है।

गडकरी ने किया था फोर लेन का शिलान्यास : केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने 2500 करोड़ की लागत से दो सड़कों का शिलान्यास किया था। इसमें रांची से खूंटी तक फोर लेन एनएच का निर्माण, जिसमें खूंटी बाईपास भी शामिल है। यह सड़क तुपुदाना से कुंदी बरटोली तक 31.31 किलोमीटर लंबी फोर लेन है। इसके लिए टेंडर आमंत्रित किया गया था।

आज व कल कोहरा और धुंध, 28-29 को बारिश

मौसम में बदलाव

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड में मौसम एक बार फिर करवट लेगा। मौसम विभाग के अनुसार 26 और 27 दिसंबर को सुबह हल्के दर्जे की धुंध और कोहरा छाया रहेगा, जबकि 28 और 29 दिसंबर को कई जिलों में बारिश की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले चार दिनों तक

न्यूनतम तापमान में बदलाव की संभावना नहीं है। इसके बाद तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस तक गिरावट की संभावना है।

कई जिलों में बारिश का दिखेगा असर

मौसम विभाग ने 28 और 29 दिसंबर को बारिश की संभावना जतायी है। 28 को गढ़वा, पलामू, चतरा, लातेहार, लोहरदगा, हजारीबाग, कोडरमा, गिरिडीह, गुमला और सिमडेगा में बारिश हो सकती है। जबकि 29 दिसंबर को गुमला, खूंटी, सिमडेगा, पश्चिमी सिंहभूम में बारिश की संभावना है।

राष्ट्रपति आज 17 बच्चों को करेंगी सम्मानित

पीएम मोदी सुपोषित पंचायत योजना का करेंगे उद्घाटन

वीर बाल दिवस आज

एजेंसी

नयी दिल्ली। वीर बाल दिवस पर बच्चों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। यह पुरस्कार राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 17 बच्चों को प्रदान करेंगी। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी उपस्थित होंगे। इस अवसर पर पीएम मोदी सुपोषित पंचायत योजना का उद्घाटन करेंगे, जिसका उद्देश्य स्थानीय स्तर पर पोषण सुरक्षा को सुदृढ़ बनाना है। केंद्रीय महिला एवं बाल कल्याण मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बयान जारी कर बताया कि भारत के बच्चों की उपलब्धियों और सामर्थ्य को सम्मानित करने के लिए 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस मनाया जायेगा। इस अवसर

पर देशभर में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जायेंगी, जिनमें 14 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के कुल 17 बच्चों को सम्मानित किया जाएगा। इस पुरस्कार समारोह में 7 श्रेणियों में उल्लेखनीय योगदान के लिए 7 लड़कों और 10 लड़कियों को सम्मानित किया जाएगा। यह कार्यक्रम बच्चों के संघर्ष, उनकी मेहनत और सफलता को सराहने का एक महत्वपूर्ण अवसर होगा। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पोषण सुरक्षा को मजबूती से बढ़ावा देना है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की पहली परियोजना का किया शिलान्यास

100वीं जयंती पर अटल बिहारी वाजपेयी की नदी जोड़ो की परिकल्पना हुई साकार

- इस परियोजना में बेहतर जल प्रबंधन और औद्योगिक इकाइयों को पर्याप्त जलापूर्ति से औद्योगिक विकास और रोजगार को मिलेगा बढ़ावा।

एजेंसी

नयी दिल्ली। देश की नदियों को जोड़ने की परिकल्पना देने वाले पूर्व प्रधानमंत्री देशरत्न अटल बिहारी वाजपेयी की 100वीं जयंती पर पीएम मोदी ने बुधवार को देश की पहली नदी जोड़ो परियोजना के रूप में केन-बेतवा नदी जोड़ो राष्ट्रीय परियोजना का शिलान्यास किया। स्व. वाजपेयी जी की जयंती पर यह परियोजना बड़ी सौगात मानी जा रही है। पीएम मोदी ने खजुराहो में

केन-बेतवा नदी जोड़ो राष्ट्रीय परियोजना का शिलान्यास किया। यह देश की पहली नदी जोड़ो परियोजना है।

इस मौके पर मोदी ने दिवंगत पीएम अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म शताब्दी पर स्मारक डाक टिकट और सिक्का जारी भी किया। खजुराहो में आयोजित कार्यक्रम में पीएम मोदी ने मंच पर ही केन और बेतवा नदी के जल से भरे कलशों से जल को प्रवाहित कर केन बेतवा राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना का शिलान्यास किया। साथ ही खंडवा जिले की ओंकारेश्वर फ्लोटिंग सौर परियोजना का लोकार्पण और 1153 अटल ग्राम सुशासन भवनों का भूमि पूजन किया।

बता दें कि केन और बेतवा नदियों को आपस में जोड़ने से संबंधित केन-बेतवा लिंक राष्ट्रीय परियोजना देश में भूमिगत दाबयुक्त पाइप सिंचाई प्रणाली अपनाने वाली सबसे बड़ी सिंचाई परियोजना है। बेहतर जल प्रबंधन और औद्योगिक इकाइयों को पर्याप्त जल आपूर्ति से औद्योगिक विकास होगा और रोजगार को बढ़ावा मिलेगा। फसलों के उत्पादन और किसानों की आय में वृद्धि से ग्रामीण अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होगी और जल विद्युत परियोजनाओं के निर्माण से हरित ऊर्जा में 103 मेगावॉट योगदान के साथ रोजगार के अवसर मिलेंगे। बेहतर जल प्रबंधन और औद्योगिक इकाइयों को पर्याप्त जल आपूर्ति से औद्योगिक विकास होगा।

इस अवसर पर एमपी के राज्यपाल मंगुभाई पटेल, सीएम डॉ मोहन यादव, केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल समेत कई सांसद और मंत्री मौजूद थे।

काबुल ने कहा, बदला लेंगे

अफगान पर पाकिस्तान का हमला, 46 की मौत

नयी दिल्ली। अफगानिस्तान के पूर्वी पक्तिका प्रांत में पाकिस्तानी सेना द्वारा की गयी बमबारी में कम से कम 46 लोग मारे गये हैं। इनमें से ज्यादातर बच्चे और महिलाएं हैं। अफगान की तालिबान ने अपने पड़ोसी मुल्क के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करने की बात कही है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक तालिबान के उप प्रवक्ता हमदुल्ला फितरत ने बुधवार को बताया कि अफगानिस्तान में चार स्थानों पर बमबारी हुई। राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता इनायतुल्लाह खौराजमी ने कहा-अफगानिस्तान इस क्रूर कृत्य को सभी अंतरराष्ट्रीय सिद्धांतों का घोर उल्लंघन है। इसका जवाब जरूर देंगे। दोनों पड़ोसियों के बीच तनावपूर्ण संबंध है। पाकिस्तान का कहना है कि उसके देश में हुए कई आतंकवादी हमले अफगान धरती से किये गये हैं। हालांकि अफगान तालिबान ने इन आरोपों से इनकार किया है।

नौसेना के बेड़े में अगले महीने शामिल होंगे दो स्वदेशी युद्धपोत और पनडुब्बी 'वाग्शीर'

हिंद महासागर क्षेत्र में चीन की लगातार बढ़ती पैठ का मुकाबला करने के लिए भारतीय नौसेना तैयार

एजेंसी

नयी दिल्ली। हिंद महासागर क्षेत्र में चीन की लगातार बढ़ती पैठ का मुकाबला करने के लिए भारत अपनी समुद्री लड़ाकू क्षमताओं को बढ़ावा देने के लिए नौसेना के बेड़े में अगले महीने दो स्वदेशी युद्धपोत और एक डीजल-इलेक्ट्रिक पनडुब्बी को शामिल करने के लिए तैयार है। नए युद्धपोतों में सबसे बड़ा निर्देशित मिसाइल विध्वंसक सूरत और स्टील्थ फ्रिगेट नीलगिरि है, जो इसी माह नौसेना को सौंपे जा चुके हैं। इस बीच रूस में निर्मित नया युद्धपोत आईएनएस तुशील भी स्वदेश आयेगा। नौसेना के बेड़े में शामिल होने वाली वाग्शीर भारतीय नौसेना की छठी और कलवरी श्रेणी की अंतिम पनडुब्बी है।

आईएनएस वाग्शीर का नाम रेत मछली के नाम पर रखा गया है, जो हिंद महासागर में गहरे समुद्र में रहने वाली एक शिकारी मछली है। पनडुब्बी को सभी ऑपरेशन थियेटर में काम करने के लिए डिजाइन किया गया है और यह नौसेना टास्क फोर्स के अन्य घटकों के साथ अंतर-संचालन योग्य है। पनडुब्बी वाग्शीर का विस्थापन 1,600 टन होगा, जिनमें सभी घातक प्रहार के लिए भारी-भरकम सेंसर और हथियार लगे हैं। वहीं नौसेना को मिला जहाज 'सूरत' 35

हजार करोड़ रुपये की परियोजना 15 बी स्टील्थ गाइडेड मिसाइल विध्वंसक का चौथा और अंतिम है। इससे पहले पिछले तीन वर्षों में इसी प्रोजेक्ट के तीन जहाजों विशाखापत्तनम, मोरमुगाओ और इंफाल को नौसेना के बेड़े में शामिल किया जा चुका है।

नौसेना को सौंपा गया फ्रिगेट नीलगिरि प्रोजेक्ट 17 ए स्टील्थ का पहला जहाज है। इस योजना के सात जहाज एमडीएल, मुंबई और जीआरएसई, कोलकाता में बनाए जा रहे हैं। ये बहु-मिशन फ्रिगेट भारत के समुद्री हितों के क्षेत्र में पारंपरिक और अपारंपरिक दोनों तरह के खतरों से ब्लू वाटर में मुकाबला करने में सक्षम है। इसे डीजल या गैस से संचालित किया जाता है। जहाज में सुपरसोनिक सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल प्रणाली, मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली, 76 मिमी अपग्रेडेड गन और रैपिड फायर क्लोज-इन हथियार प्रणालियों को लगाया गया है।

आईएनएस वाग्शीर (एस 26) भारतीय नौसेना के लिए छह कलवरी श्रेणी की पनडुब्बियों के पहले बैच की छठी पनडुब्बी है। यह स्कॉर्पीन श्रेणी पर आधारित एक डीजल-इलेक्ट्रिक अटैक पनडुब्बी है, जिसे फ्रांसीसी नौसेना रक्षा और ऊर्जा समूह नेवल ग्रुप ने डिजाइन किया है और मुंबई के शिपयार्ड मझगांव डॉक लिमिटेड ने निर्मित किया है। यह पनडुब्बी 221 फीट लंबी, 40 फीट ऊंची है। समुद्र की सतह पर इसकी गति 20 किमी प्रति घंटा और नीचे 37 किमी प्रति घंटा है। इसमें 50 दिनों के लिए 350 मीटर पानी के नीचे डूबने की सीमा है।

नक्सलवाद से निपटने में सीआरपीएफ ने किया सराहनीय कार्य : अमित शाह

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने नक्सलवाद से निपटने, पूर्वोत्तर राज्यों और जम्मू-कश्मीर में शांति एवं स्थिरता बहाल करने में सराहनीय कार्य किया है। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नयी दिल्ली स्थित सीआरपीएफ मुख्यालय के दौरे के क्रम में वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की और सीआरपीएफ के परिचालन और प्रशासनिक प्रदर्शन की व्यापक समीक्षा की। बैठक में केन्द्रीय गृह सचिव सहित गृह मंत्रालय के अनेक वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। इस मौके पर केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में आंतरिक सुरक्षा और शांति सुनिश्चित करने में सीआरपीएफ की महत्त्वपूर्ण भूमिका है।

अमित शाह ने भाषाई एकता को मजबूत करने के लिए बल के दैनिक कामकाज में हिंदी को बढ़ावा देने के महत्व पर जोर दिया। शाह ने जवानों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए श्री अन्न (मोटे अनाज) के अधिक से अधिक उपयोग पर बल देने के साथ-साथ बेहतर स्वास्थ्य के लिए जवानों से प्रकृति परीक्षण अभियान के तहत आयुर्वेद के अधिकाधिक उपयोग का भी आह्वान किया।

बैठक के दौरान केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के महानिदेशक अनीश दयाल सिंह ने गृह मंत्री को सीआरपीएफ में अनुकम्पा आधारित नियुक्तियों सहित बल के शहीद जवानों के परिवारों के लिए चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से अवगत कराया।

गहना आभूषण
सोना (बिक्री) : 71300 रु./10 ग्राम
चांदी : 90000 रु./प्रति किलो

जयंती पर याद किये गये पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी

कोमल हृदय के विचारों के प्रति दृढ़ थे अटल बिहारी वाजपेयी : बाबूलाल मरांडी

- भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा- अटल जी ने प्रधानमंत्री के रूप में गांव, गरीब, किसान को विकास की मुख्यधारा से जोड़ा

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। भाजपा मुख्यालय में बुधवार को पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म शताब्दी वर्ष की शुरुआत हुई। भाजपा ने हर वर्ष की भांति इस बार भी अटल जी की जयंती को सुशासन दिवस के रूप में प्रदेश में मनाया। राज्य के सभी बूथों पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने अटल जी के चित्रों पर माल्यार्पण कर उन्हें याद किया। भाजपा मुख्यालय में अटल जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रदर्शनी का उदघाटन बाबूलाल मरांडी ने किया। इसके पूर्व विधानसभा परिसर स्थित अटल बिहारी वाजपेयी की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। वहीं, भाजपा महानगर की ओर से अटल वेंडर मार्केट में विचार गोष्ठी आयोजित की गयी। इस अवसर पर बाबूलाल मरांडी ने कहा कि अटल जी जैसा महान व्यक्तित्व विरले होते हैं। आज अटल जी भले ही शरीर से हमलोगों के बीच नहीं हैं। लेकिन उनकी वाणी, उनकी कवितायें, उनके विचार आज भी लोगों का मार्गदर्शन कर रहे हैं। भाजपा के करोड़ों कार्यकर्ता अटल जी से प्रेरित होकर समाज जीवन में अपनी भूमिका का निर्वहन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे बड़े मन के नेता थे। उनका हृदय कोमल था। लेकिन मां भारती की सेवा में वे विचारों के प्रति दृढ़ थे। उन्होंने कहा कि संगठन में कार्यकर्ताओं को कार्य करने की स्वतंत्रता के वे आग्रही थे। उन्होंने कहा कि एक शिक्षक के पुत्र के रूप में जीवन यात्रा प्रारंभ करने वाले अटल जी ने अपने संघर्ष और परिश्रम से महान व्यक्तित्व को गढ़ा। उन्होंने कहा कि अटल जी ने कभी सत्ता के लिए विचारों से समझौता नहीं किया। पहले गैर कांग्रेसी प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने भारत की राजनीति को नई दिशा दी। देश को आगे बढ़ाने और कांग्रेस पार्टी की देश विरोधी नीतियों से मुक्ति दिलाने के लिये उन्होंने गठबंधन की राजनीति को मजबूती प्रदान की। लेकिन सत्ता लोलुपता उन्हें छू नहीं सकी। उन्होंने कहा कि पहले 13 दिन, फिर 13 महीने, फिर साढ़े चार सालों तक प्रधानमंत्री के रूप में अटल जी ने विकसित भारत, स्वाभिमानी भारत, दुनियां का सिरमौर भारत बनाने के लिये हरसंभव कोशिश की। उन्होंने कहा कि पहली बार गांव, गरीब, किसान को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में सार्थक पहल अटल जी की सरकार ने की। उन्होंने कहा कि यूएनओ में पहली बार हिंदी में भाषण देकर अटल जी ने राष्ट्र भाषा का विश्व पटल पर महिमा मंडन किया। उन्होंने कहा कि अटल जी की सरकार आदिवासी कल्याण के लिए समर्पित थी। उन्होंने जनभावनाओं का सम्मान करते हुये अलग झारखंड राज्य के सपने को साकार किया। संथाली भाषा को 8वीं अनुसूची में शामिल किया। केंद्र में आदिवासी कल्याण मंत्रालय बनाये।

भाजपा के लिए बैटिंग करने फिर मैदान में उतरे रघुवर दास

- झारखंड राज्य से पहले राज्यपाल बनने वाले रघुवर दास अब इस्तीफा देकर फिर सक्रिय राजनीति में कदम रखने की चाह रखते हैं, भाजपा उन्हें दे सकती है बड़ी जिम्मेवारी

उदय चौहान

रांची। रघुवर दास फिर भाजपा के लिये बैटिंग करने के लिये राजनीति के मैदान में उतर गये हैं। झारखंड से पहले राज्यपाल बनने वाले रघुवर दास ने अपने पद से इस्तीफा देकर भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने वाले हैं। अचानक राज्यपाल से इस्तीफा देने के बाद रघुवर दास फिर सुर्खियों में हैं। अचानक घटनाक्रम से झारखंड में कयासों का बाजार गर्म हो गया है। रघुवर दास के समर्थकों में नया जोश देखा जा रहा है। उनके समर्थकों को उम्मीद है कि रघुवर दास को भाजपा में बड़ी जिम्मेवारी मिल सकती है।

राजनीतिक के जानकार बताते हैं कि भाजपा का शीर्ष नेतृत्व श्री दास को राष्ट्रीय स्तर का कोई पद दे सकता है। इसके लिये उपर लेबल पर लॉबिंग भी हो रही है। दरअसल, श्री दास के राज्यपाल के पद से इस्तीफे की चर्चा झारखंड के विधानसभा चुनाव के वक्त भी हो रही थी। दरअसल, श्री दास जमशेदपुर पूर्वी से विधानसभा का चुनाव लड़ना चाहते थे। उस वक्त पार्टी आलाकमान ने उन्हें राज्यपाल बने रहने को लेकर मना लिया था। सूत्रों का दावा है कि रघुवर दास पार्टी के एक कर्मठ कार्यकर्ता माने जाते हैं। उनकी कार्यशैली अच्छी और प्रमाणिक रही है। पूर्व में पार्टी ने उनको कई दायित्व दिये हैं। कयास लगाया जा रहा है कि उन्हें राज्य की राजनीति की कमान सौंपी जा सकती है। बाबूलाल मरांडी विधानसभा चुनाव में फेल कर चुके हैं। अब पार्टी को सख्त मिजाज वाला अध्यक्ष चाहिये। झामुमो ने आदिवासी व मुस्लिम वोट तैयार कर लिया है। इसको रघुवर के सहारे ओबीसी एकजुटता से ही काउंटर किया जा सकता है।

रघुवर दास ने राजनीति में बनायें है कई रिकॉर्ड

रघुवर दास भाजपा में रह कर कई रिकॉर्ड बनाये हैं। 1977 में जनता पार्टी से राजनीति की शुरूआत की थी। 1980 में भाजपा के संस्थापक सदस्य के रूप में शामिल हुये। 1995 से 2019 तक जमशेदपुर पूर्वी से लगातार विधानसभा सदस्य चुने जाते रहे। झारखंड की अलग-अलग सरकारों में मंत्री, उपमुख्यमंत्री रहे। 2014 से 2019 तक राज्य के पहले गैर आदिवासी मुख्यमंत्री बने। पांच साल का कार्यकाल पूरा करने का रिकॉर्ड भी इन्हीं के नाम है। कुछ समय तक श्री दास पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भी रहे। फिर अक्टूबर 2023 में उन्हें ओडिशा का राज्यपाल बना दिया गया। इसे रघुवर दास की राजनीतिक पारी के एंड के रूप में देखा जा रहा था, लेकिन 24 दिसंबर 2024 को हुये घटनाक्रम ने एक बार फिर उन्हें कयासों के बाजार में खड़ा कर दिया है।

उत्पाद दरोगा निलंबन मुक्त मामले में गृह मंत्री हस्तक्षेप करें : सुधीर श्रीवास्तव

- भाजपा नेता ने कहा- झारखंड में उत्पाद आयुक्त ने 17 दिन में 9 उत्पाद दरोगा को कार्यहित में किया निलंबन मुक्त

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। भाजपा नेता सुधीर श्रीवास्तव ने उत्पाद दारोगा निलंबन मुक्त मामले में गृह मंत्री अमित शाह से हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने कहा कि झारखंड में उत्पाद विभाग के निलंबित 9 दरोगा को सिर्फ इस कारण निलंबन मुक्त किया गया कि यहां कर्मचारियों की कमी है, कार्य हित और राजस्व हित में है। ऐसा अजीबो गरीब निलंबन मुक्त का आदेश से आहत होकर भाजपा विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक सुधीर श्रीवास्तव ने इस मामले की पूरी जानकारी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को दी है। उन्होंने बताया कि 26 नवंबर को 9 उत्पाद दरोगा को एमआरपी से अधिक कीमत पर शराब बिक्री के कारण निलंबित किया था और ये सभी दरोगा गुमला, रांची, बोकारो, धनबाद जिले में पदस्थापित थे। उत्पाद आयुक्त अमित प्रकाश ने एक साथ सभी को निलंबन किया था और एक साथ ही निलंबन मुक्त किये। उन्होंने बताया कि इस मामले की पूरी जांच होनी चाहिए कि किस के दबाव में यह निलंबन मुक्त किया गया। क्या निलंबन करने के पीछे भी कोई साजिश तो नहीं थी। उन्होंने अपने पत्र की प्रति मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को भी दी गई है।

नितिन मदन कुकर्णी और अजय कुमार सिंह को मिली सीएस रैंक में प्रोन्नति

- आईएएस सत्येंद्र सिंह और ए मुत्थुकुमार को प्रोफार्मा प्रोन्नति

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राज्य सरकार ने राज्यपाल के प्रधान सचिव डॉ नितिन मदन कुलकर्णी और स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव अजय कुमार सिंह को अपर मुख्य सचिव रैंक में प्रोन्नति दे दी है। यह प्रोन्नति एक जनवरी 2025 से प्रभावी होगी।

सत्येंद्र सिंह को प्रोफार्मा प्रोन्नति : केंद्रीय प्रतिनियुक्ति में तैनात झारखंड कैडर के आइएएस सत्येंद्र सिंह को अपर मुख्य सचिव रैंक में प्रोफार्मा प्रोन्नति दी गई है।

तीन अफसर सेक्रेट्री रैंक में प्रोन्नत : राज्य सरकार ने श्रम विभाग के प्रभारी सचिव मुकेश कुमार को सचिव रैंक में प्रोन्नति दी है। यह प्रोन्नति एक जनवरी 2025 से प्रभावी होगी। वहीं स्कूली शिक्षा विभाग के प्रभारी सचिव उमाशंकर सिंह को भी सेक्रेट्री रैंक में प्रोन्नति दी गई है। यह एक जनवरी 2025 से प्रभावी होगी। वहीं केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर तैनात ए मुत्थुकुमार को सचिव रैंक में प्रोफार्मा प्रोन्नति दी गई है। कार्मिक ने इसका आदेश जारी कर दिया।

झारखंड राज्य लेखा लिपिक संघ के राज्य कार्यकारिणी की बैठक में लिये गये कई निर्णय

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार बुधवार को झारखंड राज्य लेखा लिपिक संघ के राज्य कार्यकारिणी समिति की बैठक प्रांतीय अध्यक्ष अविनाश कुमार मिश्र की अध्यक्षता में स्टेशन रोड रांची में हुई। बैठक में विभिन्न झारखंड के कार्य विभागों यथा जल संसाधन विभाग, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, ग्रामीण कार्य विभाग, पथ निर्माण विभाग एवं भवन निर्माण विभाग के लेख लिपि के संघीय पदधारकों ने भाग लिया। बैठक में रांची के अलावा बोकारो, देवघर, दुमका, गिरीडीह, जमशेदपुर, गोड्डा, हजारीबाग, गिरिडीह, चाईबासा सहित विभिन्न जिलों के साथियों ने भाग लिया।

बैठक में राज्य के विभिन्न विभागों में लिखा-आईटी किए संपर्क से संबंधित मांगों पर चर्चा की गई। इसमें नियुक्ति की तिथि से 2800 का ग्रेड वेतन का लाभ संवर्गीय प्रोन्नति एसीपी एमएसपी का लाभ सहित विभिन्न मांग है। बैठक में निर्णय लिया गया कि संघीय कार्यक्रम को बढ़ावा देकर तथा लिखित ज्ञापन एवं शिस्टमंडलीय वार्ता द्वारा संघ का पक्ष प्रमुखता से सरकार के समक्ष रखा जाएगा। बैठक में उपाध्यक्ष मानवेंद्र नारायण, मनोज कुमार, अनीश शाही, महासचिव अमरेश कुमार, प्रदेश संयुक्त सचिव संतोष कुमार, विश्वजीत झा, राघवेंद्र चंद्रदेव, प्रदेश कोषाध्यक्ष ब्रजेश झा, संगठन सचिव संपद महतो, प्रदेश प्रवक्ता साधना कुमारी, अंकेक्षक ठाकुर विजय कुमार, ठाकुर पंकज कुमार, मीडिया प्रभारी अजीत कुमार झा, गजेंद्र कुमार, अजीत कुमार सिंह, मनीष कुमार, राकेश कुमार एवं चंदन कुमार आदि ने प्रमुखता से अपनी बातों को रखा।

जेएसइआरसी ने फीस की नई दरें की तय, बिजली टैरिफ निर्धारण के लिए देने होंगे 20-40 लाख फीस

- बिजली वितरण लाइसेंसी को टैरिफ निर्धारण के लिए देने होंगे 20 से 40 लाख

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड राज्य विद्युत नियामक आयोग (जेएसइआरसी) ने टैरिफ निर्धारण, आवेदन शुल्क, लाइसेंस में संशोधन सहित अन्य मामलों के लिए फीस की नई दरें तय की है। आयोग के अनुसार, बिजली वितरण से जुड़े लाइसेंसी कंपनियों को टैरिफ निर्धारण के लिए न्यूनतम 20 लाख से अधिकतम 40 लाख रुपये देने होंगे। वहीं विवादों के निपटारे के लिए दो लाख लगेंगे।

शुल्क निर्धारण के लिए देने होंगे दो लाख : अगर बिजली कंपनियां शुल्कों, शर्तों आदि के निर्धारण के लिए आवेदन करेंगी तो दो लाख रुपए देने होंगे। वहीं लाइसेंस लेने के लिए आवेदन शुल्क और वार्षिक शुल्क के रूप में एक लाख रुपए देने होंगे। पूर्व से अनुमोदन की इच्छा रखने वाली कंपनियों के लिए आवेदन शुल्क पांच लाख रुपये रखा गया है। लाइसेंस में संशोधन के लिए आवेदन देने पर एक लाख लगेंगे. लाइसेंस रद्द करने के लिए आवेदन देने पर एक लाख शुल्क लगेंगे।

थर्मल और हाइडल पावर लगाने के लिए 30 से 60 लाख : थर्मल प्लांट और हाइडल पावर (पनबिजली) प्लांट लगाने के लिए न्यूनतम 30 लाख और अधिकतम 60 लाख रुपये देने होंगे। यह फीस प्लांट की क्षमता के आधार पर निर्धारित होगा। विवादों के निर्णय के लिए सात लाख रुपए देने होंगे। टैरिफ आदेश या बिजली खरीद की समीक्षा के लिए आवेदन देने पर सात लाख लगेंगे। मुख्य विद्युत निरीक्षक के निर्णय के खिलाफ अपील पर 25 हजार रुपए देने होंगे।

रघुवर दास की सक्रिय राजनीति में वापसी, स्वागत योग्य : राजेन्द्र प्रसाद

रांची। उड़ीसा के राज्यपाल रघुवर दास से इस्तीफा दिलाकर सक्रिय राजनीति में लाने का केंद्रीय नेतृत्व के कदम का मूलवासी सदान मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद ने स्वागत किया है। प्रसाद ने इसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के निर्णय का स्वागत किया किया है। राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि रघुवर दास ने अभी सिर्फ इस्तीफा दिया है। केन्द्रीय नेतृत्व ने अभी कोई तय नहीं किया है कि उन्हें केंद्र या राज्य की जिम्मेवारी देगी। प्रसाद ने कहा कि झारखण्ड विधानसभा चुनाव में रघुवर दास की कमी हर जाति और धर्म के लोगों को खली थी, यह बात सभी भली-भांति जानते हैं। राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि रघुवर दास के सक्रिय राजनीति में वापसी से राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में राष्ट्रीय स्तर पर राजनीति में खासकर ओबीसी समुदाय पर इसका असर देखने को मिलेगा। प्रसाद ने कहा कि झारखण्ड में ही नहीं बल्कि पूरे देश में भाजपा पार्टी के प्रति सहानुभूति व सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा और इसका लाभ भाजपा को निश्चित रूप से मिलेगा।

राज्यपाल से बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रही हिंसा रोकने की मांग

- इंडियन रिपब्लिकन डेमोक्रेटिक काउंसिल के प्रतिनिधिमंडल ने सौंपा ज्ञापन

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। इंडियन रिपब्लिकन डेमोक्रेटिक काउंसिल का प्रतिनिधिमंडल बुधवार को राज्यपाल संतोष गंगवार से राजभवन में मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से कहा कि हाल ही में, बांग्लादेश में हुए सत्ता परिवर्तन के पश्चात, वहां के अल्पसंख्यक समुदायों के खिलाफ अत्याचार व हिंसा की घटनाओं में तेजी आई है, यह घटनाएं न केवल अमानवीय और संवैधानिक अधिकारों का हनन हैं, बल्कि अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा के लिए खतरा भी उत्पन्न कर रही हैं। महिलाओं, बच्चों व बुजुर्गों को विशेष रूप से निशाना बनाया जा रहा है, उनके धार्मिक स्थलों, संपत्तियों और जीवन के मौलिक अधिकारों पर भी हमला हो रहा है। यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है और एक सभ्य समाज के मूल्यों के खिलाफ है। भारत एक लोकतांत्रिक व संवैधानिक मूल्यों पर आधारित देश होने के नाते, बांग्लादेश के अल्पसंख्यकों के संवैधानिक अधिकारों व उनकी सुरक्षा के लिए अपनी नैतिक जिम्मेदारी निभाने का कर्तव्य रखता है। इस संबंध में, मैं आपका ध्यान निम्नलिखित बिंदुओं की ओर आकर्षित करना चाहता हूं।

इन बिंदुओं पर ध्यान आकर्षित कराया

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो रही हिंसा न केवल उनके धार्मिक अधिकारों का हनन है, बल्कि यह मानवाधिकारों व अंतरराष्ट्रीय कानूनों का भी उल्लंघन है। अल्पसंख्यक समुदायों के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए बांग्लादेश सरकार पर दबाव डालने की आवश्यकता है। यह भारत की जिम्मेदारी है कि वह पड़ोसी देशों में हो रहे मानवाधिकार हनन के खिलाफ आवाज उठाए और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ मिलकर इस समस्या का समाधान निकाले। इस गंभीर विषय पर विचार करते हुए, राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री, को पत्र लिखें। बांग्लादेश सरकार पर कूटनीतिक दबाव बनाने का अनुरोध करें, ताकि वहां रह रहे अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। बांग्लादेश में हो रहे मानवाधिकार हनन के खिलाफ भारत अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी आवाज बुलंद करें।

राज्यपाल ने प्रतिनिधिमंडल से कहा कि यह ज्ञापन आप अपने स्तर से भी मुख्यमंत्री व राष्ट्रपति को भेजें, यह सराहनीय कदम है, देश की गंगा जमुनी तहजीब को इससे बल मिलेगा, जिसपर राष्ट्रीय अध्यक्ष मुफ्ती अब्दुल्लाह अजहर ने कहा कि हम यह ज्ञापन को जरूर भेजेंगे।

प्रतिनिधिमंडल ने काउंसिल के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुफ्ती अब्दुल्ला अजहर कासमी, कारी जान मोहम्मद मुस्तफी, मौलाना तौफीक कादरी, आलोक कुमार सिंह, मो इम्तियाज मौजूद थे।

आवश्यक वैधानिक औपचारिकताओं को पूरा कर पेसा कानून जल्द लागू करना सबसे जरूरी : बंधु तिर्की

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। पूर्व मंत्री और प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने कहा है कि झारखण्ड सरकार द्वारा पेसा कानून की नियमावली को मंजूरी देने के बाद अब इस बात की नितांत आवश्यकता है कि सभी आवश्यक वैधानिक औपचारिकताओं को पूरा कर पेसा कानून को जमीनी स्तर पर जल्द-से-जल्द लागू किया जाये। श्री तिर्की ने कहा कि पेसा कानून लागू होने से झारखण्ड की दशा और दिशा में सकारात्मक बदलाव आयेगा और अब ग्रामीणों विशेषकर जनजातीय समुदाय और मूलवासियों के लिये यह बहुत जरूरी है कि सरकार द्वारा स्वीकृत पेसा नियमावली के अनुरूप पेसा कानून का सीधा फायदा झारखण्ड के लोगों को मिले। वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने कहा कि इससे न केवल ग्रामीणों की विकास संबंधी जरूरतें पूरी होगी बल्कि जमीन के साथ ही उपलब्ध संसाधनों की लूट भी रोकी जा सकेगी। साथ ही इससे ग्रामीण क्षेत्रों में आपराधिक घटनाओं पर नियंत्रण होने की भी पूरी संभावना है। श्री तिर्की ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से अनुरोध किया कि नयी सरकार के गठन के बाद झारखण्ड में विशेष रूप से आदिवासियों एवं मूलवासियों को पेसा कानून लागू

होने के सम्बन्ध में सरकार से बहुत अधिक भरोसा है। झारखण्ड की जनता की लम्बे समय से पेसा कानून को लागू करने की मांग बहुप्रतीक्षित है और कांग्रेस की महत्वपूर्ण भागीदारी वाली हेमंत सरकार ने आम लोगों की सभी न्यायोचित माँग को पूरा करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाते हुए लोगों की आकांक्षाओं को पूरा किया है। श्री तिर्की ने विश्वास व्यक्त किया कि पेसा कानून लागू होने से ग्रामीण क्षेत्रों में जनप्रतिनिधि भी अपनी पूर्ण जिम्मेदारी, जवाबदेही, ईमानदारी और लोगों की जरूरतों-आकांक्षाओं के अनुरूप अपनी जागरूकता का परिचय देते हुए अपने कार्य करेंगे क्योंकि ग्राम सभा की सफलता के लिये यही अनिवार्य और व्यावहारिक शर्त है।

श्री तिर्की ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा से भारत के आदिवासियों, अनुसूचित जातियों, दलितों, अन्य पिछड़े वर्ग (ओबीसी), अल्पसंख्यकों आदि के प्रति पूरी तरीके से समर्पित होकर काम किया है। देश के नवनिर्माण और विकास के लिये समाज के सभी वर्गों की समान भागीदारी के लिये और भारत के वर्षों से उपेक्षित लोगों की आकांक्षाओं के अनुरूप विकास में उनकी समान भागीदारी के लिये स्वर्गीय राजीव गांधी के प्रधानमंत्रित्व काल में पंचायती राज कानून को देशव्यापी स्तर पर लागू किया गया था। इसी के पश्चात पेसा कानून को मंजूरी दी गयी जिसमें जनजातीय बहुल ग्रामीण क्षेत्रों में न केवल ग्रामीण परंपराओं के अनुरूप बल्कि, ग्रामीणों की आकांक्षाओं के अनुरूप भी ग्राम सभाओं को सशक्त करने का प्रावधान था। श्री तिर्की ने कहा कि झारखण्ड के ग्रामीण क्षेत्र में पारम्परिक शासन व्यवस्था का विशेष महत्व है, जहां मानकी-मुण्डा, पाहन, प्रधान, मांझी जैसी व्यवस्था के कारण ही विकास के साथ-साथ जनजातीय जीवन-संस्कृति का भी संरक्षण होता है और संवैधानिक व्यवस्था के अनुसार झारखण्ड के लोगों की अपेक्षाओं के अनुकूल पेसा नियमावली को अविलंब लागू करना आज की सर्वाधिक प्राथमिक जरूरतों में से एक है।

विस्तारित कार्यसमिति की बैठक में भाग लेने कर्नाटक गये कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष

- कहा- हमारे लिए यह गौरव का पल है कि शताब्दी समारोह में सम्मिलित होने जा रहे हैं

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की विस्तारित कार्यसमिति की बैठक में भाग लेने बुधवार को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश और कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव रांची बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से बेलगाम (कर्नाटक) के लिए रवाना हो गये। रवाना होने के पहले प्रेस से बात करते हुए प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि हमारे लिए यह गौरव का पल है कि 1924 में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर आसीन हुए और आज हम सभी उनके शताब्दी समारोह में सम्मिलित होने जा रहे हैं। यह एक ऐतिहासिक क्षण होगा। गांधी जी ने जो सत्य अहिंसा का संदेश दिया है और आज देश में जिसप्रकार लोकतंत्र की हत्या की जा रही है। जिस तरह नफरत फैलाया जा रहा है उससे हमें लड़ना है। हमारी ताकत गांधी का संदेश है।

वहीं, प्रदीप यादव ने कहा कि देश तभी ताकत हासिल कर सकता है और खुद विकसित कर सकता है, जब भारत के सभी समुदाय के लोग आपसी सद्भावना के साथ रहें।

ऐतिहासिक जगन्नाथपुर मंदिर का 334वां वार्षिकोत्सव धूमधाम से मना

विष्णु सहस्त्रनाम से पहले गणपति हवन विष्णु हवन

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। ऐतिहासिक जगन्नाथपुर मंदिर का 334वां वार्षिक महोत्सव बड़े ही धूमधाम से बुधवार को मनाया गया। इस मौके पर मंदिर को फूलों से और रंग-बिरंगे लाइटों से सजाया गया था। सुबह सबसे पहले मंदिर के पुजारी कोशतुब्धार मिश्रा और राम महंती ने महाप्रभु को नए वस्त्र धारण कराया। विष्णु सहस्त्रनाम से पहले गणपति हवन विष्णु हवन किया गया। इस मौके पर जगन्नाथपुर मंदिर न्यास समिति के सदस्य राजीव रंजन मिश्रा और उनकी पत्नी यजमान के रूप में मौजूद थे।

मौके पर श्रद्धालुओं के लिए निःशुल्क भोग का वितरण किया गया। पूरा कार्यक्रम जगन्नाथपुर मंदिर के प्रथम सेवक ठाकुर सुधांशु नाथ शाहदेव की देखरेख में संपन्न कराया गया। इस मौके पर एसडीओ उत्कर्ष कुमार, पुजारी रामेश्वर पाढ़ी, सरयू नाथ मिश्रा, मदन मोहन पढ़ी, परमेश्वर पाढ़ी, धनंजय पांडा, संतोष महंती, अश्वनी नाथ मिश्रा, विपिन उपाध्याय मौजूद थे।

गिरजाघरों में विशेष प्रार्थना सभा, केक काटा और चॉकलेट का वितरण

यीशु के जन्म के साथ ही खुशियों में डूबी राजधानी, धूमधाम से मना क्रिसमस पर्व

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। मसीही समाज के लोग बुधवार को यीशु के जन्मोत्सव की खुशियों में डूब गए और बड़े ही धूमधाम से क्रिसमस का पर्व मनाया। मसीही समाज के लोगों ने केक काटा और एक दूसरे के बीच चॉकलेट बांटा। सुबह में राजधानी के सभी गिरजाघरों में विशेष प्रार्थना सभाएं हुईं। विशेष प्रार्थना में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। इस मौके पर ईसाई समाज के लोगों ने कैंडल जलाकर विशेष प्रार्थना की।

संत मरिया महागिरजाघर : पहली आराधना सुबह छह बजे से हुई। इस मौके पर मुख्य अनुष्ठक अनु और उपदेशक फादर एजेकिएल टोप्पो थे। दूसरी आराधना सुबह 7:30 बजे से हुई। मुख्य अनुष्ठक फादर रॉबिन प्रफुल्ल टोप्पो थे। तीसरी आराधना सुबह नौ बजे हुई इस मौके पर मुख्य अनुष्ठक फादर जॉर्ज मिंज थे।

जीइएल चर्च मेन रोड : पहली आराधना सुबह 6:30 बजे हुई। आराधना का संचालन रेव्ह एजे भेंगरा व उपदेशक रेव्ह पीसी लकड़ा ने किया। एडल्ट सर्विस दिन के 10:30 बजे से हुई। सर्विस का संचालन रेव्ह एन गुड़िया और उपदेशक मॉडरेटर बिशप मार्शल केरकेप्ता ने किया। संध्या आराधना में संचालक रेव्ह जीएस केरकेप्ता व उपदेशक बिशप सीमांत तिर्की ने किया।

संत पॉल्स कैथेड्रल बहु बाजार : पहली आराधना सुबह 6: 15 बजे हुई। मौके पर अनुष्ठक रेव्ह एस भुईया व उपदेशक रेव्ह ए डहंगा थे। दूसरी आराधना दिन के 10:45 बजे हुई। मौके पर अनुष्ठक रेव्ह जे भेंगरा व उपदेश रेव्ह वी कुजूर थे।

एनडब्ल्यूजीइएल चर्च : पहली आराधना सुबह 8:30 बजे से हुई। संचालन रेव्ह यीशु नासरी मिंज ने किया। इस अवसर पर रेव्ह एजे भेंगरा ने कहा कि क्रिसमस का त्योहार शांति का प्रतीक माना जाता है। उन्होंने कहा कि हजारों साल पहले आए प्रभु यीशु ने इस धरती पर शांति का पैगाम दिया. उन्होंने ये भी कहा कि यीशु ने हम सबके लिए परेशानियों का सामना किया. जिससे हम लोग सही रास्तों पर चलकर शांति का पैगाम दें।

अटल जी के आदर्श सदैव प्रेरणा के स्रोत: राज्यपाल

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने बुधवार को पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी की जयंती के अवसर पर राज भवन के दरबार हॉल में उनके चित्र पर माल्यार्पण कर अपनी श्रद्धा-सुमन अर्पित की। मौके पर उन्होंने कहा कि अटल जी का जीवन राष्ट्रीय एकता, लोकतांत्रिक मूल्यों और विकास के प्रति समर्पण का प्रतीक है। उन्होंने अपने विचारों और कार्यों से भारतीय राजनीति को एक नई दिशा दी। अटल जी के आदर्श सदैव सभी के लिए प्रेरणा के स्रोत हैं।

नये साल को लेकर पर्यटन स्थलों पर सुरक्षा के किये जा रहे पुख्ता इंतजाम

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। नये साल का काउंटडाउन शुरू हो चुका है। लोग परिवार के साथ पिकनिक मनाने पर्यटन स्थलों पर पहुंच रहे हैं। यह देखते हुए जिला पर्यटन नोडल पदाधिकारी शिवेंद्र कुमार के नेतृत्व में सुरक्षा के इंतजाम किये जा रहे हैं। बुधवार को रांची जिले में पड़ने वाले लोकप्रिय पर्यटन स्थल दशम फॉल में खतरे के निशान को चिन्हित करते हुए मार्किंग की गयी।

डेंजर स्पॉट को रस्सी से घेरा गया

वहां पर चेतावनी वाले पोस्टर लगाये गये और डेंजर स्पॉट को रस्सी से घेरा गया। बता दें कि गुरुवार को हुंडरू और जोन्हा फॉल में खतरे के निशान चिह्नित किये जायेंगे। कहा गया कि आम लोगों की सहूलियत के लिए पर्यटन विभाग प्रयास कर रहा है।

प्रतुल शाहदेव ने फादर अजीत खेस को क्रिसमस की दी बधाई

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने रांची में प्रोविंशियल फादर अजीत खेस से मुलाकात कर उनको क्रिसमस की शुभकामनायें दी। श्री शाहदेव ने कहा कि प्रधानमंत्री का भी मानना है कि प्रभु यीशु की सोच, अमन और भाईचारे का संदेश देती है। आज के युग में जब हिंसा सर चढ़कर बोल रही है, तब भाईचारे की जरूरत और महसूस हो रही है। उन्होंने बताया कि फादर अजीत खेस से उनका बहुत पुराना और गहरा पारिवारिक रिश्ता है। वह हर साल क्रिसमस की शुभकामनायें देने फादर को जाते हैं और फादर भी होली दीपावली पर उनके घर जाकर शुभकामनायें देते हैं। फादर ने भी अपने विदेशी दौरों की प्रतुल शाहदेव से चर्चा की। उन्होंने बताया कि अपने दौरों के दौरान उन्होंने पाया कि दूसरे राज्यों और विदेशों में भी झारखंड के लोग सादरी बोलते हैं।

रातू रोड में प्रभातफेरी पर पुष्प वर्षा कर किया स्वागत

गुरु गोविंद सिंह के 358वें प्रकाश पर्व पर कार्यक्रम का आयोजन

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। गुरुद्वारा श्री गुरूनानक सत्संग सभा की ओर से रातू रोड के श्रीकृष्णानगर कॉलोनी में गुरु गोविंद सिंह के 358वें प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में बुधवार को दूसरे दिन भी प्रभातफेरी निकाली गई। गुरुद्वारा साहिब के पार्किंग गेट से निकलकर प्रभातफेरी कॉलोनी की विभिन्न गलियों में श्रद्धालुओं के आवास तक गई। पुष्प वर्षा कर प्रभातफेरी में शामिल लोगों का स्वागत किया गया।

सत्संग सभा की कीर्तन मंडली की बबली दुआ, गीता कटारिया, शीतल मुंजाल, इंदु पपनेजा, मंजीत कौर, रेशमा गिरधर, बबीता पपनेजा, जसपाल मुजांल ने विसरू नाही दातार अपणा नाम देहु, गुण गावा दिनु रात नानक चाउ एहु... शबद गायन किया। सरदार छोटू सिंह ने निशान साहिब उठाकर फेरी की अगुवाई की व मनीष मिड्ढा ने श्रद्धालुओं के घरों के सामने कुशलक्षेम की अरदास की।

प्रभातफेरी में द्वारका दास मुंजाल, अर्जुन देव मिड्ढा, जीवन मिड्ढा, मोहन काठपाल, हरगोविंद सिंह, अशोक गेरा, अनूप गिरधर, रमेश पपनेजा, सुंदर दास मिड्ढा, इंदर, दुर्गी देवी, खुशबू, रानी तलेजा, बंसी मल्होत्रा, मनोहरी काठपाल समेत अन्य शामिल हुए।

गुरुद्वारा श्री गुरुनानक सत्संग सभा कृष्णा नगर कॉलोनी में सजा विशेष दीवान

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। दशमेश पिता श्री गुरु गोबिंद सिंह के साहिबजादों की शहादत को स्मरण करते हुए शहीदी सप्ताह आयोजन के अंतर्गत बुधवार को गुरुद्वारा श्री गुरुनानक सत्संग सभा कृष्णा नगर कॉलोनी में विशेष दीवान सजाया गया। दीवान की शुरूआत रात 08:00 बजे हजूरी रागी जत्था भाई महिपाल सिंह द्वारा वाहो वाहो गोबिंद सिंह आपे गुर चेला..... शबद गायन से हुई। गुरुद्वारा के हेड ग्रंथी ज्ञानी जिवेंदर सिंह ने कथा वाचन करते हुए संगत को बताया कि यह अतीत हजारों वर्ष पुराना नहीं है कि समय के पहियों ने चमकौर और सरहिंद के युद्ध की रेखाओं को धुंधला कर दिया हो। जहां एक ओर धार्मिक कपटरता और उसमें अंधी होकर बढ़ी मुगल सल्तनत थी तो वहीं दूसरी ओर ज्ञान और तपस्या में तपे हुए हमारे गुरु थे, जहां एक ओर आतंक की पराकाष्ठा थी, तो वहीं दूसरी ओर अध्यात्म का शीर्ष था और जहां एक ओर लाखों की फौज थी, तो वहीं दूसरी ओर अकेले होकर भी निडर खड़े गुरु के वीर साहिबजादे थे। ये जानकारी मीडिया प्रभारी नरेश पपनेजा ने दी।

28 को मंइयां सम्मान कार्यक्रम, शहर की यातायात व्यवस्था में किया गया बदलाव

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना को लेकर नामकुम खोजाटोली ट्रेनिंग ग्राउंड में 28 दिसंबर को कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इसको लेकर ट्रैफिक पुलिस की ओर से कुछ मार्गों में वाहनों का प्रवेश बंद कर दिया गया है। साथ ही कार्यक्रम में शामिल होने वाले लाभुकों के वाहनों के लिए रूट भी निर्धारित किया गया है। इसके तहत 28 दिसंबर को सुबह 9.30 से शाम 4.00 बजे तक रामपुर रिंग रोड से तुपुदाना रिंग के बीच सभी प्रकार के छोटे और बड़े मालवाहक गाड़ियों के परिचालन पर रोक लगा दी गयी है। रांची के ट्रैफिक एसपी ने ट्रैफिक व्यस्था में बदलाव को लेकर आदेश जारी कर दिया है।

28 दिसंबर को सुबह 9.30 से शाम 4.30 बजे तक रामपुर रिंग रोड चौक से तुपुदाना रिंग रोड के बीच छोटी और बड़े मालवाहक वाहनों का प्रवेश वर्जित रहेगा। जमशेदपुर से आने वाले सभी छोटे एवं बड़े मालवाहक वाहन रामपुर चौक से दायें मुड़कर नेवरी रिंग होते हुए अपने गंतव्य तक जायेंगे। खूंटी, सिमडेगा, गुमला और पलामू की ओर से आने वाले सभी छोटे व बड़े मालवाहक वाहन रिंग रोड पहुंचकर बांया मुड़कर रिंग रोड से भाया तिलता रिंग रोड, नेवरी रिंग रोड होते हुए अपने गंतव्य तक जायेंगे। वहीं कुसई चौक, घाघरा रोड, सदा बहार चौक तक मालवाहक वाहनों एवं सवारी बसों का परिचालन बंद रहेगा। एयरपोर्ट रोड से कुटियातू चौक की ओर जाने वाले सभी वाहनों का प्रवेश वर्जित रहेगा।

राष्ट्रीय सरस एवं खादी महोत्सव : मेला परिसर में लगाये गये झूलों में बच्चे कर रहे मस्ती

क्रिसमस की छुट्टी पर खादी मेले में उमड़ी भीड़

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। मोरहाबादी मैदान में चल रहे राष्ट्रीय खादी एवं सरस महोत्सव में बुधवार को क्रिसमस के मौके पर तकरीबन 18 हजार लोग मेले का आनंद लेने पहुंचे। छुट्टी होने के कारण सुबह से ही बच्चों की उपस्थिति नजर आने लगी थी। मेले में आधार कार्ड और झारखंड टूरिज्म के स्टॉल पर लोगों की काफी भीड़ देखी गई। झारखंड टूरिज्म के स्टॉल पर वीआर माध्यम से वर्चुअल रूप से लोगों को झारखंड के विभिन्न पर्यटन स्थलों को दिखाया जा रहा है। वहीं माटी कला बोर्ड के स्टॉल में मिट्टी से बने बर्तन लोगों को लुभा रहे हैं। लाह चूड़ी के स्टॉल में लाह से बने चूड़िया महिलाओं के लिए आकर्षण का केंद्र है।

मेला परिसर में ही लाह चूड़ी बनाने का जीवंत प्रदर्शन भी किया जा रहा है। क्रिसमस के मौके पर खादी बोर्ड एवं पलाश जैसल पीस के संयुक्त तत्वाधान में क्रिसमस गैदरिंग का आयोजन किया गया।

सांस्कृतिक कार्यकम : मेले में कुश कुमार करवा एवं खुशबू कुमारी, झारखंड कला मंदिर होटवार द्वारा बांसुरी वादन एवं भरतनाट्यम नृत्य की प्रस्तुति की गई। साथ ही सी शालीन और शुभ संस्कार क्रिएटिव डांस एकडमी के द्वारा कथक एवम 4 स्ट्रिंग्स बैंड द्वारा क्रिसमस गैदरिंग एवं विवेक नायक ग्रुप द्वारा नागपुरी गायन प्रस्तुत किया गया।

ऑर्गेनिक बास्केट के स्टॉल पर उमड़ रही भीड़

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। मोरहाबादी मैदान में आयोजित राष्ट्रीय खादी और सरस मेला में जैविक खेती से उत्पादित ऑर्गेनिक बास्केट के स्टॉल पर लोगों की भीड़ उमड़ रही है। बुधवार को भी ऑर्गेनिक बास्केट के स्टॉल पर विजिटर्स की खासी भीड़ देखी गयी। यहां नंदिनी गिर फॉर्म्स में उत्पादित खाद्य सामग्री की विशाल रेंज उपलब्ध कराई गई है। गिर गाय के दूध और इससे बने अन्य उत्पादों दही, पनीर, घी, पेड़ा आदि की अच्छी खासी मांग देखी जा रही है। इसके अलावा मोटे अनाज के प्रति भी लोगों का आकर्षण बढ़ा है। नंदिनी गिर फार्म्स की संचालिका एवं ऑर्गेनिक बास्केट की व्यवस्थापिका डॉ मीनाक्षी सिंह ने बताया कि ऑर्गेनिक बास्केट द्वारा लगाये गये स्टॉल पर प्रदर्शित किये गये जैविक उत्पादों के प्रति लोगों का आकर्षण बढ़ रहा है। विशेष कर नंदिनी गिर फार्म्स के प्रोडक्ट्स को लोग पसंद कर रहे हैं। जैविक उत्पादों के उपयोग के प्रति लोगों की अभिरुचि जगी है।

उन्होंने कहा कि रासायनिक खाद और कीटनाशक दवाओं के अधिक उपयोग से उत्पादित अनाजएफलए सब्जियां आदि शरीर को नुकसान पहुंचा रहे हैं। उन्होंने स्वस्थ रहने के लिये जैविक उत्पादों का अधिक से अधिक सेवन करने की अपील की।

32 प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र का वितरण

16 दिसंबर से 25 दिसंबर तक नर्सरी प्रबंधन और खेती सह बागवानी व्यवसाय को बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का किया गया आयोजन

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री के निर्देशानुसार नर्सरी प्रबंधन एवं खेती सह बागवानी व्यवसाय को बढ़ाने के लिए 16-12-2024 से 25-12-2024 तक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। जिसमें बुधवार को 2024 को एसबीआई आरएसइटीआई, बाढू चौक, प्रखण्ड- कांके, रांची में दस दिवसीय सब्जी नर्सरी प्रबंधन एव खेती सह बागवानी प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन संस्थान में किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि निशिकांत नीरज, (डी.पी.एम. जेएसएलपीएस, रांची) के द्वारा 32 प्रशिक्षणाथीर्यों को प्रमाण पत्र वितरण किया गया।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उदेश्य नर्सरी प्रबंधन एवं खेती सह बागवानी व्यवसाय को बढ़ाने के लिए था जो दिनांक 16-12-2024 से 25-12-2024 तक किया गया था। समापन कार्यक्रम में निशिकांत नीरज ने कहा कि प्रशिक्षण लेने से ही व्यक्ति उद्यमशील बन सकता है और अपने जीवन यापन के स्तर को बढ़ा सकता है। प्रशिक्षण केंद्र के निदेशक, रणजीत कुमार झा ने कहा कि यहां किसी भी तरह के प्रशिक्षण में 18 वर्ष से 45 वर्ष तक के कोई भी व्यक्ति भाग ले सकते है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के अवधी में यहाँ रहने और खाना निःशुल्क है। यहां 64 प्रकार के प्रशिक्षण दिए जाते है। इस कार्यक्रम में डीएम स्किल, शिव रमन संकाय सदस्य, बीरवल कुमार, इन्द्रजीत कुमार एवं समस्त संस्थान के सदस्य भी उपस्थित थे।

जिला शिक्षा अधीक्षक बादल राज ने की शिक्षक संघ के प्रतिनिधियों के साथ बैठक

शिक्षकों- छात्रों की समस्याओं पर की चर्चा

- डीएसई के साकारात्मक विचारों का सभी शिक्षक संघ के प्रतिनिधियों ने किया स्वागत

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। जिला शिक्षा अधीक्षक बादल राज ने शिक्षक संघ के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। बैठक में पेंशन संबंधित मामले, 8वीं प्री बोर्ड परीक्षा, रांची स्पीक्स, विद्यालय में छात्रों की उपस्थिति बढ़ाने पर चर्चा, शिक्षकों के गुणवत्तापूर्ण परिणाम पर चर्चा, अधिगम को सुगम बनाने के लिए चर्चा, मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता के लिए चर्चा, प्रोन्नति संबंधित मामले (न्यायालयी मामले को छोड़कर), शैक्षणिक अवकाश एवं कैलेंडर पर विचार विमर्श किया गया। इसमें विद्यालय से संबंधित शिक्षक एवं छात्रों के विभिन्न समस्याओं पर व्यापक चर्चा हुई। इसमें छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने और शिक्षकों के विभिन्न प्रकार की समस्याओं पर विचार विमर्श किया गया और यथाशीघ्र निदान करने का निर्णय हुआ। छात्रों के गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को लेकर डीएसई काफी संवेदनशील थे और शिक्षा में सुधार के लिए सकारात्मक कदम उठाने के प्रति इनका नजरिया सराहनीय है। उन्होंने सभी शिक्षक प्रतिनिधियों की बातों को ध्यानपूर्वक सुना और शिक्षकों के अवकाश, प्रमोशन, वेतन विसंगति, शैक्षणिक अन्य गतिविधियों के समाधान सहित भ्रष्टाचार समाप्ति के लिए संकल्पित रहे। डीएसई के साकारात्मक विचारों का सभी शिक्षक संघ के प्रतिनिधियों ने स्वागत किया और उनके संकल्पों को पूरा करने के लिए साथ खड़े रहने की बात कही। डीएसई द्वारा बुलाए गए इस बैठक में मुख्य रूप से झारखण्ड प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रधान सचिव सह प्रदेश प्रवक्ता चितरंजन कुमार, राजेश पाल तिवारी सहित अन्य शिक्षक संघों के प्रतिनिधि शामिल हुए।

शिक्षकों की छुट्टी लिस्ट पर संघ को आपत्ति, अवकाश लिस्ट में कई खामियां

- अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ से जुड़े शिक्षकों ने जतायी नाराजगी

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ झारखंड प्रदेश मुख्य प्रवक्ता नसीम अहमद ने कहा कि प्रदेश के प्राथमिक व मध्य विद्यालय सहित सहायता प्राप्त एवं उच्च विद्यालय की एकीकृत अवकाश तालिका वर्ष 2025 में स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग द्वारा 60 दिनों का जारी किया है। इसमें व्यापक त्रुटि है। अवकाश तालिका को लेकर प्रदेश के शिक्षकों में काफी आक्रोश है। इस आदेश को स्वीकार करने से संध से जुड़े लोग सीधे इंकार कर रहे हैं। संघ अवकाश तालिका का घोर विरोध करता है, क्योंकि ग्रीष्म अवकाश पूर्व में 20 दिनों का मिलता था। उसे घटकर 12 दिन कर दिया गया है, जो मान्य नहीं है और न्यायचित नहीं है। क्योंकि शिक्षकों का अर्जित अवकाश के बदले ग्रीष्मावकाश दिया जाता है, जबकि अन्य राज्यकर्मियों को 33 दिन का अर्जित अवकाश दे है। संघ की मांग है कि ग्रीष्म अवकाश न देकर शिक्षकों को अर्जित अवकाश घोषित किया जाये। उर्दू विद्यालय में अवकाश शुक्रवार को होता है। 8 दिनों का अवकाश शुक्रवार को भी लिस्ट में 60 दिनों में शामिल किया है। उर्दू स्कूल में मुहर्रम व शबे ए बरात का छुट्टी दिया नहीं गया है। महीना का तीसरा शनिवार 16 अगस्त व 15 सितंबर दो दिन को भी अवकाश सूची में शामिल कर लिया है।

अवकाश सूची में खामियों की भरमार है। स्थानीय संस्कृति का ख्याल नहीं रखा गया। प्रदेश के सभी जिलों में अलग अलग स्थानीय पर्व त्यौहार मनाये जाते है। इसलिए अवकाश उसी के मुताबिक होनी चाहिए। उदाहरण के तौर पर रांची जिले में टुसु परब एक प्रमुख त्यौहार है। इस दिन एक भी छट्टी नहीं है। इसका बुरा असर ये होगा की उस दिन अधिकतम शिक्षक छुट्टी में रहेंगे और बच्चों की उपस्थिति दो दिनों तक नगण्य रहेगी। ऐसा ही सभी जिलों मे अलग स्थानीय पर्व होते है। ये एक बानगी भर है। लिस्ट में और भी कई प्रकार की खामियां है।

16 अगस्त को जन्माष्टमी का त्यौहार का छुट्टी दी गयी है, जबकि उस दिन माह का तीसरा शनिवार है। इस दिन ऐसे ही छुट्टी रहती है। ऐसा ही 15 नवंबर को स्थापना दिवस के लिए एक दिन की छुट्टी दिखाई गई है और छुट्टी संख्या में गिनती की गई है, जबकि इस दिन भी तीसरा शनिवार है।

गलती की संख्या इतनी ज्यादा है की लिस्ट बनाने वाले अगर शिक्षक होते तो शायद स्पष्टीकरण मांगी जाती। 20 अक्टूबर को मंगलबार तो 22 अक्टूबर को बुधवार दिखाया गया। उर्दू स्कूल का छुट्टी सामान्य छुट्टी से कुछ कुछ स्थानों पर अलग होती है। इससे भी एकीकृत कर दिया गया है। ब्यवहारिक और त्रुटिरहित अवकाश के लिए शिक्षक संघ के प्रतिनिधियों के साथ मिलकर लिस्ट बनानी चाहिए।

प्रत्येक जिले के जिला शिक्षा अधीक्षक और जिला शिक्षा पदाधिकारी को लिस्ट बनाने का अधिकार देनी चाहिए। अवकाश सूची को लेकर विरोध करने वाले अनूप केशरी, राममूर्ति ठाकुर, नसीम अहमद, असदुल्लाह, संतोष कुमार, हरेकृष्ण चौधरी, बाल्मीकि कुमार, राजीव लोचन सिंह, श्रीकांत सिन्हा, उपेंद्र कुमार, राकेश कुमार, अनिल कुमार सिंह, अजय ज्ञानि और राजेश गुप्ता समेत अन्य शिक्षक शामिल हैं।

ओला इलेक्ट्रिक ने ईवी क्रांति को नई ऊंचाई पर पहुंचाया

- पूरे देश में 4,000 स्टोर्स तक का रिकॉर्ड बनाया

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। ओला इलेक्ट्रिक जो भारत की सबसे बड़ी ईवी कंपनी के नाम से जानी जाती है, उसने आज अपने नेटवर्क को 4,000 स्टोर्स तक बढ़ाने की घोषणा करी, जो मौजूदा नेटवर्क से चार गुना ज्यादा है। बुधवार को भविष अग्रवाल ओला इलेक्ट्रिक के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर ने बताया कि भारत के ईवी के सफर में आज का दिन बहुत बड़ा है, क्योंकि हमने अपने नेटवर्क का विस्तार हर शहर, हर कस्बे और हर तालुका तक कर दिया है। हमारे नए स्टोर्स, जो सर्विस सेंटर्स के साथ जुड़े हैं, उन्होंने ईवी खरीदने और उसे इस्तेमाल करने के अनुभव को पूरी तरह से बदल दिया है। उन्होंने बताया कि ओला सोना ने लक्जरी और फंक्शनैलिटी का बेहतरीन संगम पेश किया है। इसमें सोना मूड नामक इमर्सिव फीचर दिया गया है, जो एक प्रीमियम राइडिंग अनुभव देता है।

ओला ऐप में गोल्ड-थीम वाला इंटरफेस और कस्टमाइज्ड मूव ओ एस डैशबोर्ड है, जो यूजर्स को राइड मोड्स और सेटिंग्स को पर्सनलाइज करने की सुविधा देता है, जिससे उनका सफर और भी खास बनता है।

मेरी हेलो किड्स स्कूल में धूमधाम से किया गया क्रिसमस गैदरिंग का आयोजन

रांची। कांके ब्लॉक स्थित मेरी हेलो किड्स स्कूल में मंगलवार को क्रिसमस गैदरिंग का आयोजन धूमधाम से किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के निदेशक एवं प्रिंसिपल ने सभी को क्रिसमस की बधाई और शुभकामनाएं दी। मौके पर प्राचार्या ने कहा कि यीशु मसीह प्रेम, सौहार्द और शांति के प्रतीक हैं। आज जब सारी दुनिया आपसी वैमनस्य और हिंसा की चपेट में है, ऐसे समय में यीशु मसीह का जीवन एक प्रकाश पुंज की तरह है। इससे पहले बच्चों ने प्रभु यीशु के जन्म और जीवन यात्रा पर आधारित नृत्य नाटिका और आनंदगीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में प्री नर्सरी से कक्षा 5 तक के बच्चों ने भाग लिया साथ मिलकर भिन्न-भिन्न प्रकार की चरणी बनाई एवं क्रिसमस ट्री को सजाया छोटे-छोटे बच्चे सांता क्लॉज और परियों की ड्रेस में काफी आकर्षक दिख रहे थे। कार्यक्रम के अंत में बच्चों ने केक काटा और और सभी को क्रिसमस की बधाई दी। विद्यालय के निदेशक ने कहा कि क्रिसमस के दिन ही प्रभु ईसा मसीह इस दुनिया में प्रेम, शांति और खुशहाली का संदेश लेकर आए थे।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में महामना पंडित मदन मोहन मालवीय की जयंती मनायी गयी

रांची। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर धुर्वा में महान शिक्षाविद् व समाज सुधारक भारत रत्न महामना पंडित मदन मोहन मालवीय जी की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम की भूमिका माध्यमिक खंड के आचार्य राधेकेश ओझा द्वारा दी गई। तत्पश्चात विद्यालय की बहन कीर्ति कुमारी कर्ण कक्षा अष्टम, प्रीति कुमारी कक्षा अष्टम, बहन प्रतिज्ञा कुमारी कक्षा अष्टम ने अपने उद्बोधन द्वारा पंडित मदन मोहन मालवीय जी की जीवनी पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर माध्यमिक खंड के आचार्य राजकुमार मिश्रा तथा आचार्या अंकित सनेही ने पंडित मदन मोहन मालवीय जी की जीवनी तथा शिक्षा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान को साझा किया। विद्यालय के प्राचार्य ललन कुमार ने बताया कि आज भारत के महान रत्न पंडित मदन मोहन मालवीय जी की जयंती है। उन्होंने विश्व के श्रेष्ठतम विश्वविद्यालय बनारस हिंदू विश्वविद्यालय की स्थापना कर भारत की आधुनिक शिक्षा की बुनियाद रखी। उन्होंने बच्चों का मार्गदर्शन करते हुए कहा व्यक्ति को अगर जीवन में सफल होना है तो लगातार ज्ञान अर्जन करना होगा। बच्चे देश के भविष्य हैं आने वाला कल उनका है। अतः स्वयं अनुशासित रहें तथा देश और संस्कृति का मान बढ़ाएं। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य ललन कुमार, उप प्राचार्य सुश्री मीना कुमारी, आचार्य दीदी जी तथा भैया बहन मौजूद थे।

झारखंड मिथिला मंच ने किया कैलेंडर का विमोचन

रांची। झारखण्ड मिथिला मंच बुधवार को पंचांग सह कैलेंडर का विमोचन किया। कार्यक्रम की सुरुआत मिथिला की लोकगायिका ज्योतिप्रिया द्वारा भगवती गीत जय जय भैरवि .... से किया गया। मौके पर डॉ अनिर्बन सन्याल के सहयोग से रक्दान शिविर लगाया गया। कार्यक्रम में मुख्यरूप से अध्यक्ष आनंदशेखर झा, मनोज मिश्रा, संतोष झा, विनोदानंद झा, प्रभाष मिश्रा,सशिचन्द्र झा, सुनील झा, पवन झा, विनोद झा, पंकज चौधरी, आनन्द मोहन झा, सर्बजीत चौधरी, प्रवीण कुमार, मनोहर झा, राहुल झा जानकी प्रकोष्ठ की निशा झा, उषा पाठक, सबिता मिश्रा, प्रियंका प्रियदर्शी, अनुपमश्री, वर्षा मिश्रा, बिटटू दास , स्मिता झा, अवंतिका झा, चंदन झा के अलावा मंच के सभी सदस्य उपस्थित थे। ये जानकारी मीडिया प्रभारी संजीत झा ने दी।

जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल में विंटर कार्निवाल का आयोजन

- रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बच्चों ने की मस्ती

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल के बुधवार को विंटर कार्निवाल का भव्य आयोजन किया गया। स्कूल के चेयरमैन मदन, सिंह वाइस चेयरमैन अमन सिंह और प्राचार्य डॉ सुनील कुमार ने संयुक्त रूप से फीता काट कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बच्चों ने सुंदर नृत्य प्रस्तुत किए। आमंत्रित कलाकारों की टीम के साथ स्कूल के बच्चों ने एक से बढ़कर एक गाने गाए। स्कूल के शिक्षकों ने भी अपनी सुंदर प्रस्तुति से दर्शकों का मन मोह लिया। एक तरफ भव्य संगीत की महफिल जमी थी तो दूसरी ओर पचास स्टॉल भी सजे थे। जिसमें विभिन्न प्रकार के फूड स्टॉल, गेम्स स्टॉल, मैजिक स्टॉल, बुक स्टॉल, इस्कॉन स्टॉल, रामकृष्ण मिशन स्टॉल लगाए गए थे। प्री नर्सरी से क्लास आठ तक के बच्चे पिछले कई दिनों से अपने क्लास टीचर के नेतृत्व में इन स्टॉलों को सजाने संवारने में लगे हुए थे। उनकी मेहनत से सजे ये स्टॉल सचमुच में दमक रहे थे। इस महत्वपूर्ण आयोजन को सफल बनाने में स्कूल के सभी शिक्षक शिक्षिकाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

बालाजी मंदिर में विशेष धार्मिक अनुष्ठान आज

रांची। रातू रोड में श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर मंदिर में सफला एकादशी पर गुरुवार को विशेष धार्मिक अनुष्ठान होगा। सुबह में जगत नियंता के विश्वरूप दर्शन के बाद अभिषेक होगा। दैनिक पूजा, भोग चढ़ाने के बाद आरती होगी। इसके बाद भक्तों के बीच प्रसाद का वितरण किया जाएगा। बताया गया कि संपूर्ण व्रत में एकादशी तिथि श्रेष्ठ है। शास्त्रों में श्रीभगवान कहते हैं कि बड़ी दक्षिणा वाले यज्ञों से भी मुझे उतना संतोष नहीं होता, जितना एकादशी व्रत के अनुष्ठान से होता है। इसलिए सर्वथा प्रयत्न करके एकादशी का व्रत करना चाहिये।

सीएमपीडीआई में पंडित मालवीय की जयंती मनायी गयी

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। सीएमपीडीआई के 'स्वर्ण रेखा हॉल' में बुधवार को बनारस हिंदू विश्वविद्यालय पूर्व छात्र संघ, रांची शाखा के तत्वावधान में महामना पंडित मदन मोहन मालवीय जी की 163वीं जयंती मनायी गयी। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सीएमपीडीआई के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक मनोज कुमार ने पंडित मदन मोहन मालवीय जी की तस्वीर पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्य अतिथि ने अपने सम्बोधन में पंडित मालवीय जी के विचारों और दृष्टिकोण को साझा करते हुए कहा कि उन्होंने शिक्षा का महत्व, एकता, सामाजिक न्याय और राष्ट्र की प्रगति के लिए अखंडता पर हमेशा जोर दिया। जयंती समारोह में सीएमपीडीआई के अलावा सीसीएल, मेकॉन, डीएमजी-झारखंड सरकार सहित विभिन्न संगठनों के सदस्यों ने भी भाग लिया। समारोह की शुरुआत दीप प्रज्जवन एवं कुलगीत से की गयी थी।

दवाओं की ऑनलाइन बिक्री पर रोक लगाने की मांग

रांची। झारखंड केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन (जेसीडीए) ने अवैध ऑनलाइन प्लेटफॉर्म द्वारा ऑनलाइन दवाओं की बिक्री पर रोक लगाने की मांग की है। साथ ही कहा कि इससे दवाओं की अनियमित बिक्री को भी रोका जा सकेगा। दवाओं की बिक्री और वितरण के लिए परामर्श पर्ची और अन्य सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने की मांग की है। जेएसीडीए और एआईओसीडी ने मांग की है कि जन स्वास्थ्य और सुरक्षा को बनाए रखने के लिए सरकार का कदम जरूरी है। झारखंड के 16000 केमिस्टों का प्रतिनिधित्व कर रहे कृष्णा प्रधान और उमेश कुमार श्रीवास्तव ने तीसरी बार स्वास्थ्य कल्याण मंत्रालय को पत्र लिखकर कोविड-19 महामारी के दौरान जारी अधिसूचना जीएसआर ई को रद्द करने की अपील की है।

भाजपा महानगर ने अटल वेंडर मार्केट में की श्रद्धांजलि सभा

रांची। अटल वेंडर मार्केट में अटल विहारी वाजपायी के शताब्दी जयंती के अवसर पर उनके जीवनी एवं उनके योगदान पर संगोष्ठी एवं ग्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बाबूलाल मरांडी ने उनकी एक कविता दोहराते हुये कहा कि अटल जी की कवितायें जीवन के कठिन समय में प्रेरणा स्त्रोत का काम करती हैं। उनकी कवितायें किसी भी कठिनाई से निकालने का मार्ग बताती हैं। अटल जी का पुरा जीवन संघर्ष और सहजता का सबसे बड़ा उदाहरण है। विधायक सीपी सिंह ने कहा कि बहुत ही उम्मीदों के साथ अटल जी ने अलग झारखंड के सपने को साकार किया था। लेकिन अटल जी का सपना तभी पूरा होगा, जब झारखंड एक विकसित राज्य के रूप में स्थापित होगा। मौके पर लाल राजेंद्र नाथ साहदेव, वरुण साहू, संजीव विजयवर्गीय, रमेश सिंह, राहुल अवस्थी, बलराम सिंह, जितेंद्र वर्मा, केके गुप्ता, विश्वजीत सिंह, राजू सिंह, संजीव चौधरी, अनिता वर्मा,सोनू सिंह,अश्वनी सुखीजा, रणधीर कुमार सिंह, राम मनोज साहू, नितु सिंह सहित कई लोग उपस्थित थे।

बचत से जुड़ी जानकारी बेहद जरूरी : दिवाकर प्रसाद सिंह

- सुकृत इंवेस्टमेंट्स के नये कार्यालय का उद्घाटन

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। सुकृत इंवेस्टमेंट्स के नए कार्यालय का उद्घाटन बुधवार को रामबिलास पेट्रोल पंप, रातु रोड के समीप स्टेट बैंक आफ इंडिया के एजीएम दिवाकर प्रसाद सिंह ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर संस्था के निदेशक अमित लाल उपस्थित थे। उन्होंने बताया कि यह संस्था पिछले 24 वर्षों से लोगों को बचत से जुड़ी जानकारी देते आ रही है, आज के समय में बचत बेहद जरूरी है। संस्था द्वारा लोगों को म्यूचुअल फंड, एसआईपी, टैक्स बचत योजना, रिटायरमेंट योजना, बच्चों के उच्च शिक्षा के खर्च के लिए जमा योजना इत्यादि की जानकारी देता आ रहा है। महंगाई के इस दौर में लोगों को उचित निवेश के संसाधन उपलब्ध करवाकर उन्हें उनके वित्तीय लक्ष्य हासिल करवाना संस्था का लक्ष्य है। इस अवसर पर अमिताभ कत्याल, शम्मी कपूर, दिलीप प्रसाद, विजय कुमार, हीरा लाल गोप, राजीव दत्ता, अमित गुप्ता, विकास जायसवाल आदि उपस्थित थे।

तुलसी पूजन दिवस पर राज्यपाल को दिया तुलसी का पौधा

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। श्री योग वेदांत सेवा समिति रांची, महिला मंडल व श्री आसारामजी बापू आश्रम के अनुयायियों ने बुधवार को राज्यपाल संतोष गंगवार को तुलसी का पौधा देकर उन्हें तुलसी पूजन की याद दिलाई। पूज्य संत आसाराम बापू ने वर्षों पहले 25 दिसंबर को तुलसी पूजन दिवस के रूप में मनाने का आवाहन किया था। पूरे भारतवर्ष में तुलसी पूजन 25 दिसंबर को मनाई जाती है। आसाराम बापू के शिष्य पूरे भारतवर्ष में जहां भी हैं, अपने क्षेत्र में गुरु सेवा मानकर श्रद्धा से तुलसी का पौधा घर-घर बांटते हैं। पूजन की विधि व तुलसी मां के रहस्य को बताते हैं। रांची शहरी क्षेत्र में भी विगत 15 दिनों से तुलसी का पौधा बांटा जा रहा है।

तुलसी के दर्शन मात्र से पाप का होता है नाश

तुलसी के दर्शन मात्र से पाप का नाश होता है। स्पर्श मात्र से पवित्रता शरीर की बनी रहती है। जल देकर प्रणाम करने से रोग निवृत्ति होती है और इसमें स्मृति एवं रोग प्रतिकारक शक्ति भी अधिक है। शास्त्र में वर्णन है, तुलसी की जिसके गले में माला हो या तुलसी का पौधा के निकट हो तो उसे यमदूत नहीं छू सकते। तुलसी माला धारण करने से जीवन में ओज तेज बना रहता है। संत आसाराम बापू ने 14 फरवरी वैलेंटाइन दिवस के दिन मातृ पितृ पूजन दिवस मनाने का आहवान किया।

राज्यपाल से मिलकर पूज्य बापू का कैलेंडर व तुलसी का पौधा प्रसाद दिया गया। मिलने वालों में श्रीयॉग वेदांत सेवा समिति के अध्यक्ष धर्मेंद्र तिवारी, पूनम तिवारी, राजीव सिंह, गौतम कुमार, सतीश सिंह, मधु, स्वाति अग्रवाल, संध्या दिक्षित, सविता पांडे, श्वेता बहन, युगल किशोरी, राधा, संत आसाराम रांची आश्रम के संचालक गोविंद भाई मौजूद थे।

एनसीएल को परास्त कर एमसीएल की टीम ने ट्रॉफी पर किया कब्जा

- सीआईएल अंतर कंपनी वॉलीबॉल प्रतियोगिता 2024 का समापन

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। सीसीएल के गांधीनगर क्रीड़ांगन में आयोजित तीन दिवसीय सीआईएल अंतर कंपनी वॉलीबॉल प्रतियोगिता 2024 संपन्न हो गई। झारखंड वॉलीबॉल संघ के तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता को सफल बनाने में सीसीएल की आयोजन समिति ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला एनसीएल और एमसीएल के बीच खेला गया। रोमांचक मुकाबले में एमसीएल की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एनसीएल को 3-1 से हराकर ट्रॉफी पर कब्जा किया। चार सेटों में हुए इस मैच में दोनों टीमों ने अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन किया। स्कोर क्रमशः 26-24, 25-23, 19-25 और 25-17 रहा।

पुरस्कार विजेताओं की घोषणा

फाइनल मैच में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सुधांशु मोहन साहू को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार प्रदान किया गया। उनके बेहतरीन खेल के लिए उन्हें बेस्ट डिफेंडर का अवार्ड भी दिया गया।

बेस्ट स्मैशर का पुरस्कार अरुण कुमार वैद्य को मिला।

बेस्ट लिफ्टर का पुरस्कार सुजीत कुमार को दिया गया।

पूरे टूनार्मेंट में अपने असाधारण खेल कौशल के लिए कुणाल शर्मा को प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट के खिताब से सम्मानित किया गया।

फाइनल मुकाबले के मुख्य अतिथि सीएमडी सीसीएल निलेंदु कुमार सिंह थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में सीसीएल के निदेशक (कार्मिक) हर्ष नाथ मिश्र उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि ने आयोजन समिति की प्रशंसा करते हुए कहा कि खेल न केवल शारीरिक और मानसिक विकास का माध्यम है, बल्कि यह टीम भावना, अनुशासन और प्रतिस्पर्धात्मकता का भी महत्व दशार्ते हैं।

विशिष्ट अतिथि ने खिलाड़ियों को बधाई दी और उनके प्रयासों की सराहना की। अतिथियों ने विजेताओं को ट्रॉफी और पुरस्कार वितरित किए।

पारा खिलाड़ियों का विशेष सम्मान

फाइनल मैच से पहले सिटिंग वॉलीबॉल का प्रदर्शन किया गया, जिसमें पारा खिलाड़ियों ने अपने अदम्य साहस और जज्बे का परिचय दिया। सीएमडी सीसीएल श्री सिंह ने पारा खिलाड़ियों के हौसले को सलाम करते हुए उन्हें प्रोत्साहित किया।

तीन दिनों तक चले इस टूनार्मेंट ने खेल प्रेमियों को बेहतरीन वॉलीबॉल का आनंद दिया और टीम भावना के महत्व को एक बार फिर उजागर किया। सीसीएल की आयोजन समिति और झारखंड वॉलीबॉल संघ ने इस आयोजन को सफल बनाने में सराहनीय योगदान दिया।

नीरजा सहाय के विद्यार्थियों ने बांटे कंबल और गरम कपड़े

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। कांके स्थित नीरजा सहाय डीएवी पब्लिक स्कूल के सामाजिक उत्तरदायित्व क्लब के 11वीं के विद्यार्थियों द्वारा जरूरतमंदों में कंबल तथा गर्म कपड़े बांटे गये। इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के वंचित और जरूरतमंद लोगों की मदद करना था। प्राचार्या किरण यादव के नेतृत्व में छात्रों द्वारा नए कंबल, कपड़े जरूरतमंदों में वितरित किए गये। इस मानवीय कार्य के लिए विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह और समर्पण के साथ योगदान दिया। शिक्षकों के नेतृत्व में बच्चे सामाजिक सेवा के महत्व को समझ सके। क्लब के संयोजक ने बताया कि यह पहल विद्यार्थियों में सामाजिक चेतना और संवेदनशीलता विकसित करने कीओर एक कदम है। यह कार्य निश्ति रूप से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का एक उदाहरण है।

साथ ही कक्षा नवमी के विद्यार्थियों ने शैक्षणिक भ्रमण के तहत 150 साल पुराना रांची के बिरसा मुंडा जेल का भ्रमण किया, जहां बिरसा मुंडा ने 1900ई। में आखिरी सांस ली थी। इस पार्क में आकर्षण का मुख्य केंद्र है 25 फीट ऊंचा भगवान बिरसा मुंडा की मूर्ति। इसके साथ ही अन्य झारखंड के स्वतंत्रता सेनानियों की भी मूर्ति लगी हुई है। ये मूर्तियां अपने -आप में ही स्वतंत्रता की गाथा बयां करती हैं। स्वतंत्रता सेनानियों की लिखी जीवनी सैलानियों के लिए आकर्षण का केंद्र है।

शिक्षकों के नेतृत्व में बच्चों ने आजादी की लड़ाई में झारखंड सेनानियों की महत्वपूर्ण योगदान की जानकारी प्राप्त की, और बच्चे इसे बहुत प्रभावित हुए। इस प्रकार उनकी शैक्षणिक भ्रमण काफी महत्वपूर्ण रही।

एक नजर

16 वर्षीय नवयुवक की ट्रेन में मौत

मुरी/सिल्ली। बुधवार के दिन गोड्डा रांची इंटरसिटी एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 15620) से इलाज हेतु यात्रा कर रहे बांका (बिहार) निवासी 16 वर्षीय नवयुवक अजय कुमार की मौत ट्रेन में ही हो गई। मृतक के पिता सरजू कापरी ने बताया कि मेरा पुत्र कैंसर रोग से पीड़ित था और उसका इलाज अब्दुल रज्जाक कैंसर अस्पताल रांची में कराने के लिए ले जा रहे थे। परंतु बोकारो से ट्रेन खुलने के बाद वह असहनीय दर्द और बेचैनी से कराहने लगा तब इसकी सूचना रेलवे सुरक्षा बल को दिया गया। ट्रेन के मुरी स्टेशन पहुंचते ही रेलवे डॉक्टर के द्वारा जांच कर उसे मृत घोषित कर दिया गया। तत्पश्चात राजकीय रेल थाना मुरी में कागजी कार्रवाई पूरी कर शव को परिजनों को अंतिम संस्कार हेतु सौंप दिया गया।

सड़क दुर्घटना में एक युवक घायल

मांडर। मांडर-बूढ़मू मुख्य पथ पर रेफरल अस्पताल मांडर के निकट स्थित ईसाई कब्रिस्तान के समीप हुए सड़क हादसे में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना बुधवार दोपहर लगभग तीन बजे की है। बताया जाता है कि चटवल निवासी 25 वर्षीय शनिचरवा उरांव अपनी बाइक से मांडर से चटवल अपने घर की ओर जा रहा था इसी दौरान उक्त स्थान के निकट एक ऑटो से टकराकर सड़क पर गिर पड़ा। हादसे के बाद गंभीर रूप से घायल शनिचरवा को तत्काल रेफरल अस्पताल मांडर लाया गया जहां से प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज हेतु उसे रिम्स रेफर कर दिया गया। चिकित्सकों के अनुसार उसके पैर की एक हड्डी टूट चुकी है।

सरकार जरूतमंदों को बालू उपलब्ध करायेगी

अनगड़ा। बालू के लिए लोगो में हाहाकार मचा हुआ है । बालू नहीं मिलने के चलते जरूरतमंद अपना घर मकान नहीं बना पा रहे हैं। अबुआ आवास के लाभूक इससे काफी ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। इन दिनों अवैध बालु का परिवहन करने के विरुध खनन विभाग जिला पुलिस और प्रशासन के अधिकारी अभियान चलाए हुए हैं। परिणाम स्वरूप विभिन्न थानों में काफी संख्यां में वाहनों को जप्त किया गया है। थानों में वाहन रखने की जगह नहीं है। लोगों का कहना है कि अवैध परिवहन करने वाले वाहनों पर कारवाई की जा रही वह तो सही है । लेकिन सरकार बैध रूप से लोगों को उचित मूल्य पर कब बालू उपलब्ध कराएगी । बालू नही मिलने पर सरकार की बेवजह बहुत ज्यादा किरकीरी हो रही है। लोगों में सरकार के प्रति आक्रोष भी पनप रहा है। कि आखिर सरकार नदी घाटों का नीलामी करके जरूरतमंदों को क्यों बालू नहीं उपलब्ध करा रही है। लोगों का कहना है कि यदि सरकार घाटों की नीलामी करके बालू का उठाव करवाती है तो सरकारी राजस्व भ आएगा।

कुरमी विकास परिषद का स्वर्ण जयंती समारोह

समारोह में मुख्य अतिथि के साथ उपस्थित विधायक।

कार्यक्रम का उद्घाटन करते मुख्य अतिथि।

मंच से बोलते पूर्व सांसद रामटहल चैधरी।

- समाजिक परिवर्तन को शिक्षा महत्वपूर्ण है
- बड़कागांव व गोमिया विधायक भी समारोह में पहुंचे

खबर मन्त्र संवाददात

ओरमांझी। झारखंड कुरमी विकास परिषद का स्वर्ण जयंती समारोह का आयोजन बुधवार को आरटीसी बीएड कॉलेज बूटी में मनाया गया। केंद्रीय अध्यक्ष रणधीर चैधरी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में उच्च शिक्षा, खेल, अनुसूचित जनजाति का दर्जा दिलाना, समाज को स्वावलंबी बनाना, नशामुक्ति समाज का निर्माण करना, बाल विवाह, दहेज प्रथा, जमीन की बिक्री पर प्रतिबंध, जनजातीय भाषा व कुड़माली भाषा को द्वितीय राज भाषा का दर्जा दिलाने, सामाजिक कर्मकांडो में फिजूल खर्ची रोक सहित 11 प्रस्ताव पारित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व सांसद रामटहल चैधरी ने सामाजिक परिवर्तन के लिए शिक्षा महत्वपूर्ण बताया। अपने पचास वर्ष की जाननीति व समाजिक उपलब्धि व शून्य से सदन तक का सफर का श्रेय परिषद को दिया, कहा के 1969 से लगातार चुनाव लड़ते व जीतते आएं है। उन्होंने 27 प्रतिशत आरक्षण व जातीय जनगणना की मांग किया। बड़कागांव विधायक रोशनलाल चैधरी कहा कि वर्तमान समय में अपने सामाजिक स्वरूप को संरक्षित करने के लिए समाज को संगठित रहना जरूरी है। वहीं गोमिया के पूर्व विधायक लंबोदर महतो कहा राजनैतिक चेतना से ही सामाजिक बदलाव लाया जा सकता है। वहीं अध्यक्ष रणधीर कुमार चैधरी ने परिषद के पचास वर्षों के सफर में सामाजिक, राजनीतिक, शैक्षणिक व बौद्धिक उपलब्धियों की जानाकरी दी। समारोह में कुरमाली भाषा परिषद के अध्यक्ष राजाराम महतो, झारखंड कुरमी मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष शीतल ओहदार, निदेशक डॉ. रुद्रनारायण महतो, जीप सदस्य सरिता देवी, सुषमा देवी, राजेंद्र महतो, संतोष कुमार, किशोर महतो, ज्ञानेश्वर सिंह, डॉ. धनेश्वर महतो, कामेश्वर महतो, महेंद्र चैधरी आदि ने भी संबोधन किया और सामाजिक सुधार को महत्वपूर्ण बताया। इससे पूर्व मुख्य अतिथि के साथ सभी अतिथि द्वारा स्व. निर्मल महतो सहित अन्य शहीदों के फोटो पर माल्यार्पण व दीप जलाकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। प्यारेलाल महतो, डॉ. पारसनाथ महतो, मनरखन महतो, श्यामनारायण महतो, विनय कुमार धीरज, अनिल टाइगर, कुशल महतो, महेंद्र चैधरी, कैलाश महतो, लक्ष्मण महतो, गणेश्वर महतो, संतोष महतो, राजाराम महतो, ब्रजकिशोर गांधी, सुभाषमा देवी सहित समाज के कई लोग उपस्थित थें।

बेड़ो में पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी की सौवीं जयंती पर कार्यक्रम आयोजित

पूर्व प्रधानमंत्री स्वः अटल बिहारी वाजपेई की सौवीं जयंती कार्यक्रम को संबोधित करते हुए।

खबर मन्त्र संवाददाता

बेड़ो। भाजपा बेड़ो मंडल के तत्वावधान में बुधवार को बेड़ो में पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की सौवीं जयंती कार्यक्रम का आयोजन किया गया। साथ ही पार्टी की सदस्यता अभियान की शुरूआत की गई। मौके पर बतौर मुख्य अतिथि पूर्व विधायक गंगोत्री कुजूर, भाजपा नेता रामनारायण भगत, राजीव रंजन अधिकारी, भीखा उरांव, भोगेन सोरेन, धनंजय राय, वाणी राय, आनंद साहु, अरूण गुप्ता, गणेश महथा, अनिल उरांव, मनोज कुमार साहु, आदित्य ताम्रकार, सुमंती देवी, ईलम देवी, मनोज सिंह, फागु मुण्डा,प्रवीण गुप्ता, प्रदीप राम, विक्रम, अवधेश व कुमारेश समेत दर्जनों कार्यकर्ता आदि मौजूद थे। वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष बलराम सिंह व संचालन मीडिया प्रभारी मनोज कुमार साहु ने किया।

सुशासन दिवस पर याद किये गये पूर्व पीएम वाजपेयी

- कार्यकत्ताओं ने अटल बिहारी को दी श्रद्धांजलि
- उनकी जीवनी पर की गई चर्चा
- पदचिन्हों पर चलने का संकल्प

बाजपेयी को श्रद्धांजलि भाजपाई।

खबर मन्त्र संवाददाता

रातू। भाजपा पूर्वी मंडल के अध्यक्ष परमेश्वर गोप की अगुआई में बुधवार को पूर्व प्रधानमंत्री स्व अटल बिहारी वाजपेयी की सौ वीं जयंती पर सुशासन दिवस मनाया गया। महादेव टंगरा स्थित कुशवाहा बैंक्विट हॉल में आयोजित समारोह में पार्टी के जिला कार्यालय मंत्री संजीव तिवारी व वासुदेव महतो ने स्व बाजपेयी की जीवनी पर प्रकाश डाला और कार्यकताओं से उनके मार्ग पर चलने का आह्वान किया। इस दौरान कार्यकर्त्ता बेहद उत्साहित नजर आये। इससे पूर्व उनकी चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी गयी। पार्टी जनों की ओर से उनके पदचिन्हों पर चलने का संकल्प भी लिया गया।

कार्यक्रम में लिया हिस्सा

प्रदेश किसान मोर्चा जैविक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष कामेश्वर महतो, कुशवाहा शिवचरण मेहता, महिला मोर्चा की अध्यक्ष नेहा सिंह, युवा मोर्चा के महामंत्री शशिकांत सिंह, मंडल महामंत्री संजय महतो, पार्टी सदस्यता अभियान के सह संयोजक गारमेंट भगत, बिगल पाहन, विनय सिंह, कामेश्वर महतो, सुशांत प्रियदर्शी, सुरेंद्र महतो, सरपंच विक्रम उरांव, पंचम महतो, अरुण कुमार साहू, शिव कुमार महतो व धीरेन गोप आदि।

रोहिणी परियोजना विस्तारीकरण पर ग्रामीणों के साथ बैठक

खबर मन्त्र संवाददाता

खलारी। रोहिणी परियोजना विस्तारीकरण को लेकर प्रबंधन ने विस्थापित ग्रामीणो के साथ बैठक की। परियोजना पदाधिकारी राजेन्द्र प्रसाद की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में महाप्रबंधक ऑपरेशन केके झा, एलएंडआर अधिकारी निशंक प्रकाश, मैनेजर दीपक कुमार उपस्थित थे।। परियोजना पदाधिकारी ने खदान विस्तारीकरण को लेकर ग्रामीणों को कई जानकारियां दी। परियोजना पदाधिकारी ने बताया कि रोहिणी परियोजना में दस मिलियन के लिए सेक्शन नाइन लगा गया है इसलिए अब नौकरी मुआवजा की प्रक्रिया अब तेज होगी। वही एलएंडआर अधिकारी निशंक प्रकाश ने परियोजना विस्तारीकरण को लेकर प्रबंधन के कार्य योजना की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दस मिलियन की परियोजना का कोल मंत्रालय से अप्रूवल मिल गया है और अब नौकरी मुआवजा देने के लिए प्रक्रिया में कार्य शुरू होगा।उन्होंने कहा कि ग्रामीण तीन योजना का लाभ ले सकते हैं। जिसमे आरएंडआर पॉलिसी,लार एक्ट कम्प्नसेसन, एनवोटिजी के बारे मे जानकारी दी।साथ ही आरआर साइट के लिए ग्रामीण एक लिखित आवेदन दे ताकि उसे कोल मंत्रालय में अप्रूवल के लिए भेजा जा सके। साथ ही जिनका नौकरी मुआवजा के लिए कागजात कमी है वे जल्द से जल्द जमा करें।साथ ही प्रबंधन को भी ग्रामीण सहयोग करें। वही ग्रामीणो ने कहा प्रबंधन के द्वारा किए गए कार्य से अभी तक संतुष्ट नहीं है। प्रबंधन पहले ग्रामीणों की सहमति के साथ सही जगह पर ही समुचित पुनर्वास की व्यवस्था करे। तभी प्रबंधन को ग्रामीण भी सहयोग करेंगे। इस मौके पर मुकदर लोहरा, अमृत भोगता, लहसन भोगता, बहुरा मुंडा, रमेशर भोगता, शिवनाथ भोगता, सूरज लोहरा,रवि भोगता, मुरारी मेहता, मनोज भोगता, संतोष भोगता, राजेंद्र गंझु, बालेसर गंझु, संतोष मेहता, कृष्णा भोगता, मुकेश भोगता सहित कई लोग मौजूद थे।

खलारी के जी-टाइप में श्री राज हॉस्पिटल का हुआ उद्घाटन

राज हॉस्पिटल का उद्घाटन करते अतिथि।

खबर मन्त्र संवाददात

खलारी। खलारी के जी-टाइप में श्री राज हॉस्पिटल का उद्घाटन बुधवार को किया गया। इस अवसर पर अतिथि के रूप में उपस्थित पूर्व जिला परिषद सदस्य सह मजदूर नेता अब्दुल्लाह अंसारी, खलारी पश्चिमी जिला परिषद सरस्वती देवी एवं खलारी पंचायत मुखिया तेजी किस्पोट्टा ने संयुक्त रूप से फीता काटकर अस्पताल का उद्घाटन किया। मौके पर अतिथियों ने कहा कि खलारी प्रखण्ड क्षेत्र में अस्पताल खुलना काफी हर्श की बात है। अस्पताल के खुलने से खलारी सहित आसपास के लोगों को काफी सहुलियत होगी। वहीं श्री राज हॉस्पिटल के संचालक सतीश सिंह ने कहा कि अस्पताल में विशेशज्ञ चिकित्सकों के द्वारा मरीजों का इलाज किया जाएगा। बताया कि अस्पताल को अभी डॉ सौरभ मिश्रा, डॉ अन्नु मिश्रा, डॉ सौरव कुमार, डॉ आसिफ अपनी सेवा देंगे। वहीं उन्होने बताया कि मरीजों के लिए विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध होगी। अस्पताल में सभी तरह की सर्जरी के साथ पैथोलॉजी, रेडियोलॉजी की सुविधा उपलब्ध होगी। उन्होने बताया कि वर्तमान में अस्पताल में 10 बेड की सुविधा दी गई है। इस अवसर पर मुख्य रूप से शमीम मलिक, मजहर आलम, मोहम्मद मुश्ताक अहमद, औरंगजेब हाशमी, अजय कुमार, प्रेम प्रकाश गुप्ता, शाहिद अन्य लोग उपस्थित थे।

250 गरीबों व असहायों के बीच कंबल वितरण

कंबल वितरण करते अतिथि।

ठाकुरगांव। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के 100वां जन्मदिन के अवसर पर बुढ़मू प्रखंड के गेसवे गांव में 250 गरीबों व असहायों के बीच कंबल वितरण किया गया। कंबल वितरण जिप सदस्य मनोज वाजपेयी, शिक्षक रविकांत तिवारी,समाजसेवी सतीश कुमार साहु, राजनाथ महतो ने संयुक्त रूप से किया। मौके पर जिप सदस्य ने कहा कि कड़ाके में बुजुर्गों को कंबल प्रदान करना उन्हें सच्चा मदद है। साथ ही उन्होंने कहा कि अन्य गांवों में भी जरूरतमंदों को जल्द ही कंबल दिया जाएगा। कंबल वितरण के पश्चात सभी बुजुर्गो को भोजन भी कराया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में श्याम महतो, घनेनाथ महतो, राजेश महतो, राजेन्द्र महतो, अमित महतो, अनीता देवी आदि की सराहनीय भूमिका रही।

आजसू ने अमर शहीद निर्मल महतो को याद किया

खबर मन्त्र संवाददाता

सिल्ली। आजसू पार्टी के तत्वावधान में बुधवार को सिल्ली झारखंड मोड़ पर शहीद निर्मल महतो का जयंती मनाया गया। इस अवसर पर आजसू पार्टी के केंद्रीय संगठन सचिव जयपाल सिंह, केंद्रीय सचिव सुशील महतो, गूंज परिवार के अध्यक्ष सुनील सिंह, प्रमुख जितेंद्र बड़ाइक, प्रखंड अध्यक्ष रविन्द्र करमाली, बुद्धिजीवी मंच के रत्न गुप्ता, झारखंड आंदोलनकारी बुद्धेश्वर महतो व लक्ष्मी नारायण महतो समेत आजसू कार्यकताओं ने सिल्ली झारखंड मोड़ पर स्थित शहीद निर्मल महतो के प्रतीमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी एवं नमन किया। जयपाल सिंह ने कहा कि शहीद निर्मल महतो झारखंड आंदोल के अगवा थे। उन्होंने झारखंड अलग राज्य की लड़ाई लड़ते-लड़ते अपनी जान दे दी। झारखंड आंदोलन में शहीद निर्मल महतो का बलिदान कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने अपने प्राणों की आहुति देकर अलग राज्य के संघर्ष को मुकाम तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी। इस मौके पर पुर्व मुखिया गोपाल सिंह मुंडा, शिबू प्रामाणिक, मनोहर महतो, मथुरा महतो, संतोष मंडल, शशि सोनार, हेमंत नायक, निर्मल मंडल, बिनोद कोइरी, गणेश करमाली, राकेश महतो, राजकुमार महतो,अजित महतो, ललन कुमार, धीरज साहु, विकास महतो, दुर्योधन भोक्ता समेत आजसू कार्यकर्ता उपस्थित थे।

आदित्य प्रकाश जालान सरस्वती विद्या मंदिर में वार्षिकोत्सव संपन्न

खबर मन्त्र संवाददाता

पिस्का नगड़ी। आदित्य प्रकाश जालान सरस्वती विद्या मंदिर में मालवीय जयंती के अवसर पर वार्षिकोत्सव संपन्न हुआ। मालवीय जयंती के अवसर पर हर वर्ष की भर्ती इस वर्ष भी आदित्य प्रकाश जालान सरस्वती विद्या मंदिर में वार्षिकोत्सव का कार्यक्रम धूमधाम से संपन्न हुआ जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में राजीव जी गुप्ता तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में वेद प्रकाश वाग्ला जी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में 25 किलोमीटर की परिधि के 54 गांवों से लगभग 1200 अभिभावक बच्चे उपस्थित हुए। विद्यालय के सचिव डॉ डी एन सिंह ने विद्यालय की प्रस्तावना रखते हुए बताया कि हमारा विद्यालय नई उपलब्धियों को प्राप्त कर निरंतर आगे बढ़ रहा है और इस सत्र में 10+2 की मान्यता भी प्राप्त कर चुका है। आर एस एस के क्षेत्र संघ चालक देवव्रत पाहन ने विद्यालय के संस्कार युक्त शिक्षा कि सराहना करते हुए कहा कि इस विद्यालय में गुणवत्ता युक्त शिक्षा के साथ साथ संस्कार युक्त शिक्षा का सर्वोतम तालमेल दिखता है। विद्या विकास समिति के झारखंड राज्य के प्रांतीय मंत्री राम अवतार नारसरिया ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि बच्चों ने अपने मेहनत से सभी कार्यक्रमों को जीवंत बना दिया। मुख्य अतिथि राजीव जी गुप्ता ने कहा कि आप बच्चे संस्कारित बने और अपने माता पिता का साथ कभी ना छोड़े और अभिभावक भी अपने बच्चों के सपनो को साकार करने में उनके साथ खड़े रहे। विद्यालय के भैया बहनों ने कार्यक्रम में गीत संगीत, नाटक मंचन, सांस्कृतिक नृत्य आदि की ऐसी प्रस्तुति की जिससे उपस्थित सभी दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। मौके पर संगठन मंत्री ख्याली राम, आलोक तिवारी, अजय द्विवेदी, कृपा शंकर शर्मा, शिव नारायण सिंह, प्रांतीय बाल कार्य प्रमुख सूरज पांडे, महानगर सह कार्यवाह विनायक मिश्रा तथा विद्यालय के आचार्य दीदी जी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के अध्यक्ष विष्णु जालान ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया और वंदे के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

एक नजर में

पूर्व सीएम मधु कोड़ा, पत्नी गीता कोड़ा सहित सपरिवार मैक्लुस्कीगंज घूमने पहुंचे

पूर्व सीएम मधु कोड़ा के साथ भाजपा के लोग।

खलारी। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा और पूर्व सांसद गीता कोड़ा सहित सपरिवार मैक्लुस्कीगंज के खूबसूरत वादियों को निहारने के लिए पहुंचे। पूर्व मुख्यमंत्री सपरिवार पहुंचने के साथ भाजपा के कार्यकताओं से मुलाकात किये। परिवार के संग मैक्लुस्कीगंज के पर्यकट रमणीक स्थल डेगाडेगी नदी व कुआर पत्रा का भ्रमन किये। खूबसूरत वादियों को अपने खुशी के पल को अपने कैमरे में कैद किये। वे मैक्लुस्कीगंज में भाजपा नेता व शांति फ्यूल संचालक शशि प्रसाद साहू से मुलाकात किये। मैक्लुस्कीगंज में पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा और पूर्व सांसद गीता कोड़ा के आगमन पर मैक्लुस्कीगंज पुलिस चाकचौबंद व मुस्तैदी में थी।

जंगली हाथी ने वृद्ध को कुचला, मौत

तमाड़। पिछले कई दिनो से जंगली हाथियों के आतंक से लोग भयभीत है। शाम के पांच बजे ही ग्रामीण क्षेत्र के लोग घरो में कैद होने को मजबूर है। तमाड़ के हरलालता गांव में जंगली हाथियों ने (60) वर्षीय वृद्ध व्यक्ति को कुचल कर घायल कर दिया। ईलाज के लिये जाते हुये बिच रास्ते में घायल ने दम तोड़ा। मृतक के परिजनो ने बताया कि ईश्वर दयाल महतो प्रतिदिन की तरह अहले सुबह शौच के लिये खेत जा रहे थे। इसी बिच जंगली हाथियों से ईश्वर दयाल का सामना हो गया। अचानक सामने दो की संख्या में हाथी को देखकर वो भागने लगे। लेकिन दोनो हाथियों ने ईश्वर दयाल को सूंड़ से पकड़ लिया और कुचल कर घायल कर दिया। इसके बाद दोनो हाथी जंगल की और चले गये। घायलावस्था में ग्रामीणों ने घटनास्थल से ईश्वर दयाल को एंबुलेंस से तमाड़ सीएचसी लाया। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित किया। तमाड़ पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये रिम्स भेजा। घटना की सुचना मिलते ही विधायक विकास कुमार मुंडा ने वन विभाग के अधिकारियों को घटनास्थल भेजा। विधायक के निर्देश पर तमाड़ उप प्रमुख शकुंतला खंडित व वन विभाग ने परिजनों को तत्काल पचास हजार रुपैया मुआवजा राशि देकर ढांढस बंधाया।

शेख भिखारी शहादत दिवस मनाने को लेकर बैठक

खलारी। खलारी शहिद चौक में शेख भिखारी शहादत दिवस मनाने को लेकर बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता झामुमो अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष कलीम रिजवी ने की। बैठक में शाहिद शेख भिखारी शहादत दिवस मिलजुल कर मनाने को लेकर चर्चा किया गया। साथ ही निर्णय लिया गया कि आगामी बैठक 27 दिसंबर शुक्रवार की दोपहर 3 बजे खलारी पंचायत भवन जी टाइप में होगी। संचालन जेएलकेएम के प्रखंड अध्यक्ष तोहिद अंसारी ने किया। इस बैठक में मोहम्मद अब्बास, सलामत अंसारी, फारूक नवाब, इस्लामअंसारी, जफरु अंसारी, आजम खान, निजाम अंसारी, हबीबुल्लाह अंसारी, अख्तर अंसारी, जिब्राइल अंसारी, महबूब अंसारी, नबी जान अंसारी, अशरफ अंसारी, वसीम अंसारी आदि उपस्थित थे।

जयंती पर शदीद निर्मल महतो याद किये गये

अनगड़ा। प्रखंड के गोन्दली पोखर स्थित शहीद निर्मल महतो की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर बुधवार को शहीद निर्मल महतो की जयंती मनाई गयी। तथा झारखंड आंदोलन में इनके द्वारा दिए गये योगदान को याद किया गया। वक्ताओं ने कहा कि निर्मल महतो के कारण ही झारखंड अलग राज्य बन पाया। श्रद्धा सुमन अर्पित करनेवालों में भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष जैलेन्द्र कुमार जिप सदस्य अनुराधा मुंडा आजसू पार्टी के वीरेन्द्र सिंह भोगता धर्मेन्द्र सिंह कारीनाथ महतो ज्योतिष महतो राजेश महतो, जगरनाथ महतो गोर्वधन महतो अर्जुन राम सिविल सोसाइटी के डॉ रिझू नायक आतिश कुमार महतो पारसनाथ उरांव जलनाथ चौधरी रामसाय मुंडा जलेश महतो शिवलाल महतो सिकंदर अंसारी साहेबराम महतो सुरेश महतो दुर्गा महतो रामपोदो महतो राजेन्द्र मुंडा आदि शामिल थे।

ठगी कर फरार होने वाले आरोपी गिरफ्तार

इटकी। इटकी से लगभग 75 लाख रुपए ठगी कर फरार होने वाले आरोपी मेराज अंसारी उर्फ पप्पू पिता अमीन अंसारी को इटकी पुलिस ने बुधवार को गिरफ्तार कर मुख्य न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। आरोपी वर्ष 2022 में आई पल्स नामक कंपनी में रुपए दोगुना करने के नाम पर इटकी से दर्जनों लोगों से ठगी का मामला बताया गया है ।अनुसंधान कर्ता सुमित दास ने गुप्त सूचना के आधार पर इटकी के गुलाम टोली स्थित उसके घर से उसे धर दबोचा। इटकी थाना कांड 61/9 जुलाई 2022 के तहत धारा 420/406 भादवि के तहत इटकी मो मोईन, कैसर आलम, शाहिद अकरम, एजाज अहमद, शाहिद अख्तर, महताब अंसारी, मो वसी हैदर, अंजर आलम ने प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

उद्घाटन मैच गेतलसूद ने जीता

अनगड़ा। राम एकेडमी अनगड़ा द्वारा आयोजित किक फुटबॉल टुनार्मेंट का बुधवार को मीनी स्टेडीयम लूपूंग में उद्घाटन किया गया। इस टुनार्मेंट में अनगड़ा के विभिन्न पंचायत की टीम भाग ले रही है। आज खेले गए उद्घाटन मैच में गेतलसूद की टीम ने अनगड़ा की टीम को 1-0 से हराया। इससे पूर्व टुनार्मेंट का उद्घाटन भाजपा के पूर्व रांची जिलाध्यक्ष जैलेन्द्र कुमार व भाजपा ओबीसी मोर्चा जिला अध्यक्ष नरेश साहू ने किया। जैलेन्द्र कुमार ने कहा कि फुटबाल झारखंड की आत्मा है। वर्तमान में फुटबाल सहित अन्य खेलों से हम अपने बच्चों को आत्मनिर्भर बन सकते है। दूसरे मैच में लुपुंग ने पेनाल्टी शूटआउट में नवागढ़ को 4-3 गोल से हराया। इस मौके पर राम एकेडमी के अध्यक्ष संजय नायक संयोजक रामसाय मुंडा सचिव जलेश महतो राजेंद्र महतो प्रवीण मुंडा अरविंद मुंडा सुनील महतो आदि उपस्थित थे।

पुलिस ने डेढ़ एकड़ में लगी पोस्ते की फसल नष्ट की

पोस्ते की पौधों को नष्ट करती पुलिस।

राहे। रांची के एसएसपी और ग्रामीण एसपी के निदेर्शानुसार बुंडू डीएसपी द्वारा गठित टीम में राहे थाना प्रभारी फैज रब्बानी के नेतृत्व में थाना क्षेत्र के इंडिसरेंग गांव के जंगल के बीच डेड़ एकड़ में लगे पोस्ते के पौधे को नष्ट किया। थाना प्रभारी फैज रब्बानी ने कहा कि अवैध खेती और मादक पदार्थों के व्यापार में संलिप्त पाए जाने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। किसी भी संदिग्ध गतिविधि में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। जिसने पोस्ते की खेती किया है पहचान किया गया है। जल्द करवाई होगी।

(आसपास की खबरें पेज 9 पर भी देखें)

खबर मन्त्र

रांची.गुरुवार .26 दिसंबर 2024

अभिव्यक्ति

epaper.khabarmantra.net

गिरता विकास दर

भारतीय अर्थव्यवस्था के चालू और अगले वित्त वर्ष में 6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ने की संभावना है। सितंबर तिमाही में देश की आर्थिक वृद्धि दर अनुमान से कहीं कम यानी 5.4 प्रतिशत रही है। इसकी वजह निजी उपभोग व्यय और सकल स्थिर पूंजी निर्माण में गिरावट है। ईवाई की रिपोर्ट में यह बात कही गई। चालू वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही जुलाई-सितंबर में जीडीपी की वृद्धि दर सात तिमाहियों के निचले स्तर 5.4 प्रतिशत पर आ गई थी। इससे पिछली तिमाही में वृद्धि दर 6.7 प्रतिशत थी। जुलाई-सितंबर में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर में गिरावट मुख्य रूप से घरेलू मांग के दो प्रमुख तत्वों निजी अंतिम उपभोग व्यय और सकल स्थायी पूंजी निर्माण में संयुक्त रूप से 1.5 प्रतिशत अंक की कमी के कारण आई। मांग की एक उल्लेखनीय विशेषता निवेश में सुस्ती है, जैसा कि सकल स्थायी पूंजी निर्माण की वृद्धि में परिलक्षित होता है। इस वृद्धि के वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही में 5.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो छह तिमाहियों का निचला स्तर है। इस तथ्य के अलावा कि निजी निवेश की मांग में तेजी नहीं आई है, सरकार के निवेश खर्च की वृद्धि नकारात्मक रही है। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में इसमें 15.4 प्रतिशत की गिरावट आई है। ईवाई इकनॉमी वॉच दिसंबर 2024 में वित्त वर्ष 2024-25 (अप्रैल 2024 से मार्च 2024 वित्तीय वर्ष) और वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है। इसमें वित्त वर्ष 2047-48 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए भारत के राजकोषीय दायित्व ढांचे में सुधार के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया है। टिकाऊ ऋण प्रबंधन, सरकारी बचत को खत्म करने तथा निवेश आधारित वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए पुनसंयोजित दृष्टिकोण महत्वपूर्ण है, जिससे भारत के विकसित अर्थव्यवस्था में बदलने का मार्ग प्रशस्त होगा।

आज का राशिफल

मेष : धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। कार्यक्षेत्र में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-2-4-6

वृष : घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। हाथ में आने वाला धन भी किसी अवरोध का शिकार हो जाएगा। व्यापार में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। धार्मिक यात्रा का योग है। शुभांक-5-7-9

मिथुन : चापलूस मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, ङ्कषचता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। सब्र का फल मीठा होता है अतःधैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। शुभांक-4-6-8

कर्क : थोड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। घर-परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। शुभ कार्यों का तत्काल फल मिलेगा। शुभांक-5-7-8

सिंह : पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। आवेग में आकर किये गए कार्यों का मलाल, अवसाद रहेगा। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-6-8-9

कन्या : प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित लाभ होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-7-8-9

तुला : कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अपने हित के काम सुबह-सवेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। माता-पिता के स्वास्थ्य की चिन्ता रहेगी। शुभांक-5-8-9

वृश्चिक : व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-1-3-5

धनु : शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें।

कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। शुभांक-2-4-6

मकर : रुपये पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। राजकीय कार्यों से लाभ। शुभांक-3-5-7

कुंभ : समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-7-9

मीन : महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-4-8-9

जमीनी नहीं मनोवैज्ञानिक कब्जा चाहता है चीन

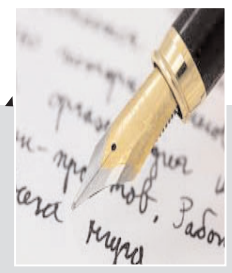

-शेखर गुप्ता

अब यांत्रिक शक्ति की जगह साइबर लड़ाई, ड्रोन, रोबोट और मानव संपर्क की कमी ने ले ली है। यही वजह है कि विपक्ष ने गश्त के अधिकार या कथित रूप से भूभाग गंवाने को लेकर हमले शुरू कर दिए। शायद मोदी सरकार भी उसी पुराने सोच से ग्रस्त है और इसी के चलते वह संसद में इस विषय पर चर्चा की इजाजत नहीं दे रही है।

चीन क्या चाहता है? वह 3,488 किलोमीटर लंबी वास्तविक नियंत्रण रेखा पर गतिविधियां बढ़ाने के बावजूद उन्हें गोलीबारी तक पहुंचने से रोके हुए है। ऐसा करके वह भारतीय सैनिकों और आम जनमानस को भड़का क्यों रहा है? उसका लक्ष्य और संदेश क्या है? हम इन सब को लेकर किस प्रकार की प्रतिक्रिया दे रहे हैं?

फिलहाल सैन्य जवाब नहीं दिया जा रहा है। भारत के सशस्त्र बल जमीन पर पर्याप्त और प्रभावी ढंग से निपट रहे हैं। इसे वीरान और अलग-थलग मोर्चे पर हाथापाई और धक्कामुक्की के एक निरंतर चल रहे सिलसिले के रूप में नहीं देखा जा सकता है। हमें यह समझना होगा कि चीन चाहता क्या है। अगर केवल भूभाग का मामला होता तो वह गोलाबारी से परहेज न करता। तब उसने दूर से मार करने वाले हथियार आजमाये होते ताकि न्यूनतम मानव क्षति हो।

क्या वह इसलिए कर रहा है कि वास्तविक नियंत्रण रेखा के साथ लगे इलाके और लद्दाख की तरह बफर जोन में बदले गए इलाके को तर्कसंगत ठहराया जा सके? केवल इतना करने के लिए वह 15,000 फुट की ऊंचाई पर और इतने विपरीत हालात में करीब तीन डिवीजन और भारी हथियार नहीं तैनात करेगा। इससे न तो उसकी सुरक्षा मजबूत होगी, न ही संसाधनों तक उसकी पहुंच बेहतर होगी, न ही अपने इलाके की रक्षा करने की भारत की इच्छाश?क्ति कमजोर होगी। इसके बावजूद भारत में चीन की हरकतों को लेकर सारी बहस भूभाग पर केंद्रित है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जो सतर्कता बरतते हुए कभी चीन का नाम नहीं लेते उन्होंने 2020 में एक दफा इस मुद्दे पर कुछ कहा था और वह यह कि कोई नहीं आया।

विपक्ष की आलोचना और सामरिक टिप्पणियां भी भूभाग पर केंद्रित रहती हैं। हाल के दिनों में राहुल गांधी भी मोदी पर हमला करते हुए दिखे कि चीन के हाथों जमीन गंवाने के बावजूद मोदी चुप हैं। तृणमूल कांग्रेस से लेकर असदुद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम तक तमाम विपक्षी दलों का यही रुख है।

चीन के कदमों या उसकी हरकतों से नहीं लगता कि वह जमीन पर कब्जा करना चाहता है। बहुत संभव है कि वह हमारे दिमागों पर काबिज होना चाहता है। वह सैन्य तैनाती के मामले में भारत को पीछे छोड़ना चाहता है और शीत युद्ध के बाद के तीन दशकों के सामरिक पुनसंतुलन के बीच भारत को असंतुलित करना चाहता है। भारत-अमेरिका नाभिकीय समझौते के बाद इस प्रक्रिया ने जोर पकड़ा और मोदी के आगमन के बाद इसे नए सिरे से गति मिली।

चीन भारत को कई जटिल सामरिक और राजनीतिक संदेश दे रहा है। हम भी जमीन या सैन्य रणनीतिक मसलों पर ध्यान देकर अपना कुछ खास भला नहीं कर रहे हैं। इससे हमारी राजनीतिक और सामरिक संस्कृति के बारे में भी कुछ अच्छी बात सामने नहीं आती। हमें इस विषय को आगे और खंगालने की आवश्यकता है। कोई पक्ष जब जंग हार जाता है तो वह आने वाली कई पीढ़ियों तक उसी जंग को बार-बार लड़ता रहता है। एक कठोर सत्य यह है कि वह युद्ध 60 वर्ष पहले हुआ था। तब से अब तक दुनिया बहुत बदल चुकी है। भूराजनीति बदली है, शीतयुद्ध समाप्त हो चुका है, चीन भी बदला है और भारत भी। सैन्य मामलों में भी क्रांतिकारी बदलाव आए हैं। अब यांत्रिक शक्ति की जगह साइबर लड़ाई, ड्रोन, रोबोट और मानव संपर्क की कमी ने ले ली है। यही वजह है कि विपक्ष ने गश्त के अधिकार या कथित रूप से भूभाग गंवाने को लेकर हमले शुरू कर दिए। शायद मोदी सरकार भी उसी पुराने सोच से ग्रस्त है और इसी के चलते वह संसद में इस विषय पर चर्चा की इजाजत नहीं दे रही है।

अगर मामला जमीन का या गश्त के अधिकार का हो तो घरेलू राजनीति में मामले को तब तक निर्णायक रूप से हल करना असंभव है जब तक आप यह खुलासा करने को तैयार न हों कि आप कहां थे और कहां हैं? ये दोनों बातें दिक्कतदेह हो सकती हैं। मैं इनके विस्तार में नहीं जाऊंगा।

वास्तव में चर्चा व्यापक राजनीतिक, सामरिक और भूराजनीतिक पहलुओं के बारे में होनी चाहिए और हमारा राजनीतिक माहौल उसके लिए तैयार नहीं है। भाजपा दो कारणों से हिचक रही है। पहली वजह राजनीतिक है और वह यह कि पार्टी नहीं चाहती कि राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर प्रधानमंत्री के रिकॉर्ड पर सवाल उठाया जाए या उस पर सार्वजनिक चर्चा हो। वह पार्टी को वोट दिलाने वाले सबसे बड़े नेता हैं।उनकी सबसे बड़ी योग्यता यही बताई जाती है कि आजाद भारत के इतिहास में राष्ट्रीय सुरक्षा के मोर्चे पर वह सबसे मजबूत रुख रखते हैं। शी चिनफिंग समय-समय पर इसे चोट पहुंचाते रहते हैं। दूसरी वजह भी राजनीतिक है लेकिन वह उतनी दलगत नहीं है। मौजूदा दौर में वै?श्विक श?क्ति के पुनसंर्तुलन की जो जरूरत है, भारत जिस तरह के कदम उठा रहा है, ?इसमें जो संवेदनशीलता शामिल है, वह जिस गुणवत्ता वाली बहस की मांग करता है वह मौजूद ही नहीं है।

ऐसा नहीं है कि हमारे राजनीतिक वर्ग के परिपक्वता की कमी है। अ?धिकांश प्रमुख विपक्षी दलों के नेताओं में यह क्षमता है और वे ऐसा कर चुके हैं। वे राष्ट्रीय सुरक्षा और तेजी से बदलते वै?श्विक समीकरण को समझते हैं। बात बस यह है कि उनके और सत्ताधारी दल के बीच समुचित विश्वास की कमी है। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूर्ण बहुमत वाली सरकार के आगमन के साढ़े आठ वर्ष बाद तक विपक्ष को कभी भरोसे में नहीं लिया गया। यहां तक कि बंद दरवाजों के पीछे होने वाले राष्ट्रीय सुरक्षा के संवेदनशील मसलों पर भी नहीं। यह राजनीतिक बिखराव देश की सबसे बड़ी सामरिक कमजोरी है।

लेटर टू एडिटर

जरूरत की फसल

फसल का उचित मूल्य नहीं मिल पाता। इसका मुख्य कारण है किसानों का एक ही फसल को बार-बार उगाना। फसलों की विविधता से विमुख रहना। किसान की आय तभी बढ़ेगी जब किसान जरूरत के अनुसार खेती करेगा। हर साल गेहूं और चावल की खेती ही करता रहेगा तो भला आय कैसे बढ़ेगी। सब कुछ उगाना होगा ताकि हमारे देश में किसी भी फसल की कमी न रहे। **- सतपाल खूंटी**

बढ़ती भूमिका का सम्मान

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कुवैत द्वारा द ऑर्डर ऑफ मुबारक अल कबीर सम्मान से नवाजा गया है, जो मित्रता का प्रतीक है। यह सम्मान पहले बिल क्लिंटन, प्रिंस चार्ल्स और जॉर्ज बुश को भी मिला था। मोदी के नेतृत्व में भारत की अंतर्राष्ट्रीय पहचान मजबूत हुई है, और विश्व के ज्वलंत मुद्दों पर भारत की भूमिका बढ़ी है। खाड़ी देशों के साथ भारत के अच्छे संबंध व्यापार, पर्यटन और कूटनीतिक सहयोग को बढ़ावा देंगे, खासकर आतंकवाद के खिलाफ समर्थन के संदर्भ में।

-वीरेंद्र कुमार, रांची

ट्वीट

भारत अपनी दिव्य यौगिक आभा और सांस्कृतिक मूल्यों के माध्यम से विश्व को शांति और समन्वय का मार्ग दिखा रहा है। ह्लसर्वे भवन्तु सुखिनःह्व और ह्लवसुधैव कुटुंबकम्ह्व जैसे मंत्रों ने एकात्मता और वैश्विक भाईचारे का संदेश दिया है।आद्य जगद्गुरु शंकराचार्य जी के अद्वैत वेदान्त और भारत के आध्यात्मिक विचार आज की वैश्विक समस्याओं का समाधान प्रस्तुत करते हैं। भारतीय संस्कृति का मूल उद्देश्य मानवीय संघर्षों को समन्वय और आत्मिक ज्ञान के माध्यम से सुलझाना है, जो इसे विश्व में अद्वितीय बनाता है।

- स्वामी अवधेशानंद गिरी

नव वर्ष 2025 पर गीता के निष्काम योग का चिंतन,मनन और अध्ययन करें

अजयदीप बाधवा

मोटिवेशन

श्रीमद्भगवद्गीता के श्लोक हमें निराशा में आशा और अंधकार में प्रकाश की किरण दिखाते हैं । ये हमें अज्ञानता से ज्ञान और भ्रम से सत्य की ओर ले चलते हैं । एक श्लोक में भगवान श्री कृष्ण कहते हैं- नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः ।। अर्थात मैं केवल देह नहीं हूं, देह तो मेरा आवरण मात्र है। मैं कभी न मरने वाला अखंड और व्यापक आत्मा हूं।

गीता सनातन धर्म का एक ऐसा ग्रंथ है जो हमें सदैव पुरुषार्थ करने की प्रेरणा देता है। 25 दिसंबर को श्री गीता जयंती है। इसके साथ ही हम क्रिसमस मनाते हैं महान राजनेता अटल जी का जन्म दिन है, बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी के संस्थापक मदन मोहन मालवीय जी का भी जन्म दिन है। पूरी दुनिया में अवकाश और क्रिसमस का माहौल होता है। हम सब भी वर्ष 2025का स्वागत कर रहें हैं। नये वर्ष पर इस महान धर्मग्रंथ हमें निष्काम कर्म की सीख देते हुए परिणाम की चिंता न करने की सलाह देता है क्योंकि कर्म पर हमारा वश है, फल पर नहीं । गीता महाभारत के भीष्म पर्व का अंग है जिसमें कुल 18 अध्याय और 700 श्लोक हैं । भारतीय मनीषी परंपरा में माना गया है कि भारतीय तत्व ज्ञान यदि गाय है तो गोपाल नंदन श्री कृष्ण दूध दुहने वाले पुरुषोत्तम हैं और गीता भारतीय तत्वज्ञान रूपी गाय से प्राप्त दुग्धामृत है । मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष की एकादशी को महाभारत युद्ध के प्रारंभ में जब वीर धनुर्धर अर्जुन माया-मोह के जंजाल में फंस गए थे तो उनके सारथी बन युद्ध में अपनी भूमिका निभा रहे भगवान श्री कृष्ण ने अपना विराट रूप दिखाते हुए उन्हें गीता का ज्ञान दिया था ।

इस ज्ञान को अर्जुन के अलावा संजय और धृतराष्ट्र को भी सुनने का मौका मिला था । इसलिए इस दिवस को गीता जयंती के रूप में भी मनाया जाता है । वैसे कहा जाता है कि गीता का प्रथम ज्ञान ब्रह्मांड के अलौकिक तेज से सबसे पहले भगवान सूर्य को प्राप्त हुआ था और उसके बाद वैवस्वत मनु को । वैवस्वत मनु से यह ज्ञान राजा इक्ष्वाकु को मिला । महाभारत में श्लोक के रूप में इसे संकलित करने का श्रेय ऋषि वेदव्यास को जाता है । पूरा महाभारत उनके कहे अनुसार भगवान श्री गणेश ने लिपिबद्ध किया था । आधुनिक काल में भी अनेक विद्वानों ने गीता पर भाष्य लिखे । स्वामी विवेकानंद ने गीता ज्ञान को सुदूर पश्चिम तक पहुंचाया ।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को गीता ग्रंथ से जोड़ने का श्रेय भी स्वामी विवेकानंद को ही जाता है । स्वतंत्रता सेनानी लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने मांडले कारावास में रहने के दौरान श्रीमद्भागवत गीता रहस्य अथवा कर्म योग शास्त्र लिखा जिसमें इस पवित्र ग्रंथ के श्लोकों की विशद व्याख्या की गई है । श्रीमद्भगवद्गीता के श्लोक हमें निराशा में आशा और अंधकार में प्रकाश की किरण दिखाते हैं । ये हमें अज्ञानता से ज्ञान और भ्रम से सत्य की ओर ले चलते हैं । एक श्लोक में भगवान श्री कृष्ण कहते हैं- नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः ।। अर्थात मैं केवल देह नहीं हूं, देह तो मेरा आवरण मात्र है। मैं कभी न मरने वाला अखंड और व्यापक आत्मा हूं। वह आत्मा जिसे शस्त्र काट नहीं सकता, अग्नि जला नहीं सकती, पानी गला नहीं सकता और वायु सुखा नहीं सकती है।श्रीमद्भगवतगीता का एक श्लोक कर्म योग दर्शन का मूल आधार है । इस श्लोक में भगवान कृष्ण कहते हैं-

कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन। अर्थात कर्म पर ही तुम्हारा अधिकार है, लेकिन कर्म के फलों में कभी नहीं... इसलिए कर्म को फल के लिए मत करो ।

इसी तरह दूसरे श्लोकों में भी भगवान श्री कृष्ण जीवन-मृत्यु, इहलोक-परलोक तथा सत्य-असत्य से जुड़ी हुई गुत्थियों को सुलझाते हुए जीवन के सूक्ष्मतम रहस्यों से पर्दा हटाते हैं और अपना विकराल रूप दिखाते हैं । इन श्लोकों में जीवन-दर्शन है-क्रोधाद्भवति संमोहः अर्थात क्रोध से मनुष्य की मति मारी जाती है यानी मूढ़ हो जाती है जिससे स्मृति भ्रमित हो जाती है। स्मृति-भ्रम हो जाने से मनुष्य की बुद्धि नष्ट हो जाती है और बुद्धि का नाश हो जाने पर मनुष्य खुद अपना ही का नाश कर बैठता है।

(लेखक मोटिवेटर सह कर विषयों के जानकार हैं। 9431107515)

वर दिये सुत चार, जग जीवत कई हजार गुरु गोबिंद सिंह जी

गाथा चमकौर की
इंद्रजीत सिंह डिम्पल

धर्म

आनंदपुर साहब का किला छोड़ने के पश्चात श्री गुरु गोविंद सिंह जी अपने 40 सिंघों के साथ और दो साहिबजादो को लेकर आगे बड़े । गुरूपिता को पता लगा की औरंगजेब का खास सिपाहसलार वजीर खान 10 लाख की मुगल फौज के साथ उन्हें जिंदा या मुर्दा पकड़ने के फरमान के साथ उनकी तरफ बढ़ रहा है । इस दौरान गुरु साहब ने चमकौर गांव के एक ऊंचे टिले पर बनी कची हवेली में शरण ली जो बाद में चमकौर की गड़ी के नाम से प्रसिद्ध हुई ।

पता लगते ही इसी गड़ी को मुगलो ने चारों तरफ से घेर लिया और एक विशाल फौज के साथ चमकौर की गड़ी पर आक्रमण कर दिया । युद्ध कौशल में पारंगत दशमेश पिता ने अपने साथ केवल 40 सिक्ख योद्धाओं को उपस्थित प्रकार उनके मनोबल को गुरबाणी के पाठ द्वारा उनका मनोबल उंचा किया और स्मरण कराया की धर्म और देश के लिए यह एक निर्णायक युद्ध होगा` जो भारतवर्ष के इतिहास को परिवर्तित कर देगा ।

पांच-पांच सिंघों की टुकड़ियों मे खालसा, फौजी के रूप में गोरिल्ला आगाज शुरू किया । वजीर खान की पूरी फौज को नेस्तनाबूद कर दिया । जब अकाल पूरख की फौज के सिघं साहबान मुगल बादशाह की विशाल फौज से लड़ते-लड़ते शाहिद होते चले गए तब गुरु जी के बड़े बेटे बाबा अजीत सिंह (17 वर्ष)ने युद्ध में जाने की इजाजत मांगी ।

दशम पिता गुरु गोविंद सिंह ने अपने हाथों से उन्हे युद्ध के कपड़े पहना कर तीर धनुष दिया और अरदास के उपरांत रवाना किया। कहते हैं की बड़े साहबजादे के युद्ध भूमी में पहुंचने के बाद जैसे जलजला सा आ गया और चारों तरफ उस वीर योद्धा की बहादुरी और अत्यंत दक्ष युद्ध कौशल के चलते मुगल सैनिक पीछे की ओर भागने लगे । इस दौरान साहिबाजादा अजीत सिंह के तरकश में तीर समाप्त हो गए और मुगल सैनिकों ने उन्हें घेर कर शहीद कर दिया ।

इतिहासकार यह भी बताते हैं की साहबजादा अजीत सिंह सम्भवता एक ऐसी छोटी उम्र के योद्धा थे, जिनको युद्ध में सबसे ज्यादा घाव लगे` लगभग 100 से अधिक तीर उनके शरीर में पाए गए थे, इसके उपरांत भी वो तब तक लड़ते रहे जब तक उनका तर्कश खाली नहीं हो गया`

उनकी शहादत के पश्चात बाकी बचे हुए सिखों के विरोध के बावजूद दूसरे साहिबजादे बाबा जुझार सिंह (उम्र 13 वर्ष) को गुरु-पिता ने जंगे मैदान में रवाना किया, और परमेश्वर से अरदास की और कहा कि जाओ और जंग फतेह करके आओ ।

जुझार सिंह ने युद्ध के मैदान में पहुंचकर मुगल सैनिकों को गाजर मूली की तरह काटना शुरू किया और इतनी बड़ी फौज के सामने लड़ते-लड़ते वीरगति को प्राप्त हो गए ।

इस युद्ध में गुरु जी के दो पुत्रों साहिबजादा अजीत सिंह व साहिबजादा जुझार सिंह और 34 सिंह भी शहीद हो गए। इस युद्ध में 6 सिक्ख बचे। गुरु गोविंद सिंह ने इस युद्ध का वर्णन जफरनामा में किया है।

रात के समय जब गुरु पिता युद्ध के मैदान में गए तो उन्होंने देखा की हर जगह लाशे हि लाशे बिछी हुई है` इतने में भाई दया सिंह जी ने देखा कि बड़े साहबजादे अजीत सिंह का शव जंगे मैदान में पड़ा हुआ है, तो उन्होंने अपना कमर कस्सा (कमर में बंधा हुआ कपड़ा )खोलकर बड़े साहबजादे के पार्थिव शरीर पर डालने की कोशिश की` इस पर गुरु साहब ने कहा की भाई दया सिंह जी यह क्या कर रहे हो ? उन्होंने कहा महाराज साहबजादे का शरीर नंगा था तो मैंने उसे कफन देने का प्रयास कररहा था` तो गुरु पिता ने कहा कि यहां शाहिद सभी सिंह मेरे बच्चे हैं ,अगर सबके लिए कफन का इंतजाम हो सकता है तो करो, नहीं तो जो जैसा है वैसा छोड़ दो` यह कर गुरु साहब ने आकाश की ओर देखा, अरदास की और परमेश्वर से अनुरोध किया कि सभी शहीदों को बैकुंठ में निवास मिले, और उनके लिए स्वर्ग के दरवाजे खोल दिए जाएं ।

इस दौरान उन्होंने पता लगाया तो उन्हें पता लगा कि दोनों छोटे साहबजादे अपनी दादी के साथ गंगू रसोइया की देखरेख में उसके गांव चले गए हैं` गुरु साहब फिर सरसा नदी पार करके मच्छीवाडे के जंगलों की तरफ चले गए`

चमकौर का युद्ध निश्चित तौर पर अपने आप में अद्भुत रहा है` यह दशमेश पिता के जीवन का अंतिम युद्ध था, और संभावित धरमंध मुगल सुल्तान औरंगजेब का भी यह अंतिम युद्ध रहा होगो यह युद्ध इस रूप में भी विख्यात है कि 10 लाख की फौज को कैसे केवल 40 खालसा सिंघो में परास्त कर दिया` इतिहासकार बताते हैं कि जब यह युद्ध हो रहा थातो आकाश से सभी देवता इसका अवलोकन कर रहे थे और खालसा सैनिकों को अपना-अपना बल और शक्तियां प्रदान कर रहे थे , जिसके चलते केवल मुट्ठी भर सैनिक इतनी विशाल फौजी से लोहा ले सके

आज के दिन गुरुद्वारे में विशेष दिवस जाया जाता है और उन शहीदों को नमन करते हुए उनसे प्रेरणा लेकर धर्म और राष्ट्र के लिए मर मिटने का संकल्प लिया जाता है` आज के कार्यक्रम में अरदास के उपरांत साधारण प्रसाद का वितरण किया जाता क्योंकि यह विशेष सप्ताह उन शहीदों को समर्पित है। गुरु पंत का दास

स्पीड न्यूज

जूडो व कराटे खिलाड़ियों मिला मैट

रामगढ़। खेल और युवा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से उपायुक्त चंदन कुमार की पहल से ज़ले के जूडो और कराटे खिलाड़ियों को मैट मिला। टाटा कंपनी ने सीएसआर के तहत 130 मैट दिया। मंगलवार को उपायुक्त कार्यालय में उपायुक्त चंदन कुमार ने जूडो एसोसिएशन के अध्यक्ष विजय मेवाड़ , सचिव शशि पांडेय, टाटा कंपनी के अधिकारी राजेश कुमार , आदित्य कुमार सहित जूडो और कराटे के दर्जनों के दर्जनों खिलाड़ियों की मौजूदगी में दिया। उपायुक्त ने कहा कि आप अपना जौहर दिखाइए , प्रशासन आपकी हर जरूरत पूरा करेगा। विजय मेवाड़ ने कहा कि उपायुक्त के प्रयासों से खेल और खिलाड़ियों को नया जोश मिला रहा है और विकास को को नयी रफ़्तार मिल रही है। श्री मेवाड़ ने सीएसआर फण्ड से टाटा कंपनी द्वारा खिलाड़ियों को उपहार स्वरूप दिये गये जूडो मैट के लिये टाटा कंपनी के प्रति आभार जताया। मौके पर खिलाड़ियों में सार्थक पांडेय , तेजस दीपसिंह , अंश कुमार सिंह , अभिनव कुमार, रणजीत तुरी , सिद्धार्थ कुमार , शालिनीश्री ,युक्ता राज, शैफाली चौधरी , स्मृति भारद्वाज , अविरल कुमार , ऋत्विक आदि उपस्थित थे।

प्रखंड कांग्रेस ने डीसी को सौंपा ज्ञापन

भुरकुंडा (रामगढ़)। पतरातू प्रखंड कांग्रेस कमेटी के एक प्रतिनिधि मंडल ने प्रखंड अध्यक्ष सुजीत कुमार पटेल के नेतृत्व ने रामगढ़ उपायुक्त से मुलाकात कर पतरातू में निर्माणाधीन पीवीयूएनएल प्लांट से जनहित में जुड़ी समस्याओं से निजात दिलाने से संबंधित 12 सूत्री मांग-पत्र सौंपा है। इसमें पतरातू पीवीयूएनएल गेट के दोनों तरफ लगभग 1 किलोमीटर तक बड़े भारी वाहनों ट्रेलर की अनियमित पार्किंग से आम लोगों को हो रही समस्याओं से निजात दिलाने के लिए सडक के दोनों तरफ सड़क निर्माण करने, पानी छिड़काव एवं झाड़ू लगाने, मुख्य गेट पर वाहन इंट्री हेतु 24 घंटे ट्रैफिक गार्ड कि नियुक्ति करने सहित समुचित लाइट की व्यवस्था करने, पीटीपीएस के आठ पंचायतो का एक बड़ा खेल मैदान पीवीयूएनएल द्वारा अधिग्रहण की गई अंबेडकर पार्क, पटेल चौक, हेसला इमलीगाछ, पंचमंदिर कैंपस एवं पार्क के रूप में विकसित करने को लेकर सौंपा ज्ञापन।

सांकी में रोलर पलटने से चालक मौत

भुरकुंडा (रामगढ़) ।भदानीनगर ओपी क्षेत्र के सांकी स्कूल जुमरा मोड़ पर एफडीआर कंपनी का एक रोड रोलर टेलर में चढ़ाने के क्रम में अनियंत्रित होकर पलटने से चालक की दबकर मौत हो गई। घटना के बारह घंटे बाद हाईड्रा की मदद से शव को रोड रोलर के नीचे से बाहर निकाला गया। जिसके बाद पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए रामगढ़ भेज दिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद पहुंचे ग्रामीणो ने मृतक के परिवार को मुआवजा देने की मांग करने लगे। जिसके बाद क्लासिक इंजीकॉम प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के पेटीदार एफडीआर कंपनी ने मृतक के आश्रित को पांच लाख रुपए मुआवजा देने की बात कही।

हर चुनौतियों के लिये तैयार रहें : गौतम

भुरकुंडा (रामगढ़)। ट्रेड यूनियन का स्वरूप के हर संभावित बदलाव को देखते हुए संघ के पदाधिकारियों को तैयार रहना होगा। वर्तमान समय में जनता मजदूर संघ सीसीएल में सशक्त संगठन है। इस मजबूती को बरकरार रखने के लिए मजदूरों के बीच जाकर संगठन को विस्तार देने का जो निर्णय लिया गया है वह उत्साहित करने वाला है। उक्त बातें जनता मजदूर संघ के महामंत्री सह जेबीसीसीआई सदस्य सिद्धार्थ गौतम ने सीएमपीडीआई में मंगलवार को आयोजित जनता मजदूर संघ के सीसीएल कार्यकारिणी की बैठक में बतौर मुख्य अतिथि कही। उन्होंने बताया कि ट्रेड यूनियन चलाने के लिए पदाधिकारियों को संबंधित बैठकों के मुद्दों की जानकारी रखकर अपना बात रखना होगा, ताकि मजदूरों की समस्या का समाधान करने में संगठन के लोग एक ब्रीज का काम कर सकें। बैठक में रामेश्वर सिंह फौजी, निशि पांडेय, रविन्द्र नाथ सिंह, ओमप्रकाश सिंह टीनू, जमसं संगठन मंत्री सुखदेव प्रसाद, अनील सिंह, गोल्टेन प्रसाद यादव, मंतोष सिंह, विकास सिंह, प्रत्यूष सिंह, भुरकुंडा शाखा सचिव बैजनाथ कुमार सहित कई लोग मौजूद थे।

हाथियों ने युवक को कुचलकर मारा

रजरप्पा। चितरपुर प्रखंड के मायल पंचायत स्थित विस्थापित गाँव ढठवाटांड-चिलमटुंगरी के समीप एक ग्रामीण को हाथियों ने कुचल कर मार डाला। ग्रामीण की पहचान मायल के गांवादेवती निवासी निधिराम महतो उर्फ मट्ठू के (उम्र 32) रूप में हुई है। ग्रामीणों के अनुसार मृत युवक अपने पशुओं के लिए अहले सुबह पत्ता चुनने गया था। वन क्षेत्र पदाधिकारी के निर्देश पर वनपाल और सीओ दीपक मिंज ने मृतक के परिजनों को मुआवजे की अग्रिम 25 हजार रुपए की राशि सौंपी। इस घटना को लेकर वन विभाग के प्रति ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है. बताते चले कि पिछले एक सप्ताह से भुचुंगडीह एवं आपसपास के जंगल में जंगली हाथियों का झुण्ड ने अपना डेरा जमाये हुए है। ग्रामीण हाथियों के दस्तक से भयभीत हैं और वन विभाग से भगाने की मांग कर रहे हैं।

वाजपेयी के विकसित भारत के सपने को साकार कर रही है मोदी सरकार : सांसद

मनीष जायसवाल ने पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी को दी श्रद्धांजलि

खबर मन्त्र संवाददाता

हजारीबाग। झारखंड अलग राज्य के निर्माता, पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी बाजपेयी के शताब्दी जयंती पर भाजपा द्वारा आयोजित सुशासन दिवस के मौके पर झारखंड प्रदेश भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के निर्देशानुसार बतौर मुख्य अतिथि सह मुख्य वक्ता के रूप में हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल कोडरमा भाजपा जिला कमिटी द्वारा बुधवार को झुमरी तैलिया के होटल रॉयल सेलिब्रेशन सभागार में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए और श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी को स्थानीय कार्यकर्ताओं के साथ श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए उनकी विशाल व्यक्तित्व और कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला । जायसवाल ने कहा कि आधुनिक भारत का नींव और विकसित भारत

का जो सपना वाजपेयी ने देखा उसे मोदी सरकार सार्थक बना रही है। उन्होंने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी के पदचिन्हों पर चलकर ही देश के साथ झारखंड को भी आगे बढ़ा सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि झारखंड के वर्तमान परिपेक्ष्य में उनके कविता बाधाएं आती हैं आएं, घिरें प्रलय की घोर घटाएं, पावों के नीचे अंगारे, सिर पर बरसें यदि ज्वालाएँ, निज हाथों में हँसते-हँसते,आग लगाकर जलना होगा, कदम मिलाकर चलना होगा। इसी ध्येय के साथ हम सभी को लगातार आने वाले समय में जनता के बीच पहुंच बनाकर जनसेवा के कार्य में शिद्दत से लगे रहना होगा तभी झारखंड में हम पुनः कमल खिलाने में सफल हो सकेंगे ।

मौके पर बीजेपी झारखंड प्रदेश मंत्री दिलीप वर्मा, कोडरमा जिला संगठन प्रभारीअशोक शर्मा, कोडरमा भाजपा जिला अध्यक्ष अनूप जोशी, जिला महामंत्री शिवेंद्र नारायण सिन्हा, विजय यादव, भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य नीतेश चंद्रवंशी, रवि मोदी, पूर्व जिला अध्यक्ष सुरेश यादव, झुमरी तैलिया भाजपा नगर अध्यक्ष सुधीर सेठ, जिला उपाध्यक्ष जयप्रकाश राम, राजेश सिंह, गोपाल कुमार, देवनारायण जी, जूही दास गुप्ता, जिला मंत्री शशि भूषण प्रसाद, महिला मोर्चा अध्यक्ष सुनीति सेठ, अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष अरशद खां, मीडिया प्रभारी चंद्रशेखर जोशी, सूरज कुमार मेहता, सुनील जी सहित अन्य गणमान्य पदाधिकारीगण और कार्यकर्तागण मौजूद थे।

हजारीबाग में क्रिसमस की धूम

हजारीबाग । चर्चों को रंग-बिरंगी लाइटों और सजावट किया गया। सुबह से ही लोग बड़ी संख्या में चर्चों में प्रार्थना करने पहुंचे पादरियों ने ईसा मसीह के जन्म की कथा सुनाई और उनके प्रेम, करुणा और शांति के संदेश को याद दिलाया। मिडनाइट मास और भजन गान ने लोगों का मन मोह लिया। विशेष प्रार्थना सभाओं में समाज की खुशहाली, भाईचारे और शांति के लिए प्रार्थनाएं की गईं बच्चों ने सांता क्लॉज की पोशाक पहनकर समारोहों में भाग लिया और उपहार बांटे। जगह-जगह क्रिसमस कैरोल्स गाए गए। बाजारों और घरों में भी क्रिसमस ट्री, घंटियों और सितारों की सजावट देखने लायक थी। क्रिसमस का त्यौहार सभी धर्मों और समुदायों को प्रेम, एकता और मानवता का संदेश देता है।

बरही में दो दुकानों से चोरी सीसीटीवी में कैद हुयी तस्वीर

खबर मन्त्र संवाददाता

बरही। कोनरा तिलैया रोड स्थित दो दुकानों में अज्ञात चोर ने नकदी चोरी की घटना को अंजाम दिया। पीड़ित दुकानदार विजय यादव और उनके भाई संजय यादव ने थाना प्रभारी को लिखित शिकायत देकर प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की है। पीड़ित विजय यादव ने बताया कि वह जय माता दी सिमेंट सेंटर नामक दुकान चलाते हैं, जबकि उनके भाई संजय यादव प्राची इलेक्ट्रिकल्स के नाम से इलेक्ट्रॉनिक्स सामान की दुकान चलाते हैं। 24 दिसंबर की रात दोनों भाई अपनी अपनी दुकानें बंद कर कोनरा स्थित घर लौट गए थे। अगले दिन सुबह 8 बजे दुकान खोलने पर पता चला कि दुकान की छत पर लगी करकेट सीट काटी गई थी। विजय यादव के गल्ले का ताला टूटा हुआ मिला, जिसमें रखे 35,000 रुपये नकद और लगभग 800 रुपये छुट्टे गायब थे। संजय यादव की दुकान में भी ऐसी ही चोरी हुई, जहां गल्ले से 20,000 रुपये नकद और लगभग 500 रुपये छुट्टे चुरा लिए गए। दुकानों में लगे सीसीटीवी फुटेज को चेक करने पर पता चला कि 25 दिसंबर की रात करीब 12:45 बजे एक अज्ञात युवक, जिसने अपने चेहरे पर मास्क लगा रखा था, छत काटकर दुकानों में घुसा और गल्ले का ताला तोड़कर नकदी लेकर फरार हो गया। विजय यादव ने बरही थाना प्रभारी से इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर चोर की पहचान और उचित कानूनी कार्रवाई की अपील की है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। सीसीटीवी में मास्क लगाए चोर की तस्वीर कैद हो गई है।

आईलेक्स पब्लिक स्कूल के छात्रों ने किया राजगीर बोधगया व नालंदा का भ्रमण

बरही। आईलेक्स पब्लिक स्कूल के छात्रों ने शैक्षणिक भ्रमण के दूसरे दिन राजगीर, बोधगया और नालंदा के ऐतिहासिक स्थलों का दौरा किया। इस यात्रा में स्कूल की विभिन्न शाखाओं पंचमाधव, गोरियाकरमा, बड़कागांव, गाड़ीकला (गिरिडीह), बरकट्ठा और पांडेयबारा के छात्र-छात्राएं शामिल थे। उनके साथ सामाजिक विज्ञान के शिक्षक भी थे, जिन्होंने समय-समय पर बच्चों को इन स्थलों की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक जानकारी दी। यात्रा की शुरूआत राजगीर से हुई, जहां बच्चों ने ऐतिहासिक स्थलों को देखा और उनके महत्व को समझा। बुद्ध से जुड़े तथ्यों और उनकी शिक्षाओं के बारे में जानकर बच्चे गहरी रुचि और प्रेरणा से भर गए। भ्रमण का मुख्य आकर्षण नालंदा विश्वविद्यालय था।

वाजपेयी की जयंती पर उज्जवला फाउंडेशन ने बांटा 101 कंबल

कुजू। बोंगावार फोरलेन स्थित मोतीराम कॉम्प्लेक्स में बुधवार को उज्जवला फाउंडेशन द्वारा भारत रत्न सह पूर्व प्रधानमंत्री स्व अटल बिहारी वाजपेयी का 100 जयंती सुशासन दिवस के रूप में मनाया गया। साथ ही 101 महिलाओं के बीच कंबल का वितरण किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता फाउंडेशन अध्यक्ष जगेश्वर प्रजापति व संचालन शांति देवी ने किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजपा के वरिष्ठ नेता रंजीत कुमार सिन्हा शामिल हुए। इस दौरान कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथि व फाउंडेशन सदस्यों ने संयुक्त रूप से अटल बिहारी वाजपेयी के चित्र के समक्ष पुष्प अर्पित कर किया। मौके पर रंजीत कुमार सिन्हा ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी ऐसे नेता थे जो भाजपा को समेट कर रखा। आज उन्हीं के बदौलत केंद्र में हमारी सरकार है। उनकी सोच के कारण हमारा देश विश्व पटल पर स्थापित है। वहीं जगेश्वर प्रजापति ने कहा कि भारत के पूर्व प्रधानमंत्री और हम सबके प्रेरणा स्रोत है। मौके पर सुखदेव सोनी, प्रकाश केशरी, डिंपल प्रजापति, कौशल्या देवी, सुनिता देवी, अर्चना देवी, फूलकुमारी देवी, पूनम देवी, सुषमा कुमारी, छोटन प्रजापति आदि शामिल थे।

झरपो में मनी अटलजी की जयंती

टाटीझरिया । झरपो पंचायत के नैतिक सह बौद्धिक संस्कार शाला राजगढ़ झरपो में भारत रत्न से अलंकृत अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मोत्सव के अवसर पर वाजपेयी जी के तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर नमन किया गया। और उनकी जीवनी को बताया गया तथा गरीब आसहाय बुजुर्ग महिलाओं के बीच अपने निजी खर्च से आर एसएस संघ प्रमुख कौलेश्वर मिश्र सदस्य विजय पांडेय ,टाटीझरिया आंचलिक पत्रकार सह झारखंड जर्नलिस्ट एसोसियन सदस्य संदीप पाण्डेय ने अंग वस्त्र में साड़ी एवं मिठाई का वितरण किया । लाभुकों में मौ. तुलिया,नेमिया, उर्मिला,ललिया बिशुनी , संगीता, रश्मि ,जसवा, जामनी ,सुमित्रा ,अंजू,बुधनी, तारा,रेशमी,सहौदरी ,बलिया, मौ. शांति देवी थी ।जिन्होंने अंग वस्त्र के मिलने से खुशी जाहिर किया। इसी तरह जो सक्षम समाज सेवि गण है उनसे भी आग्रह है कि अपने आस पास के जरूरत मंद की सहायता करे।चुकी इस पृथ्वी में मानवता धर्म से बड़ा कोई धर्म नहीं है। मौके पर अनिल कुमार,सचिन पांडेय,टेको महतो,सुरेश प्रसाद,जीतन राम,खीरू राम समेत अन्य कई ग्रामीण मौजूद थे।

भाजपा कैंट मंडल ने मनायी पूर्व प्रधानमंत्री वाजपेयी की जयंती

रामगढ़। भाजपा कैंट मंडल ने बुधवार को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 100वीं जयंती सुशासन दिवस के रूप में मनाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता कैंट मंडल अध्यक्ष सूर्यवंश श्रीवास्तव ने और धन्यवाद ज्ञापन नगर मंत्री अभिषेक चौधरी ने किया । मुख्य प्रवक्ता जिला मीडिया प्रभारी राजीव पामदत्त ने 100वीं जयंती पर अटल जी के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला और उन्हें एक कुशल संगठनकर्ता , राजनेता, पत्रकार, साहित्यकार के साथ साथ भारतीय जनता पार्टी के जनक के रूप में हमेशा लोगों के स्मरण में जीवित रहेगें। उनके प्रधानमंत्री के कार्यकाल में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, चतुर्भुज स्वर्णिम सड़क योजना, सर्व शिक्षा अभियान के माध्यम से उन्होंने सुशासन की जो रोशनी दी आज हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उनके कार्यों को विराट स्वरूप दिया जा रहा है। आज भारत विश्व के पांचवीं आर्थिक शक्ति के रूप में उभरा है। पोखरण प्रकरण ने अटल जी के ताकत और देश हित के उनके अटल इरादे को दुनिया भर भारत के परमाणु शक्ति परीक्षण को स्थापित किया। वे राजनीति के आजातशत्रु हैं। सूर्यवंश श्रीवास्तव ने बताया कि भाजपा रामगढ़ कैंट के सभी बूथों पर अटल जी की 100 वीं जयंती पर कार्यक्रम हो रहे हैं।

भुरकुंडा कैथोलिक आश्रम में क्रिसमस की धूम

▸▸ प्रभु यीशु खीस्त का जन्म एकता और खुशहाली का संदेश देता है : फादर सुशील ओसगा

भुरकुंडा (रामगढ़)। भुरकुंडा कोयलांचल सहित आसपास के क्षेत्रों में क्रिसमस धूमधाम से मनाया गया। क्रिसमस को ले मंगलवार मध्य रात्रि 12 बजे प्रभु यीशु की जन्मोत्सव के अवसर पर ईसाई धर्म के लोग झूम उठें। पटेलनगर भुरकुंडा स्थित कैथोलिक आश्रम स्थित चर्च में क्रिसमस के अवसर पर प्रभु यीशु का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। साथ ही आयोजित प्रार्थना सभा में भारी संख्या में मसीही समाज के लोग शामिल हुए। इस बीच पूजा-अनुष्ठान में प्रभु यीशु के जन्मोत्सव पर वेदी श्रृंगार किया गया। साथ ही प्रभु यीशु के लिए गीत गाया गया। प्रभु यीशु के जन्म होते ही मसीही परिवार के लोगों ने एक-दूसरे को बधाई दी। साथ ही रातभर गीत-गीत में नृत्य कर क्रिसमस डे सेलिब्रेट किया गया। धार्मिक अनुष्ठान में मुख्य पुरोहित फादर सुशील ओसगा, फादर बरनाबस, फादर सेबरेन लकड़ा और फादर थॉमस रॉड्रिक्स और हेड प्राचार्य जोसेफ ओडिया प्रार्थना कक्ष में पहुंचे। वहीं मिस्सा पूजा के बाद पुरोहितों ने वेदी में रखे प्रभु यीशु की प्रतिमा को गोद में उठाकर आशीष देते हुए चरनी में रखा। युवा संघ की खुशबू एक्का, अमन कुजुर, आशीष कुजूर, जॉनसन लकड़ा, प्रमोद कुजूर, अनीश लकड़ा, अतुल अनुराग एक्का आदि ने चुम्मा कराय, कोई कोरा कराय बालक यीशु के गीत गाकर अपनी श्रद्धा व्यक्त कर रहे थे। मौके पर फादर सुशील ओसगा ने कहा की प्रभु यीशु खीस्त का जन्म दुनिया को भाईचारगी, एकता, खुशहाली का संदेश देता है। प्रभु यीशु खीस्त सभी के लिये मुक्तिदाता बनकर अवतार लिये हैं। फादर वरनाबस खलखो ने कहा कि बड़ा दिन यीशु मसीह के जन्म उत्सव सारे जगत के लिए प्यार, आनंद, शांति, ज्योति और भाईचारगी का त्यौहार है। क्रिसमस ना सिर्फ ईसाइयों का बल्कि सारे जगत के लिए ईश्वर का मनुष्य रूप अवतार है। उन्होंने कहा कि पापियों एवं दुनिया की प्रलोभन से बचाने के लिए प्रभु यीशु मनुष्य रूप धारण किए और परिवार में जन्म लेकर परिवारिक जीवन को पवित्र किया। वेदी श्रृंगार, होली क्रॉस की धर्म बहनों के द्वारा किया गया। साथ ही चर्च परिसर को आकर्षक विद्युत सज्जा से सजाया गया था, और आकर्षक चरणी बनाई गई थी। इसके पूर्व युवा संघ द्वारा क्रिस जयंती का पूजन समारोह व गीत प्रस्तुत किया गया। आयोजन को सफल बनाने में सिस्टर सुनीता पल्ली, पात्रिक मिंज, बासिल कुजुर, राजेश पंडरवाणी, जुस्टिन बाड़ा, इरेनियुस गिद्ध, प्रीतम तिग्गा, आनंद बारला, फूलमनी गुड़िया, राशेल तिग्गा, रॉबिन तिग्गा, अनिल खाखा, सिसिलिया कुजुर, वर्जिनिया एक्का, अमृतलाल जॉनसन लकड़ा, अनिल लकड़ा, फिलिप्स डिक्रूज सहित स्कूल व कैथोलिक सभा सदस्यों का विशेष योगदान रहा।

एक नजर में

विधायक कार्यालय में मनी वाजपेयी की जयंती

हजारीबाग । भाजपा विधायक कार्यालय में बुधवार को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती को सुशासन दिवस के रूप में मनाया गया। सबसे पहले पूर्व प्रधानमंत्री वाजपेयी के चित्र पर पुष्प चढ़कर कार्यक्रम की शुरूआत की गई। इस मौके पर भाजपा के वरिष्ठ नेता रविंद्र राय ने भाजपा कार्यकर्ता को सुशासन दिवस की शपथ भी दिलवाई। श्री राय ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी ने प्रधानमंत्री पद पर रहते हुए कई अहम कार्य किए। जिनकी आज भी लोग सराहना करते हैं। उन्होंने कहा कि वाजपेयी कवि होने के साथ-साथ प्रखर वक्ता भी थे। ऐसे में हम सभी को उनके जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। समारोह में अन्य भाजपा नेता ने भी विचार व्यक्त किए।

प्रथम श्री श्याम समर्पण महोत्सव मना

हजारीबाग। हजारीबाग में श्री श्याम टाबरिया द्वारा आयोजित प्रथम श्री श्याम समर्पण महोत्सव में भक्ति और उल्लास का अद्भुत संगम देखने को मिला। कोलकाता से पधारे प्रख्यात भजन गायक सौरभ शर्मा और टाटानगर से आए सुरीले गायक अनुभव अग्रवाल ने अपने भजनों की मधुर प्रस्तुतियों से श्याम भक्तों को मंत्रमुग्ध कर दिया।कार्यक्रम की शुरूआत बाबा श्याम की भव्य पूजा अर्चना कर की गयी. इसके बाद सौरभ शर्मा और अनुभव अग्रवाल ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति देकर समां बांध दिया। श्खाटू वाला श्याम प्यारा हैश और श्मेरे श्याम तेरी महिमा न्यारीश जैसे भजनों पर भक्तों ने झूम-झूमकर नृत्य किया।श्री श्याम समर्पण महोत्सव में शहर और आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। दरबार की सजावट, दीपमालाओं और पुष्पों से सजी हुई थी, जो पूरे वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर रही थी।भजनों के दौरान पूरा पंडाल 'जय श्री श्याम' के जयकारों से गूंज उठा। भक्तगण पूरी श्रद्धा के साथ भगवान श्री श्याम की भक्ति में लीन होकर झूमते नजर आए। इस अद्भुत आयोजन में महिलाओं और बच्चों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया।महोत्सव के आयोजक श्री श्याम टाबरिया ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य भक्ति और श्रद्धा के माध्यम से समाज को जोड़ना और भगवान श्री श्याम की कृपा प्राप्त करना है। उन्होंने सभी भक्तों का धन्यवाद करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम हर साल इसी उमंग और उत्साह के साथ आयोजित किया जाएगा।

दारू के जंगलों में लकड़ी माफियाओं का दबदबा

दारू। सरकार एक ओर जल, जंगल और जमीन की सुरक्षा की बात करती है, वहीं दूसरी ओर दारू पूर्वी वनप्रमंडल के जंगलों में लकड़ी माफियाओं का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा। हर दिन बहुमूल्य सखुआ के पेड़ों की अवैध कटाई हो रही है, और यह खेल प्रशासन की नाक के नीचे जारी है। दारू से महज 4 किलोमीटर दूर गड़या पुल से सटे जंगलों में सखुआ के पेड़ों की अवैध कटाई का सिलसिला लगातार जारी है। लकड़ी माफियाओं द्वारा बड़े पैमाने पर जंगलों को उजाड़ा जा रहा है, लेकिन वन विभाग की ओर से कोई ठोस कार्रवाई देखने को नहीं मिल रही है।स्थानीय लोगों का आरोप है कि इस अवैध कारोबार में कुछ अधिकारियों की मिलीभगत भी हो सकती है। सवाल उठता है कि आखिर वन विभाग के कर्मचारी और अधिकारी कहां हैं? क्यों लगातार पेड़ों की कटाई जा रही है? आखिर कौन दे रहा है लकड़ी माफियाओं को संरक्षण? प्रशासन की चुप्पी और माफियाओं का बढ़ता मनोबल क्षेत्र के जंगलों को तेजी से खत्म कर रहा है। अगर जल्द ही ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले समय में पर्यावरण पर गंभीर खतरा मंडरा सकता है।

पत्रकारों ने किया मुखियाओं को सम्मानित

इचाक। इचाक से खबर मंत्र के पत्रकार सकेन्द्र प्रसाद मेहता के अलौंजा खुर्द पंचायत ,आज अखबार के पत्रकार अशोक राम के हदारी, और डाढ़ीघागर मुखिया नंदकिशोर कुमार के सम्मान में समारोह आयोजित की गई जिसकी अध्यक्षता पत्रकार संघ के अध्यक्ष अनिल कुमार और संचालन महेश कुमार ने किया मौके पर तीनों पंचायत के मुखिया को गुलदस्ता से सम्मानित कर क्षेत्र में विकास की गति को आगे बढ़ाने के लिए प्रशंसा की गई । सकेन्द्र प्रसाद मेहता वर्तमान में अलौंजा खुर्द पंचायत के मुखिया के साथ प्रखंड मुखिया संघ के अध्यक्ष हैं। जिन्होंने ढाई वर्ष कार्यकाल में अलौंजा को आदर्श पंचायत घोषित करा कर एक सफल मुखिया का परिचय दियें है।डाढी घाघर मुखिया नंदकिशोर कुमार जिला मुखिया संघ के सचिव पद पर कार्य करते हुए। पंचायत को आदर्श घोषित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उनके प्रयास से कई बार कई प्रशासनिक अधिकारी पंचायत के दुर्गम टोलों में जाकर समस्याओं का राजा ले रहे हैं।मौके पर सचिव गणेश कुमार, संरक्षक अरुण वर्मा, कोषाअध्यक्ष रामावतार स्वर्णकार, कुलदीप कुमार ,श्याम देव मेहता, रंजीत कुमार मेहता, सुशांत सोनी, के अलावा अन्य शामिल थे।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने लिया सुशासन का संकल्प

बरही। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के अवसर पर भाजपा कार्यकताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए सुशासन और उनके पदचिन्हों पर चलने का संकल्प लिया। यह कार्यक्रम धनबाद रोड स्थित भगवती मंदिर के पास भाजपा कार्यालय में आयोजित किया गया। कार्यकर्ताओ ने वाजपेयी की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उनकी स्मृतियों को नमन किया। भाजपा कार्यकताओं ने अटल जी के व्यक्तित्व, उनके नेतृत्व क्षमता और कवि हृदय की चर्चा की। उनके द्वारा किए गए ऐतिहासिक कार्यों जैसे परमाणु परीक्षण, सड़क निर्माण परियोजनाओं और भारत को वैश्विक मंच पर एक सशक्त राष्ट्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में उनके प्रयासों की सराहना की गई। भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमेश ठाकुर ने अटल जी के योगदान को याद करते हुए कहा कि उन्होंने भारत को नई दिशा दी और उनके सुशासन के सिद्धांत आज भी प्रेरणादायक हैं। उन्होंने पार्टी कार्यकताओं को उनके आदर्शों पर चलने का आह्वान किया। जीप प्रतिनिधि गुरुदेव गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी का जीवन और विचार हर भारतीय के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं, उनका समर्पण और दूरदृष्टि हमें हमेशा मार्गदर्शन देते रहेंगे। मौके पर मंडल अध्यक्ष भगवान केसरी, मुखिया संघ अध्यक्ष सह भाजपा मंडल अध्यक्ष विजय यादव, जीप सदस्या प्रीति कुमारी, सहित अन्य भाजपाई मौजूद थे।

एनटीपीसी एनएमएल ने बांटा कंबल

बड़कागांव। एनटीपीसी पकरी बरवाडीह कोल माइंस के सौजन्य एवं आरएंडआर विभाग के अपर महाप्रबंधक प्रशांत सिंह के निर्देशन में एनएमएल एवं सीएसआर कार्यक्रम के तहत पोषक क्षेत्र के सिकरी गांव में मुखिया प्रभु महतो के हाथो 200 वृद्ध लोगों के बीच कंबल का वितरण किया गया। उपस्थित लोगों ने कंपनी के अधिकारियों से आग्रह करते हुए कहा कि इस प्रकार की सामुदायिक विकास के तहत इस गांव में अन्य कार्य भी किया जाय। चूंकि गांव में अनेकों समस्याएं भरी पड़ी है।

खैरा के सिझूआ झरना में मेले का उद्घाटन

टाटीझरिया । खैरा पंचायत अंतर्गत सिझूआ गांव स्थित सिझुआ झरना मेला का उद्घाटन 25 दिसंबर को खैरा पंचायत की स्थानीय मुखिया कुमारी माधुरी ,बरकट्ठा विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक सह झामुमो के वरिष्ठ नेता जानकी प्रसाद यादव ने किया। ग्रामीणों ने उक्त स्थल पर संथाली परम्पराओं के अनुसार संथाली भाषाओं में गीत गाते मांदर झाल के धूम पर थिरकते हुए। मेले का उद्घाटन कर रहे मुख्य अतिथियो का स्वागत फूलमाला पहना कर किया। मुखिया कुमारी माधुरी और झामुमो के वरिष्ठ नेता जानकी प्रसाद यादव ने मौजूद लोगों को अंग्रेजी साल के आगामी नव वर्ष 2025 की शुभकामनाएं देकर बधाई संदेश दिया ।

राजधानी रांची में ही हैं कई बेहतरीन और खुबसूरत पिकनिक स्पॉट

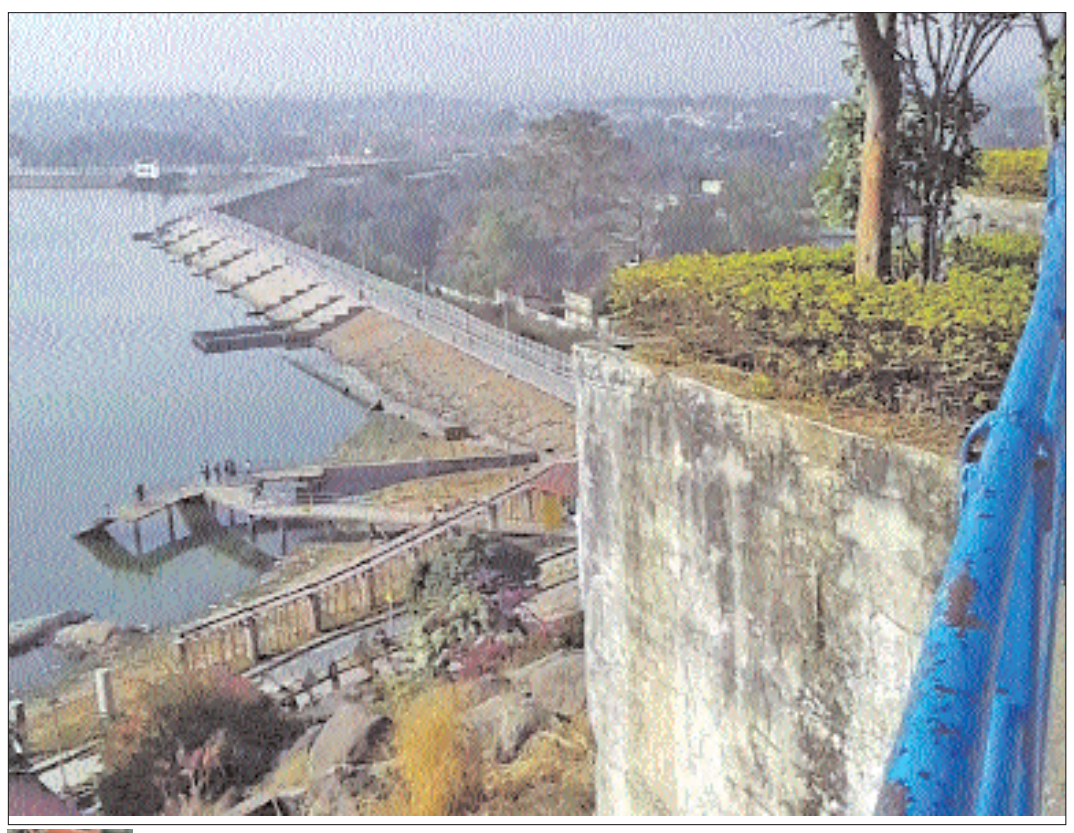

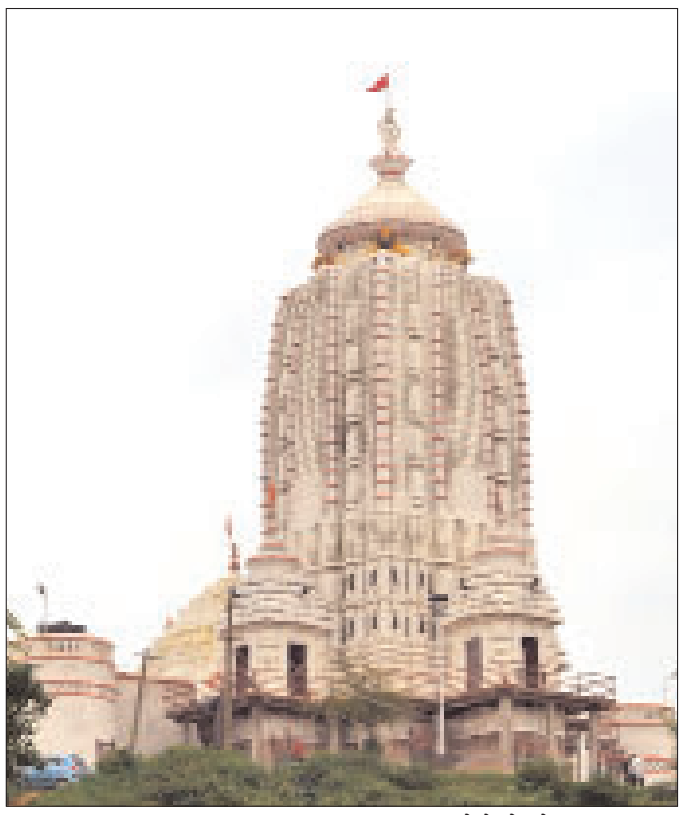

निधि सिंह

नया साल आने ही वाला है। पूरे जनवरी युवा पिकनिक पर जाते हैं ओर मौज मस्ती करते हैं। स्कूली बच्चों में न्यू ईयर को लेकर काफी उत्साह है। नये साल में स्कूली बच्चें पिकनिक मनाने के लिए राजधानी के विभिन्न पर्यटन स्थलों के लिए प्लानिंग शुरू कर दिये हैं। सुरक्षा को छात्र वर्ग काफी महत्व दे रहे हैं। यही वजह है कि विद्यार्थी घर से दूर पिकनिक मनाना नहीं चाहते है। अभिभावों की माने तो वे भी दूर जाना पसंद नहीं करते है। शहर के अंदर ही कई मनोरम पर्यटन स्थल है जो काफी नजदीक में हैं। राजधानी से 10 से 15 किलोमीटर के दायरे में तीन बड़े डैम कांके डैम, धुर्वा डैम एवं रुक्का डैम है। ये तीनों पिकनिक मनाने के लिए काफी बेहतर है। अभी इन डैमो में पानी लबालब भरा है। इसके किनारे वाले क्षेत्र काफी साफ सुथरा व सुंदर है।

शहर के अंदर है कई बेहतरीन पर्यटन स्थल

वहीं जगन्नाथ मंदिर धुर्वा भी पर्यटन के दृष्टिकोण से काफी महत्वपूर्ण है। मंदिर परिसर के किनारे का क्षेत्र में विशाल चप्तनें वृहत रूप में फैला हुआ है। सुरक्षा के लिहाज से काफी सुरक्षित है। यही वजह है कि यहां देर शाम में भी लोग घूमने आया करते है। मंदिर के ऊपर जाने पर राजधानी का पूरा नजारा एक हिल स्टेशन के समान प्रतीत होता है। कुछ ऐसा ही रॉक गार्डेन जाने पर प्रतीत होता है। वहां से कांके तथा मोरहाबादी की खूबसूरती स्पष्ट देखी जा सकती है। सामने में कांके डैम है जहां पर संध्या के वक्त सूर्य की रोशनी की छटा देखते बनती है।

राजधानी का सबसे प्रमुख स्थलों में एक पहाड़ी मंदिर है। साल के पहले दिन लोग यहां आकर पूजा अर्चना कर पूरे साल बेहतर होने की कामना करते है। भक्तों की यह अस्था भी रही है कि यहां विराजमान देवो के देव बाबा विश्वनाथ भक्तों पर कृपा बनाये रखते है। यहां से रातू, नगड़ी की नजारा बेहद की आकर्षक है। मोरहाबादी स्थित टेगौर हिल इन दिनों युवाओं के लिए बेहतर स्थानों में एक है। जहां युवक एवं युवतियां आकर बेहतर महसूस करते है। यह अंग्रेजो के जमाने में निर्मित किया गया था। इसके उपरी शिखर पर मंदिर नुमा आकृति के रुप में बनी है जहां पर बैठक पर ताजे हवां का आनंद लिया जाता है।

झारखंड के घने जंगलों में बहुत से जीव-जंतु देखने को मिलते है

झारखंड राज्य के प्राणी उद्यान और राष्ट्रीय उद्यानों पर्यटकों का मन आर्किषत कर देते है, यहां घने जंगलों में बहुत से जिव-जंतु देखने को मिलते है, यहां मुख्य रूप से एशियाई हाथी और बाघों की संख्या देखी जाती है,

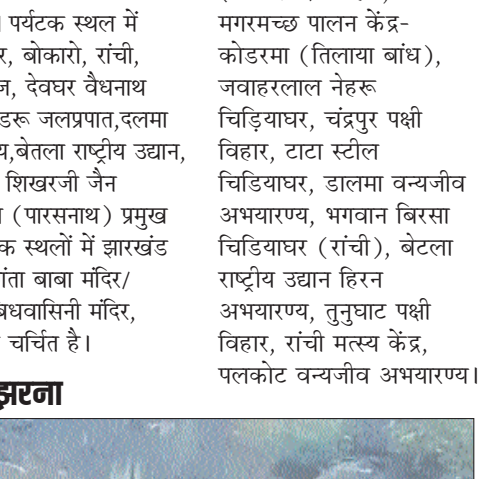

झारखंड में शैल चित्र व गुफा बहुत पुराने मिलते हैं।

गोंडा हिल एंड रॉक गार्डन रांची में स्थित है, यहां का मछलीघर और मूटा मगरमच्छ प्रजनन केंद्र पर्यटकों को बहुत आर्किषत करता है। जुबली पार्क टाटा स्टील ने अपने 50 वर्ष पूरे होने पर बनवाकर तोहफे के रूप में भेट किया था। टैगोर हिल राजधानी रांची शहर में स्थित है, इस चोटी के ऊपर एक घर है जहां रविन्द्रनाथ अपनी कविता लिखा करते थे। पर्यटक स्थल में जमशेदपुर, बोकारो, रांची, साहिबगंज, देवघर वैधनाथ मंदिर, हुंडरू जलप्रपात,दलमा अभ्यारण्य,बेतला राष्ट्रीय उद्यान, श्री समेद शिखरजी जैन तीर्थस्थल (पारसनाथ) प्रमुख हैं। धार्मिक स्थलों में झारखंड धाम, लगंता बाबा मंदिर/ मजार, बिधवासिनी मंदिर, मसनजोर चर्चित है।

झील-झरना

हुंडरू जलप्रपात, पठारा झील, तातेलाई गर्म पानी झरना (दुमका) रांची फॉल, दासम फॉल, डिमना झील, दशम झरना , जोन्हा झरना, लोध जलप्रपात, हजारीबाग झील, सदनी जलप्रपात, हिरणी जलप्रपात

उद्यान(पार्क)

बेतला राष्ट्रीय उद्यान (पलामू), हजारीबाग राष्ट्रीय उद्यान,

अभयारण्य

हजारीबाग वन्यजीव अभयारण्य, दलमा अभ्यारण्य, इचागढ.पक्षी विहार, चाचरो मगरमच्छ पालन केंद्र-कोडरमा (तिलाया बांध), जवाहरलाल नेहरू चिड़ियाघर, चंद्रपुर पक्षी विहार, टाटा स्टील चिडियाघर, डालमा वन्यजीव अभयारण्य, भगवान बिरसा चिडियाघर (रांची), बेटला राष्ट्रीय उद्यान हिरन अभयारण्य, तुनुघाट पक्षी विहार, रांची मत्स्य केंद्र, पलकोट वन्यजीव अभयारण्य।

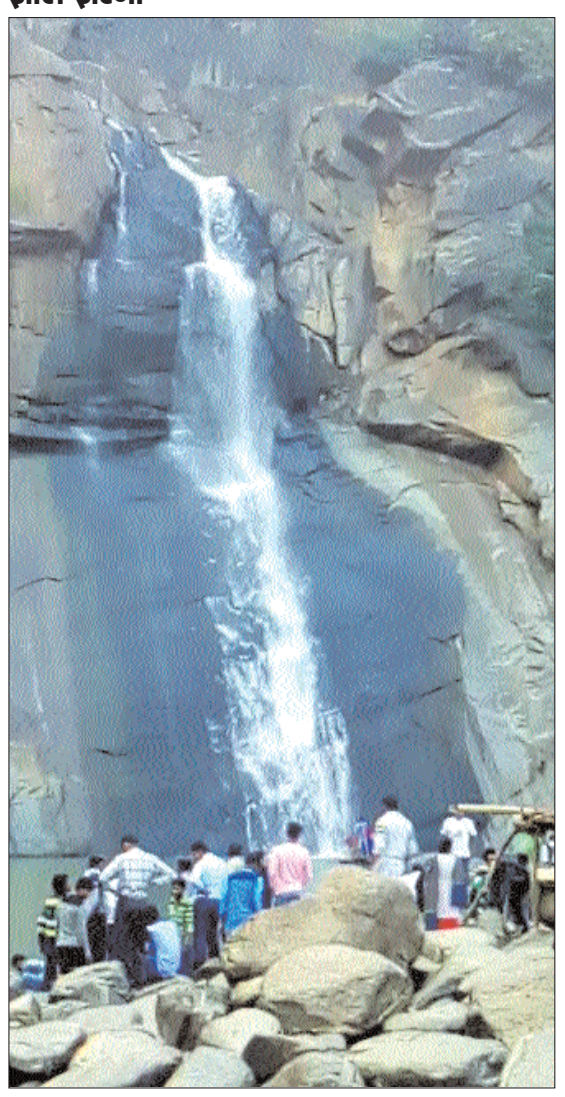

सूर्योदय-सूर्यास्त न देखा तो क्या देखा

मनोज शर्मा

छोटानागपुर की रानी के नाम से प्रसिद्ध नेतरहाट झारखंड की राजधानी रांची से 156 किमी पश्चिम में लातेहार जिले में स्थित है। समुद तल से 3700 फीट की उंचाई पर स्थित नेतरहाट में गर्मी के मौसम में पर्यटकों की भारी भीड़ रहती है। वैसे तो सालो भर यहां ढंड का मौसम बना रहता है। यहां का सूर्योदय और सूर्यास्त देखने के लिए भी लोग आते है। नेतरहाट स्थित मैगनोलिया सनसेट प्वाइंट से सूर्योदय और सूर्यास्त देखने के लिए हर साल हजारों पर्यटक नेतरहाट पहुंचते हैं। यहां आनेवाले लोगो यहां सूर्योदय और सूर्यास्त का नजारा देखे बिना नहीं जाना चाहते। घने जंगल के बीच बसे इस जगह की प्राकृतिक सुन्दरता देखते ही बनती है। यहां पर कई दर्शनीय झरने और पिकनिक स्पॉट भी हैं। हर साल नयेवर्ष के मौके पर यहां आनेवाले पर्यटकों की संख्या बढ़ती ही जाती है। प्रशासन भी पर्यटकों का पूरा ख्याल रखता है।

नेतरहाट झारखंड के लातेहार जिला में आता है। यह समुद्र सतह से 3622 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। रांची से यह करीब 150 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। प्रकृति ने इसे बहुत ही खूबसूरती से संवारा है। यहां घाघरी एवं लोअर घाघरी नमक दो छोटे-छोटे जलप्रपात भी हैं, जो प्रसिद्ध स्थल हैं। पर्यटक यहां आने पर प्रसिद्व नेतरहाट विद्यालय, लोध झरना, उपरी घाघरी झरना तथा निचली घाघरी झरना देखना नही भूलते है। झारखंड का दूसरा सबसे बड़ा फाल बरहा घाघ (466 फुट) नेतरहाट के पास ही है। नेतरहाट में वन विभाग की अनुमति के साथ शूटिग भी की जाती है। यहां कुछ भागों में बाघ बहुतों की संख्या में है। नेतरहाट के विकास के साथ यहां पर्यटक, शिकारी काफी आर्किषत हो रहे हैं। नेतरहाट एक बहुत महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल है।

नेतरहाट विद्यालय

प्रसिद्ध नेतरहाट विद्यालय की स्थापना नवंबर 1954 में हुई थी। राज्य सरकार द्वारा स्थापित और गुरुकुल की तर्ज पर बने इस स्कूल में अभी भी प्रतियोगिता परीक्षा के आधार पर नामांकन होता है। यहां के अनेक छात्र ने हरेक क्षेत्र में इस विद्यालय का नाम रोशन किया है। अभी भी छात्र के आय के हिसाब से ही इस विद्यालय में फीस ली जाती है। हिन्दी माध्यम के इस विद्यालय में अग्रेंजी और संस्कृत भी पढाया जाता है।

उपरी घाघरी झरना

नेतरहाट से 4 किमी दूर यह जगह प्रसिद्व पिकनिक स्थल के रूप में जाना जाता है। यहां की प्राकृतिक सुंदरता के बीच पिकनिक मनाने का अपना अलग ही मजा है।

निचली घाघरी झरना

यहां से 10 किमी की दूरी पर घने जंगलों के बीच से गुजरती इस झरने की सुन्दरता देखते ही बनती है। 32 फीट की उंचाई से गिरते हुए इस झरने को देखने हजारों की संख्या पर्यटक गर्मी के दिनों में यहां आते है। यहां के आस-पास के जंगल इतने घने है कि सूर्य की किरणें भी इसको पार नही कर पाती है।

लोध झरना

नेतरहाट से 60 किमी दूर स्थित यह झरना बुरहा नदी के पास स्थित है। 468 की उंचाई पर स्थित यह झरना झारखंड का सबसे उंचा झरना माना जाता है। कहा जाता है कि इस झरने की गिरने की आवाज आस-पास के 10 किमी दूर तक सुनाई देती है।

चीड़ वन

नेतरहाट में चीड़ वन के बीच एक अभयारण्य है जो लोगों को इस भाग में आने के लिए उत्साहित करता है।

नेतरहाट

कुछ समय पहले तक राज्यपाल इसे गर्मियों के स्थायी स्टेशन के रूप में इस्तेमाल किया करते थे। नेतरहाट का तापमान रांची की तुलना में पूरे वर्ष अच्छा रहता है। यह कहा जा सकता है कि यह स्थान पूरे झारखंड राज्य में सबसे ठंडा है। इस स्थान में की कृषि फार्म भी हैं।

रांची से नेतरहाट के लिए प्रतिदिन बस सुविधा उपलब्ध है। रांची से रोजाना नेतरहाट के बस सेवा उपलब्ध है। नेतरहाट की जलवायु जुलाई और अगस्त में बहुत अच्छी रहती है ओर नम नहीं होती हैं। गर्मियों में नेतरहाट की जलवायु बहुत ठंड रहती है। यह पठार जंगलों से घिरा हुआ है और यहां 60 इंच से अधिक वर्षा प्रति वर्ष नहीं होती है। यहां के जंगलों में पाइन के पेड़ हैं। नासपाती और आडू के फल भी मिलते हैं, जो कुछ छोटे होते हैं। यहां कई फूलों के पेड़ हैं विशेष रूप से कचनार और कैसिया प्रजाति के। सीजनल फूलों को पूरे वर्ष विकसित किया जा सकता है। नदियों की मुख्य धारा उत्तर से दक्षिण की ओर सोन नदी की ओर है, जो सीमा के उत्तरी भाग के जिलों में है। प्रमुख नदी कोयल और उसकी सहायक नदियां औरंगा और अमानत है। इनमे कई छोटी शाखाएं भी हैं, जिनमें से अधिकांश हैं जो केवल पहाड़ ओर पत्थरों के बीच से गुजरती हैं।

एक झलक

- **क्षेत्रफल:** 2479 वर्ग कि.मी.
- **आबादी:** 93.3113
- **अनुसूचित जाति:** 12.76%
- **अनुसूचित जनजाति:** 12.4%
- **पिछड़ा वर्ग:** 47.24%
- **अल्पसंख्यक :** 19.1718.21%
- **लिंग अनुपात :** 911
- **प्रमण्डल:** पलामू प्रमण्डल

(पत्रकारिता विभाग रांची विवि)

स्पीड न्यूज

पहला अंतर्राष्ट्रीय आदिवासी लघु फिल्म महोत्सव 29 को

जमशेदपुर। जाहेर थान कमिटी द्वारा 27 से 29 दिसंबर तक पहला अंतर्राष्ट्रीय आदिवासी लघु फिल्म महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। फिल्म स्क्रीनिंग 27 से 29 दिसंबर तक किया जायेगा। समापन दिवस को का दिन रंगारंग कार्यक्रम के साथ पुरस्कार वितरण संपन्न किया जायेगा। पुरस्कार कुल 7 कैटेगरी में प्रदान किया जाएगा। जो इस प्रकार है - सर्वश्रेष्ठ निर्देशक, सर्वश्रेष्ठ नायक/नायिका, सर्वश्रेष्ठ छायांकन, सर्वश्रेष्ठ कहानीकार, सर्वश्रेष्ठ लघु फिल्म, सर्वश्रेष्ठ वृत्तचित्र फिल्म। इसके साथ 27 से 31 दिसंबर तक आदिवासी पुस्तक मेला का भी आयोजन किया जाना है।

नववर्ष पर सड़क दुर्घटना रोकने को लेकर बैठक

गम्हरिया। नववर्ष के आगमन के मद्देनजर सड़क दुर्घटनाओं को रोकने और विधि व्यवस्था संधारण को लेकर गम्हरिया अंचल कार्यालय में एक बैठक का आयोजन किया गया। मौके पर सरायकेला एसडीओ सदानंद महतो ने बताया कि आदित्यपुर से कांड्रा तक विगत कुछ दिनों से काफी सड़क दुर्घटनाएं होती रही है। नववर्ष पर सड़क दुर्घटनाओं की संख्या में वृद्धि होती है। इसके लिए विधि व्यवस्था को दुरुस्त रखने की जरूरत है। मौके पर प्रशिक्षु आईएएस कुमार रजत, एसडीपीओ समीर सवैया, गम्हरिया थाना के एसआई सुनील सिंह, आदित्यपुर थाना प्रभारी राजीव सिंह, सीओ अरविंद बेदिया समेत टाटा स्टील के कई पदाधिकारी उपस्थित थे।

श्रममंत्री से मिले टाटा मोटर्स यूनियन के अध्यक्ष व महामंत्री

जमशेदपुर। टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन के अध्यक्ष गुरमीत सिंह एवं महामंत्री आरके सिंह बुधवार को झारखंड सरकार के नव मनोनीत श्रममंत्री संजय यादव से परिसदन में मुलाकात किये एवं जमशेदपुर आगमन पर फूलों का गुलदस्ता भेंटकर उनका स्वागत किये। इस मुलाकात के दौरान मजदूर संगठन एवं विभिन्न मुद्दों पर यूनियन नेताओं ने उनसे चर्चा की।

भाटिन में रेडक्रॉस और यूसील का नेत्र शिविर

जमशेदपुर। भारतीय रेड क्रॉस सोसाईटी, पूर्वी सिंहभूम के सहयोग से भारत सरकार के उपक्रम यूरेनियम कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के सीएसआर कार्यक्रम के तहत आयोजित इस महीना का तीसरा स्वास्थ्य एवं नेत्र जांच शिविर का आयोजन भाटिन स्थित लुगु मुर्मू ट्राईबल रेसिडेंशियल स्कूल में हुआ।

संस्थापक
स्व. डॉ अभय कुमार सिंह
स्वामित्व वृन्दा मीडिया पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक, प्रकाशक
मंजू सिंह
द्वारा चिरौंदी, बोड़ेया रोड, रांची (झारखंड) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
संपादक
अविनाश ठाकुर*
फोन : 95708-48433
पिनः -834006
e-mail
khabarmantra.city@gmail.com
R.N.I No.
JHAHIN/2013/51797
*पीआरबी एक्ट के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी। प्रकाशित खबरों से संबंधित किसी भी विवाद का निपटारा रांची न्यायालय में ही होगा।

बेड़ो के पिकनिक स्पॉट नववर्ष में सैलानियों के स्वागत को तैयार

खबर मन्त्र संवाददाता

बेड़ो। बेड़ो प्रखंड के पिकनिक स्पॉट नववर्ष में सैलानियों के स्वागत के लिए तैयार है। प्रखंड के प्रकृति की खूबसूरत वादियां पहाड़ जंगलों से भरी मन लुभाती मनोरम दृश्य डैम नये वर्ष मनाने वालों के लिए पूरी तरह तैयार है। नव वर्ष के आगमन में अब महज छह दिन शेष है। नववर्ष के मौके पर पिकनिक मनाने को लेकर सभी आयु वर्ग के लोगों में काफी उत्साह का माहौल होता है। प्रखंड क्षेत्र में पिकनिक मनाने के लिए कई पिकनिक स्पॉट है। जिनमें बेड़ो प्रखंड मुख्यालय से सबसे कम दूरी पर करांजी डैम है। जामटोली गांव का पद्मश्री सिमोन बाबा का बांध व पारस डैम प्रमुख है। जो प्रकृति के मनमोहक दृश्य से भरा है।यहां तक आने के लिए लोग निजी वाहन से आ सकते है। रांची से लगभग 50 किलोमीटर दूर है। जहां नये वर्ष के स्वागत में लोग जुट गये हैं। पर्यटन स्थलों में जाकर नये वर्ष का स्वागत लोग पिकनिक मना कर करना चाहते हैं। यहां के पिकनिक स्पॉट एक ओर घनी जंगलों एवं उसकी गोद में स्थापित डैम प्रकृति की सुंदरता में चार चांद लगाती है। इस स्थल की सुंदरता देखते ही बनती है। जहां लोग वनभोज का भी आनंद उठाते हैं। यहां की प्राकृतिक छटा देख कर लोग हर्षित होते हैं। लोग नये वर्ष पर यहां परिवार के साथ पहुंचते हैं और वक्त गुजारते है और पिकनिक मनाते हैं।

पारस डैम में पिकनिक मनाते।

करांजी डैम का खूबसूरत दृश्य।

बेड़ो में तुलसी पूजन का आयोजन

बेड़ो। एकल अभियान बेड़ो संच के आचार्यों ने बुधवार को बच्चों संग मिलकर मनाया तुलसी पूजन दिवस। बच्चों ने तुलसी माता को जल अर्पित किया। साथ ही परिक्रमा करते हुए पर्यावरण संरक्षण हेतु अधिक से अधिक तुलसी पौधा लगाने का संकल्प लिया। एकल अभियान विद्यालय मुडामु में सुषमा देवी, कुदारखो में रूप रानी देवी,पांडेपारा में बुद्धमनी उरांव,पुरियो में मुन्नी उरांव व खत्री खटंगा में रीता देवी ने पूजन कराया। मौके पर दर्जनों श्रद्धालु मौजूद थे। यह जानकारी एकल अभियान संच अध्यक्ष डॉ रमेश प्रसाद गुप्ता ने दी है।

बेड़ो तुलसी पूजन करते आचार्य।

तुलसी पूजन के दौरान मौजूद बच्चे व आचार्य।

राय फुटबॉल मैदान में स्टेडियम का निर्माण शीघ्र कराया जायेगा: सुरेश बैठा

- मुख्य शहीद बिरसा मुंडा स्मारक फुटबाल प्रतियोगिता के विजेताओं को कांके विधायक ने किया पुरस्कृत

खबर मन्त्र संवाददाता

खलारी। खलारी प्रखंड के राय (खलारी) में आयोजित 20वीं शहीद बिरसा मुंडा स्मारक फुटबॉल प्रतियोगिता बुधवार को समापन हो गया। यहां पांच दिवसीय ऐतिहासिक फुटबॉल प्रतियोगिता क्षेत्रीय खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी। बुधवार को इस प्रतियोगिता के समापन के मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में कांके विधानसभा के विधायक सुरेश बैठा के अलावे अब्दुल अंसारी पुर्व जिला परिषद खलारी, नागेश्वर महतो रांची जिला उपाध्यक्ष आजसू पार्टी, ऐतवार महतो पुर्व प्रमुख खलारी, जगरनाथ महतो केंद्रीय उपाध्यक्ष कुरमी विकास मोर्चा, मुखिया राय पंचायत शीला देवी, सुनिल सिंह, सोनू पांडे, राजेश महतो, शंकर सिंह, उदय सिंह, सोहराय महतो, सोखी महतो अतिथि के तौर पर उपस्थित थे। पहला सेमीफाइनल मुकाबला मांडर बनाम सोसो रांची के बीच खेला गया जिसमें प्लेंटी शूटआउट में सो सो की टीम चार-पांच से विजय हुए दूसरा मुकाबला लाल बादशाह बनाम बमने के बीच खेला गया जिसमें प्लेंटी शूटआउट में तीन चार से विजय हुए बमने की टीम फाइनल मुकाबला सोसो बनाम बमने के बीच खेला गया जिसमें प्लेंटी शूटआउट में पांच तीन से विजय हुए और फाइनल मुकाबला जीत लिया विधायक श्री बैठा ने बोला कि जल्द से जल्द राय फुटबॉल मैदान में स्टेडियम का निर्माण कराया जाएगा ।आयोजन समिति के प्रदीप उरांव, दीपक कुमार महतो, सोनू कुमार संतोष कुमार, महतो, रामकुमार भुईयां, राजेश महतो, विजय महतो, राजा खान, राजू खान, रुपेश महतो, संदीप कुमार, दीपक उरांव, सुजीत कुमार मुख्य रूप से उपस्थित थे।

विजेता को पुरस्कृत करते कांके के विधायक सुरेश बैठा।

शिव मंदिर संचालन समिति का पुनर्गठन

खबर मन्त्र संवाददाता

- महेश महतो अध्यक्ष और संजय सिंह बने सचिव
- सुनिल प्रसाद बनाये गये उपाध्यक्ष
- नरेश साहू को कोष की जिम्मेवारी

रातू। प्रखंड मुख्यालय स्थित पावर हाउस शिव मंदिर संचालन समिति की बैठक बुधवार को हुयी। इसमें सचिव सुनील सिंह के आकस्मिक निधर पर शोक व्यक्त किया गया और उन्हें श्रद्धांजलि दी गयी। इसके उपरांत, सर्वसमिति से कमेटी का पुनर्गठन किया गया। इसमें महेश महतो अध्यक्ष, सुनील प्रसाद उपाध्यक्ष, संजय सिंह सचिव, बिंदेश्वरी पाठक उप सचिव, रामनरेश प्रसाद साहू कोषाध्यक्ष, सोनू अग्रवाल अमित चौबे व राजेश सिंह उप कोषाध्यक्ष, सीके पांडेय व हर्षवर्धन नाथ शाहदेव मुख्य सलाहकार, चंद्रशेखर सिंह कानूनी सलाहकार, सर्वेश सिंह दानपेटी संरक्षक, आरआर वर्मा, बी ठाकुर, पी सिंह व के तिवारी मीडिया प्रभारी, जितेंद्र शर्मा, प्रदीप पटेल, गिरिधारी अग्रवाल, दीपक श्रीवास्तव, षिकेश कुमार सिंह, मनोज कुमार, राजेंद्र सिंह व संजय गुप्ता व्यवस्थापक चुने गये। इसके अलावा कार्यकारिणी के 14 और संरक्षक मंडली के 25 लोगों का भी चयन किया गया। मौके पर बड़ी संख्या में समिति के सदस्य मौजूद थे।

अंबेडकर विचार मंच व आदिवासी संघर्ष के बैनर तले मनुस्मृति का दहन किया गया

मनुस्मृति दहन करते लोग।

खबर मन्त्र संवाददात

राहे। मनुस्मृति दहन दिवस पर राहे में अंबेडकर विचार मंच व आदिवासी संघर्ष के बैनर तले मनुस्मृति का दहन किया गया। आदिवासी संघर्ष मोर्चा के नेता संतोष मुण्डा ने कहा आज ही के दिन 25 दिसंबर 1927 को डॉ. भीम राव अंबेडकर महाड़ सत्याग्रह के दौरान जातिय भेदभाव, ब्रह्मण वर्चस्ववादी व महिला गुलामी के प्रतिक मनुस्मृति का प्रतिकात्मक रूप से दहन का विरोध जताया था। और 2014 के बाद संसदीय रास्ते से सत्ता में आई भाजपा लगातार संविधान पर हमले चला रही है। राजशाही के प्रतिक राजदंड सेंगोल के साथ नए संसद भवन का उद्घाटन और उसी संसद में केंद्रिय गृहमंत्री का बाबा साहब डॉ भीमराव आंबेडकर पर अपमानजनक टिप्पणी उसी कड़ी का हिस्सा है। अंबेडकर का संविधान न्याय, बराबरी व समानता का प्रतिक है जबकि मनुस्मृति इंसान को वर्णव्यवस्था में बांटकर शूद्रो के सारे अधिकार से वंचित कर गुलामी का प्रतिक है। इनके हिडेन एजेंडा मनुस्मृति को पुर्नस्थापित करने की साजिश देश के बहुजन व लोकतंत्र-संविधान पसंद नागरिक किसी भी कीमत पर पूरा होने नहीं देंगे। कार्यक्रम में अंबेडकर विचार मंच से दामोदर प्रजापति, रामकृष्ण बैठा, पप्पु बैठा, संतोष बैठा, मंगला चरण उरांव, मंगल मुण्डा, योगेश बैठा, राजेश बैठा, मुकेश बैठा और आदिवासी संघर्ष मोर्चा से गौतम मुंडा,सुखेदेव मुंडा, रामेश्वर मुंडा, डोमन मुंडा, योगेश्वर मुंडा, राजू मुंडा, पंकज मुंडा, विष्णुचरण मुंडा, जगरनाथ मुंडा मौजूद थे।

इटकी में क्रिसमस उल्लासपूर्ण माहौल में मनाया गया

खबर मन्त्र संवाददाता

इटकी। इटकी प्रखंड क्षेत्र में बुधवार को क्रिसमस का त्यौहार उल्लासपूर्ण माहौल में मनाया गया। मौके पर चर्च में विरोष अराधना सभा हुई। साथ ही क्रिसमस मिलन समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य सीएनआई चर्च में आयोजित आराधना सभा में पादरी रेव. एन कंडुलना ने अपने संदेश में कहा कि क्रिसमस शांति और प्रेम का संदेश देता है। मानवता की सेवा और मनुष्यों से प्रेम करना ही मसीहियों की पहचान है। आराधना सभा मे सैकड़ों मसीहियों ने भाग लिया। इसके बाद लोगों ने एक दुसरे को क्रिसमस की बधाई देते हुए नव वर्ष की शुभकामनाएं दी। चर्च परिसर में पेंशनर समाज व इटकी बुद्धिजीवी मंच द्वारा आयोजित स्वागत सेवा शिविर व मिलन समारोह में एक दूसरे को त्यौहार की बधाइयां दी गयी। मौके पर सहायक पादरी रेव जे तिर्की, सचिव ब्रिजिट मिंज, रवि बेल्स कुजूर, निशित तिग्गा, अजीत केशरी, देवेंद्र महतो, मेर्खा किंडो, रोजलीन, चंद्रकांत महतो, हेमसीता मिंज, इसहाक कुजूर, विनय कोंगाड़ी, संजय महतो सहित सैकड़ों मसीही परिवार शामिल थे।

प्रार्थना सभा में शामिल ईसाई समुदाय के लोग।

बुद्धिजीवी मंच के शिविर में शामिल लोग।

पूर्व पीएम स्व. वाजपेयी की जयंती सुशासन दिवस के रूप में मनायी

इटकी। भाजपा इटकी मंडल ने बुधवार को जगन्नाथ मंदिर प्रांगण में पूर्व प्रधानमंत्री स्व अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती सुशासन दिवस के रूप में मनाया। मौके पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धाजंलि दी गयी। कार्यक्रम में वक्ताओं ने स्व वाजपेयी की जीवनी पर प्रकाश डाला और उनके उपलब्धियों का व्याख्यान किया गया। साथ ही उनके बताए रास्ते पर चलने का आह्वान किया गया। मौके प्रखंड संयोजक कृष्णा राम तिवारी, लाल रामेश्वर नाथ शाहदेव वासु गोप, नंदलाल महतो, वासुदेव गोप, उदयकिसन तिर्की, आदित्य तिर्की, पंचम महतो, सुंदर श्याम तिवारी, विश्राम भगत शामिल थे।

अलग झारखंड के सूत्रधार थे वाजपेयी : चंपई सोरेन

जमशेदपुर। भारतीय जनता पार्टी जमशेदपुर महानगर ने देश के पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी की 100वीं जयंती को सुशासन दिवस के रूप में श्रद्धापूर्वक मनाया। बुधवार को जिलाध्यक्ष सुधांशु ओझा की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और सरायकेला के विधायक चंपई सोरेन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इससे पहले, कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ अटल जी के चित्र पर पुष्पांजलि और दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इस दौरान अतिथियों और कार्यकर्ताओं ने अटल जी के योगदान, उनके विचारों और उनकी महान नेतृत्व क्षमता को स्मरण कर नमन किया। चंपई ने कहा कि झारखंड का निर्माण अटल जी की दूरदृष्टि और संकल्प का परिणाम है। वर्ष 1999 में दुमका में आयोजित जनसभा में उन्होंने वादा किया था कि झारखंड को अलग राज्य का दर्जा मिलेगा। केंद्र में सरकार बनते ही उन्होंने अपना वादा पूरा किया और झारखंड को अलग राज्य के रूप में स्थापित किया। कार्यक्रम को भाजपा जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष सुधांशु ओझा समेत कई नेताओं ने संबोधित किया।

शहीद निर्मल महतो की जयंती पर मंत्री रामदास सोरेन समेत विभिन्न नेताओं ने दी पुष्पांजलि

जमशेदपुर। शहीद निर्मल महतो की 74 वीं जयंती पर उनके चमड़िया गेस्ट हाउस स्थित शहादत स्थल और उलियान स्थित समाधि स्थल पर मंत्री रामदास सोरेन समेत विभिन्न दलों के नेताओं ने पुष्पांजलि दी और नमन किया। उलियान समाधि स्थल पर विधायक सबिता महतो अपने परिजनों के साथ निर्मल दा की समाधि और शहादत स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित की। झामुमो विधायक मंगल कालिंदी और भाजपा सांसद बिद्युतबरण महतो अपने समर्थकों संग निर्मल दा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। कांग्रेस समेत अन्य नेताओं ने भी शहीद निर्मल महतो की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

सांता क्लॉज बने पप्पू सरदार, स्वच्छता का संदेश के साथ किया उपहार वितरण

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। क्रिसमस के शुभ अवसर पर मंगलवार की देर रात और बुधवार की सुबह सिनेतारिका माधुरी दीक्षित के प्रशंसक शहर के चर्चित पप्पू सरदार ने सांता क्लॉज बनकर स्कूटी से शहर का भ्रमण किया। उन्होंने पर्यावरण को स्वच्छ रखने और एक.दूसरे के प्रति दया और सहानुभूति दिखाने का संदेश किया। उन्होंने लोगों को बताया कि स्वच्छता न केवल हमारे स्वास्थ्य के लिए बल्कि पर्यावरण संरक्षण के लिए भी महत्वपूर्ण है। इसके लिए पप्पू सरदार ने अपनी स्कूटी को भी काफी आकर्षक ढंग से सजाया था। पप्पू सरदार ने जुबली पार्क, लोयला स्कूल, बेल्डीह चर्च, गोलमुरी चर्च, जमशेदपुर अक्षेस कार्यालय के पास, बसंत सिनेमा चौक, साकची गोलचक्कर, पलंग मार्केट मोड़, साकची एवं बिष्टुपुर मेन रोड़ में सांता क्लॉज बनकर लोगों के बीच कई प्रकार के उपहार बांटे। सांता क्लॉज के हाथों से उपहार पाकर बच्चों से लेकर बुजूर्ग तक बहुत खुश हुए। सांता क्लॉज बने पप्पू सरदार के एक हाथ में घंटी थी।

सांता के रूप में उपहार बांटते पप्पू सरदार।

अग्रवाल सम्मेलन के जिलाध्यक्ष को मिली जान से मारने की धमकी, सुरक्षा की गुहार

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। पूर्वी सिंहभूम जिला अग्रवाल सम्मेलन के नवनियुक्त अध्यक्ष सुशील अग्रवाल को जान से मारने की धमकी मिलने के बाद उन्होंने सीतारामडेरा थाने में शिकायत दर्ज कराई है। उनका मानना है कि यह धमकी उनकी नियुक्ति को लेकर सामुदायिक विवाद से जुड़ी है। अग्रवाल ने बताया कि उन्हें अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा 18 नवंबर 2024 को जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। इसके बाद से ही उन्हें धमकियां मिल रही हैं।

बताया कि पहली धमकी 15 दिसंबर को दोपहर 3.30 बजे मोबाइल नंबर 9534028090 से और दूसरी धमकी 22 दिसंबर को रात 10.30 बजे नंबर 6299104412 से आयी। अग्रवाल ने कहा कि मैं और मेरा परिवार बेहद डरे हुए हैं। मानसिक रूप से परेशान हूं और हमें अपनी सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता है। उन्होंने सीतारामडेरा पुलिस से अपने परिवार और व्यवसाय की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की है।

सुनील गुलिहार लिखित पुस्तक वृहद छोटा नागपुर के आदि-बुनियाद का लोकार्पण

कुड़मी समाज को जगाने का सराहनीय प्रयास : विद्युतवरण

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। सोनारी स्थित देवेंद्र सेवा संघ में शहर के प्रतिष्ठित अधिवक्ता सुनील कुमार गुलिआर द्वारा रचित 'वृहद छोटानागपुर के आदि-बुनियाद' नामक पुस्तक का लोकार्पण कार्यक्रम हुआ। इसमें झाड़खंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा आदि राज्यों से शिक्षित व गणमान्य लोग शामिल हुए। मंच संचालन का दायित्व गुणधाम मुतरुआर एवं मोहिनी मोहन महतो और स्वागत गीत महादेव डुमरिआर ने गाया।

इस पुस्तक समीक्षा अभिभाषण में चास कॉलेज चास के प्राचार्य भूतनाथ महतो ने कहा कि भौगोलिक दृष्टिकोण से वृहद छोटानागपुर के सभी लोग गोंडवाना पृष्ठभूमि के है और यहीं से कृषि सभ्यता का विकास हुआ है और इसमें विशेषकर कुड़मी समुदायों द्वारा प्रारंभिक योगदान रहा है।

कार्यक्रम के सभापति मुलखुंटी मुलमानता अजीत प्रसाद महतो ने कहा वृहद छोटानागपुर के आदिवासी, अनुसूचित जनजाति, 1941 की जनगणना में आदिवासियों को हिंदू बताने की साजिश, आदिवासी महासभा बनाम सनातन आदिवासी महासभा के बीच का वैचारिक संघर्ष, आदिवासी अर्थात सारना धर्म, लोकुर कमेटी, आदिम कुड़मी, राढ़ क्षेत्र के लिपि, झाड़खंडी संस्कृति आदि पर विशेष अध्ययन कर इस पुस्तक में लिपिबद्ध हुई है तथा सारगर्भित तथ्यों के लिए गुलिआर साहब की कृति तारीफें काबिले है।

मुख्य अतिथि सांसद ने कहा किताब हमारे समाज का हरेक समस्याओं को सही दिशा निर्देश करने में सहयोग करती है। जैक के सदस्य व प्राचार्य अरुण कुमार महतो, रांची हाई कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता हरेन महतो, पूर्व सांसद शैलेन्द्र महतो आदि मौजूद थे।

सुनील गुलिहार की पुस्तक का विमोचन करते जमशेदपुर के सांसद विद्युतवरण महतो, पूर्व सांसद शैलेंद्र महतो व अन्य।

जमशेदपुर में क्रिसमस की धूम

शहर में 100 वर्ष पुराने बेल्डीह बैप्टिस्ट चर्च में क्रिसमस की सुबह प्रार्थना सभा को संबोधित करते पास्टर मनोज चरण और संदेश सुनते मसीही।

लोयोला चर्च में प्रार्थना सभा में शिरकत करने जाते पादरीगण।

लोयोला चर्च में प्रार्थना करते मसीही समुदाय के लोग।

पिछली यादगार जीत को दोहराने मेलबर्न उतरेगी भारतीय टीम

मेलबर्न में दो स्पिनरों के साथ उतर सकता है भारत, खराब फॉर्म के बाद रोहित करेंगे ओपनिंग

- बॉक्सिंग डे टेस्ट के लिए 19 साल के सैम कोंस्टास को शामिल किया गया है, वह डेब्यू करेंगे
- उनके अलावा ट्रेविस हेड को भी टीम में शामिल किया गया है, वह पूरी तरह से फिट हैं
- शुभमन गिल के बैटिंग ऑर्डर में होगा बदलाव

एजेंसी

मेलबर्न। भारत और आस्ट्रेलिया की टीमें क्रिसमस सेलिब्रेशन के बाद गुरुवार को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के चौथे टेस्ट मैच में उतरेंगी। भारत का पिछले 10 वर्षों में इस मैदान पर रिकॉर्ड अच्छा रहा है जिसे देखते हुए भारतीय प्रशंसकों को रोहित शर्मा की अगुआई वाली टीम से काफी उम्मीदें होंगी। तीसरे टेस्ट के बाद ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था और खिलाड़ी इससे आगे बढ़ना चाहेंगे।

सीरीज में बढ़त हासिल करने उतरेगा भारत

भारत और आस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज फिलहाल 1-1 की बराबरी पर चल रही है और रोहित की सेना की नजरें बॉक्सिंग डे टेस्ट से सीरीज में बढ़त हासिल करने पर टिकी होंगी। भारत ने पहला मैच जीता था, जबकि आस्ट्रेलिया ने एडिलेड टेस्ट में वापसी की थी। गाबा टेस्ट बारिश से बाधित रहा था और लगातार खेल प्रभावित होने के चलते ड्रॉ पर समाप्त हुआ था।

डब्ल्यूटीसी फाइनल में किस तरह पहुंच सकता है भारत?

भारत के लिए मेलबर्न टेस्ट विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिहाज से भी महत्वपूर्ण है। डब्ल्यूटीसी 2023-25 चक्र के फाइनल में पहुंचने के लिए भारत को आस्ट्रेलिया के खिलाफ अगले दो मैचों में हार से बचना होगा। भारत शेष दो मैचों में एक ड्रॉ और एक जीत दर्ज कर सका तो भी उसकी उम्मीदें रहेंगी। गाबा टेस्ट ड्रॉ रहने के बाद अब भारत अधिकतम 138 अंक हासिल कर सकता है और उसकी पीसीटी 60.52 पहुंच सकती है अगर वह आस्ट्रेलिया के खिलाफ मेलबर्न और सिडनी टेस्ट में जीत दर्ज करने में सफल रहा। रोहित शर्मा की अगुआई वाली टीम अगर अगले दो मैच जीतने में सफल रही तो वह बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 3-1 से अपने नाम कर लेगी।

एमसीजी में भारत का पलड़ा भारी

मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में भारत का पलड़ा ऑस्ट्रेलिया पर भारी है। पिछले 10 वर्षों में टेस्ट में यह ग्राउंड भारत के लिए अजेय किला बना हुआ है। भारतीय टीम ने इस मैदान पर 2014 से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कुल तीन मुकाबले खेले हैं और उसे दो में जीत मिली है, जबकि एक मैच ड्रॉ रहा है। वहीं, पैट कमिंस की अगुआई वाली टीम पिछले 10 वर्षों में एमसीजी पर भारत के खिलाफ जीत दर्ज नहीं कर सकी है। यह आंकड़े भारत के लिए राहत देने वाले हैं क्योंकि टीम की नजरें बढ़त हासिल करने पर टिकी हुई हैं।

रोहित शर्मा ओपनिंग में उतरेंगे?

भारत के लिए कप्तान रोहित शर्मा की फॉर्म चिंता का सबब बन गई है। रोहित इस सीरीज में छठे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे हैं, लेकिन पिछले दोनों ही मैचों में बल्ले से प्रभावित नहीं कर सके हैं। इस सीरीज में अब तक उन्होंने चार पारियों में तीन, छह और 10 रन बनाए हैं। हैरानी की बात है कि उन्हें तीनों ही पारियों में तेज गेंदबाजों ने अपना शिकार बनाया है। भारतीय कप्तान पिछले कुछ वक्त से दाएं हाथ के तेज गेंदबाजों के खिलाफ संघर्ष करते दिख रहे हैं। आंकड़ों के मुताबिक, पिछली 12 पारियों में उन्होंने दाएं हाथ के तेज गेंदबाजों के खिलाफ सिर्फ 106 रन बनाए हैं। नौ बार वह आउट हुए हैं और उनका औसत 11.8 का रहा है। हैरानी की बात ये है कि टेस्ट क्रिकेट में उनका औसत साल दर साल गिरता जा रहा है। इस साल उन्होंने 26.39 के औसत से रन बनाए हैं। रोहित की जगह केएल राहुल यशस्वी जायसवाल के साथ ओपनिंग करने उतर रहे हैं। राहुल ने इस स्थान पर खुद को साबित भी किया है, इसके बावजूद कुछ पूर्व क्रिकेटरों का मानना है कि रोहित को ओपनिंग में वापसी करनी चाहिए।

जडेजा-सुंदर को मिल सकता है मौका

भारतीय टीम ने अब तक पहले तीन मुकाबलों में अलग-अलग स्पिनरों को मौका दिया है। पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट में वाशिंगटन सुंदर को मौका दिया था, जबकि एडिलेड में पिंक बॉल टेस्ट में रविचंद्रन अश्विन को प्लेइंग-11 में शामिल किया गया था। ब्रिसबेन में खेले गए तीसरे टेस्ट में अश्विन की जगह ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा को खिलाया गया और उन्होंने उस मैच में बल्ले से दम दिखाया। जडेजा ने पिछले मैच में जिस तरह का प्रदर्शन किया उससे उनका मेलबर्न टेस्ट में खेलना तय माना जा रहा है। वहीं, मेलबर्न में स्पिनरों को मदद मिल सकती है, ऐसे में टीम प्रबंधन जडेजा के अलावा सुंदर को भी प्लेइंग-11 में शामिल कर सकता है।

गिल को मिल सकता है आराम

रोहित ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बल्लेबाजी स्थान को लेकर भी पूछा गया था लेकिन उन्होंने संदेह बरकरार रखा था। भारतीय कप्तान ने कहा था कि वह वही करेंगे जो टीम के लिए सर्वश्रेष्ठ होगा। इस संभावना को खारिज नहीं किया जा सकता कि रोहित ओपनिंग में उतरेंगे। अगर रोहित ओपनिंग में उतरते हैं तो राहुल को तीसरे नंबर पर भेजा जाएगा। हालांकि, ऐसे में शुभमन गिल प्लेइंग-11 में जगह नहीं बना पाएंगे और उन्हें बाहर बैठाया जा सकता है। भारत गिल को बाहर रखने का जोखिम उठा सकता है क्योंकि उसके पास जडेजा के रूप में एक ऐसा बल्लेबाज मौजूद है जो छठे नंबर पर बल्लेबाजी कर सकता है। भारत ने जहां हमेशा की तरह प्लेइंग-11 में संशय बरकरार रखा है, वहीं ऑस्ट्रेलिया ने मैच से पहले अपनी एकादश घोषित कर दी है। उन्होंने युवा सलामी बल्लेबाज सैम कोंस्टास को मौका दिया है जो टेस्ट में डेब्यू के लिए तैयार हैं। कोंस्टास ने दूसरे टेस्ट से पहले ऑस्ट्रेलिया प्रधानमंत्री एकादश के लिए खेलते हुए भारत के खिलाफ शतक जड़ा था। उन्हें नाथन मैकस्वीनी की जगह मौका दिया गया है।

दोनों टीमें इस प्रकार है:

भारत : रोहित शर्मा (कप्तान), केएल राहुल, यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), रविंद्र जड़ेजा, नितीश रेड्डी, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप, वाशिंगटन सुंदर, प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा, तनुश कोटियन, सरफराज खान, अभिमन्यु ईश्वरन, ध्रुव जुरेल, देवदत पडिक्कल।

आस्ट्रेलियाई प्लेइंग 11 : पैट कमिंस, उस्मान ख्वाजा, सैम कोनस्टास, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ, ट्रैविस हेड, मिशेल मार्श, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), नाथन लियोन, मिशेल स्टार्क और स्कॉट बोलैंड

समय : भारतीय समयानुसार सुबह पांच बजे से।

जाब एफसी को मोहन बागान के विरुद्ध जीत की उम्मीद

नयी दिल्ली। अपने घरेलू मैचों में अब तक शानदार प्रदर्शन करने वाली पंजाब एफसी को पिछले दो बाहरी मैचों में हार का सामना करना पड़ा था परंतु अपने घरेलू प्रदर्शन के दम पर शेर (पंजाब एफसी) मोहन बागान के विरुद्ध अपने अगले घरेलू मैच में जीत हासिल करना चाहती है। पंजाब एफसी 2024 का अपना अंतिम मैच खेलते हुए कल, गुरुवार को यहां जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में लीग टॉपर्स मोहन बागान सुपर जायंट से भिड़ेंगे। पंजाब वर्तमान में सातवें स्थान पर है, 6 जीत से 18 अंकों के साथ, और कोलकाता की इस मजबूत टीम के खिलाफ जीत हासिल कर अपनी प्लेऑफ की उम्मीदों को मजबूत करना चाहेगा। बॉक्सिंग डे का यह मुकाबला शाम 7:30 बजे शुरू होगा। मैच से पहले बात करते हुए, पंजाब एफसी के मुख्य कोच पानायोटिस डिलमपेरिस ने कहा, हर मैच एक रणनीतिक प्रक्रिया है, यह कभी भी केवल एक खिलाड़ी या टीम पर निर्भर नहीं होता। हमारा ध्यान खिलाड़ियों, विशेष रूप से युवा खिलाड़ियों का समर्थन करने पर है। हमारे पास एक स्पष्ट योजना है, और वह कल मैदान पर दिखाई देगी। कोई तनाव नहीं है, कोई दबाव नहीं है, हम कल के मैच में आत्मविश्वास के साथ उतरेंगे। दोनों टीमें, जिन्होंने हाल ही में अपने बाहरी फिक्सचर में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया, जीत के इरादे से मैदान में उतरेंगी।

सांता सिंह धोनी... पत्नी साक्षी और बेटी संग महान कप्तान ने मनाया क्रिसमस

खबर मन्त्र संवाददता

रांची : भारत के पूर्व कप्तान एमएस धोनी सांता क्लॉज बने और पत्नी साक्षी और बेटी जीवा के साथ क्रिसमस मनाया। इस दौरान धोनी के करीबी साथी भी मौजूद रहे। धोनी ने फुल सांता सूट पहना था। उन्होंने लंबे बूट्स पहनने के अलावा लंबी सफेद दाढ़ी भी लगा रखी थी। दिग्गज क्रिकेटर ने आउटफिट में एक अलग टच देने के लिए पीले रंग का चश्मा भी पहना।साक्षी सिंह धोनी द्वारा शेयर की गई तस्वीरों में, पूर्व क्रिकेटर एक तस्वीर में अपनी पत्नी और बेटी के साथ पोज देते हुए दिखाई दिए, जबकि दूसरी तस्वीर में उन्होंने जीवा को गले लगाया था। क्रिसमस ट्री को बेहद खूबसूरती से सजाया गया था। इस पर गहने, सफेद फूल और ऊपर एक स्टार लगाया गया था। इसे पेड़ को खिड़की के पास रखा गया था। क्रिसमस ट्री के बेस पर रंग-बिरंगे कागज में लिपटे कई सारे उपहार रखे गए थे। धोनी ने एक तस्वीर में पेड़ के साथ पोज भी दिया।

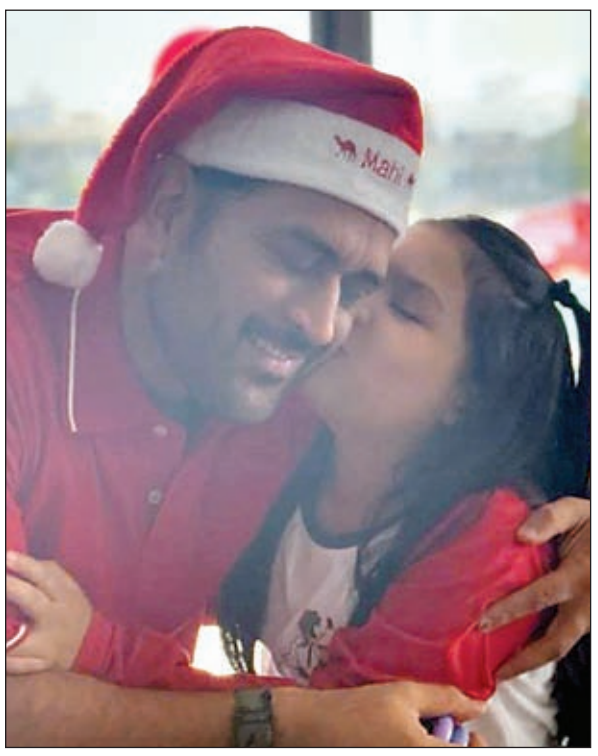

धोनी ने कृति सेनन को लगाए गले

धोनी के साथ बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर तस्वीर शेयर की है। इन तस्वीरों में धोनी सेंट बने हुए हैं और वो अभिनेत्री कृति सेनन को गले लगा रहे हैं। इस दौरान कृति ने वाइट और रेड कलर की शॉर्ट ड्रेस पहनी हुई है। उनके सिर पर सेंटा वाली कैप लगा हुआ है। धोनी और कृति की ये तस्वीर काफी अच्छी लग रही है। इसके साथ ही फैंस उनकी इस तस्वीर को काफी पसंद कर रहे हैं और जमकर तारीफ करते हुए तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं।

गेंदबाजी रैंकिंग में बुमराह ने हासिल किए सर्वाधिक रेटिंग अंक

नयी दिल्ली। ब्रिसबेन में आस्ट्रेलिया के खिलाफ आइसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप श्रृंखला के तीसरे मैच में एक और बेहतरीन प्रदर्शन के बाद भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने अपने देश के किसी भी टेस्ट गेंदबाज द्वारा हासिल किए गए संयुक्त सर्वाधिक रेटिंग अंक के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। मैच में 94 रन देकर नौ विकेट लेने वाले बुमराह ने अपने खाते में 14 अंक जोड़े और 904 रेटिंग अंक तक पहुंच गए। इस आंकड़े तक हाल ही में संन्यास लेने वाले रविचंद्रन अश्विन दिसंबर 2016 में मुंबई में इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट में पहुंचे थे। सीरीज में अब तक बुमराह के लिए 21 विकेट ने उन्हें गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर अपनी बढ़त को 48 रेटिंग अंक तक बढ़ाने में मदद की है। पूर्व शीर्ष रैंक वाले गेंदबाज कागिसो रबाडा (856) और जोश हेजलवुड (852) सूची में दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। मोहम्मद सिराज एक स्थान ऊपर 24वें स्थान पर पहुंच गए हैं। ट्रैविस हेड सहित कई बल्लेबाजों ने नवीनतम रैंकिंग अपडेट में बढ़त बना ली है। पहली पारी में हेड की 152 रनों की पारी ने उन्हें भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जयसवाल से आगे कर दिया है। हेड रैंकिंग में चौथे स्थान पे पहुंच गए हैं। वहीं, पहली पारी में 101 रन की पारी खेलने वाले स्टीव स्मिथ की शीर्ष 10 में वापसी हुई है। जबकि एलेक्स कैरी के 70 और नाबाद 20 रन के स्कोर ने उन्हें 11 स्थान ऊपर उठाकर 29वें स्थान पर ला दिया है।

खेलों की दुनिया में पंजाब के नाम रहा साल 2024

चंडीगढ। पंजाब सरकार द्वारा खेलों के क्षेत्र में किए गए उपक्रमों के चलते देश भर में साल 2024 राज्य के नाम रहा है। पंजाब को खेलों के क्षेत्र में देश का नंबर एक राज्य बनाने और राज्य में खेल संस्कृति पैदा करने के लिए मुख्यमंत्री भगवंत मान, जिनके पास खेल विभाग भी है, द्वारा साल 2023 में बनाई गई नई खेल नीति को जमीनी स्तर पर लागू करने के साथ ही साल 2024 में इस नीति के सार्थक परिणाम सामने आए हैं।

कोलंबो में होने वाली दिव्यांग क्रिकेट चैंपियंस ट्रॉफी में हिस्सा लेगी भारतीय टीम

नयी दिल्ली। भारतीय दिव्यांग क्रिकेट परिषद ने कहा है कि 12 से 21 जनवरी तक श्रीलंका के कोलंबो में आयोजित होने वाली दिव्यांग क्रिकेट चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारतीय टीम हिस्सा लेगी। इस टूर्नामेंट में भारत, पाकिस्तान श्रीलंका और इंग्लैंड भाग ले रहे है। इस अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट से पहले भारतीय टीम जयपुर में प्रशिक्षण शिविर में भाग लेगी। शिविर के दौरान अंतिम टीम का चयन किया जाएगा। चारों टीमों के बीच दो-दो मैच खेले जायेंगे।

खो-खो विश्व कप के लिए आस्ट्रेलिया ने कसी कमर

नयी दिल्ली। सिडनी, मेलबर्न और कैनबरा शहरों में आयोजित प्रशिक्षण शिविरों में प्रशिक्षित ऑस्ट्रेलियाई खो खो टीम ने अगले महीने होने वाले विश्वकप के लिए कमर कस ली हैं। ऑस्ट्रेलियाई लोग खो-खो को ह्याको-कोह्ल कहते हैं। इसके लिए बस कुछ सटीक उच्चारण और सिडनी, मेलबर्न और कैनबरा शहरों में प्रशिक्षण सत्र आयोजित किये जाने के बाद इस खेल को लोगों ने बहुत पसंद किया। अब ऑस्ट्रेलियाई टीम 13 से 19 जनवरी 2025 के बीच दिल्ली में होने वाले पहले विश्व कप का हिस्सा बनने के लिए कमर कस रहे हैं।

निकी प्रसाद की अगुवाई में महिला अंडर 19 टी-20 विश्वकप में खेलेगी भारतीय टीम

मुंबई। अगले महीने मलेशिया में होने वाले महिला अंडर 19 टी-20 विश्वकप में भारतीय टीम की अगुवाई निकी प्रसाद करेंगी। चयनकताओं ने हाल ही में अंडर-19 एशिया कप जीतने वाली 15 सदस्यीय दल में एकमात्र बदलाव वैष्णवी एस के रूप में किया गया है। वैष्णवी मध्यम गति की तेज गेंदबाज नंदना एस की जगह लेंगी। नंदना को स्टैंडबाय खिलाड़ियों के रूप में रखा गया हैं।

टी20 विश्वकप टीम में शामिल होने पर सोनम के गृह जिले में जश्न

फिरोजाबाद । अंडर 19 टी20 विश्वकप के लिये भारतीय टीम में जगह बनाने वाली महिला क्रिकेट खिलाड़ी ?सोनम? यादव के गृहनगर फिरोजाबाद में जश्न का माहौल है। सोनम ने हाल ही में संपन्न एशिया कप में भारत की ओर से खेलते हुये उत्कृष्ट प्रदर्शन किया था। उन्होने पाकिस्तान के खिलाफ चार विकेट और बांग्लादेश के खिलाफ दो विकेट लिये थे।

मीराबाई के लिए उथल-पुथल वाला रहा यह साल

एजेंसी

नयी दिल्ली। बहुत कम ऐसे खेल हैं जिन्हें किसी एक खिलाड़ी से जोड़कर देखा जाता है लेकिन भारतीय भारोत्तोलन में मीराबाई चानू एक ऐसा नाम है जो पिछले कई वर्षों से भारत में इस खेल की पर्याय बनी हुई है और वर्ष 2024 भी कोई अपवाद नहीं रहा। तोक्यो ओलंपिक में रजत पदक जीतने वाली मीराबाई पेरिस ओलंपिक में यह कारनामा नहीं दोहरा पाई जो भारत के लिए सबसे बड़ा झटका था। भारतीय भारोत्तोलन के लिए यह इसलिए भी निराशाजनक साल रहा क्योंकि वह इस वर्ष भी मीराबाई का उत्तराधिकारी ढूंढने में नाकाम रहा। मीराबाई ने तोक्यो ओलंपिक में रजत पदक जीत कर इस खेल में भारत का 21 साल से चला आ रहा सूखा खत्म किया था। जहां तक पेरिस ओलंपिक की बात है तो मीराबाई एकमात्र भारोत्तोलक थी जिन्होंने इन खेलों के लिए क्वालीफाई किया था। इस 29 वर्षीय खिलाड़ी को ओलंपिक से पहले कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ा। चोटिल होने के कारण वह कुछ प्रमुख प्रतियोगिताओं में भाग नहीं ले पाई जिसका मतलब था कि वह ओलंपिक के लिए अपेक्षित तैयारी नहीं कर सकी थी। मीराबाई ने इसके बावजूद अपनी अदम्य इच्छा शक्ति के दम पर पेरिस ओलंपिक में भाग लिया। तब भी

उनकी फिटनेस को लेकर चचाएं चल रही थी। मीराबाई ने हालांकि अपना सर्वश्रेष्ठ देने की पूरी कोशिश की लेकिन आखिर में उन्हें चौथे स्थान से संतोष करना पड़ा। यह खिलाड़ी और देश के लिए निराशाजनक परिणाम था क्योंकि मीराबाई को शुरू से ही पदक का प्रबल दावेदार माना जा रहा था। मीराबाई लगातार यह कहती रही हैं कि उनकी खेल यात्रा अभी समाप्त नहीं हुई है और एशियाई खेलों में पदक जीतना उनका अगला लक्ष्य है लेकिन लगातार चोटिल होने के कारण उनके आगे खेलने को लेकर आशंकाएं भी व्यक्त की जा रही हैं। जापान में 2026 में होने वाले एशियाई खेलों तक मीराबाई की उम्र 31 साल की हो जाएगी और इस उम्र में भारोत्तोलन जैसे खेल में बने रहना आसान नहीं होता जबकि यह भारतीय खिलाड़ी चोटों से भी जूझती रही है। मीराबाई से इतर भारतीय भारोत्तोलन का भविष्य अनिश्चित नजर आता है। इस खेल में भारत राष्ट्रमंडल खेलों में अच्छा प्रदर्शन करता रहा है लेकिन 2022 के राष्ट्रमंडल खेलों में चमक बिखेरने वाले खिलाड़ी इसके बाद गुमनामी के अंधेरे में चले गए। इसका उदाहरण जेरेमी लालरिननुंगा है, जो चोट और अनुशासनात्मक मुद्दों के कारण गुमनामी में जाने से पहले जूनियर, युवा और राष्ट्रमंडल स्तर पर ठोस प्रदर्शन के साथ प्रमुखता से उभरे थे। उम्मीद की एक किरण 21 वर्षीय ज्ञानेश्वरी यादव है, जिन्होंने मीराबाई की अनुपस्थिति में विश्व चैंपियनशिप में 49 किग्रा वर्ग में पांचवा स्थान हासिल किया था।

एथलीट हिमा पर 16 माह का प्रतिबंध

एजेंसी

नयी दिल्ली। जकार्ता एशियाई खेलों में दो स्वर्ण और रजत पदक जीतने वाली देश की स्टार एथलीट हिमा दास पर व्हेयर अबाउट फेल्योर (टेस्ट के लिए ठिकाने का पता नहीं बताना) के लिए 16 माह का प्रतिबंध लगाया गया है। उन पर यह प्रतिबंध 22 जुलाई, 2023 से लगाया गया है। विश्व एंटी डोपिंग एजेंसी (वाडा) और राष्ट्रीय डोपिंग एजेंसी (नाडा) ने हिमा पर मामले के आपसी समाधान समझौते के तहत यह प्रतिबंध लगाया है। वरना उन पर दो वर्ष का भी प्रतिबंध लग सकता था। हालांकि इस प्रतिबंध की अवधि इस वर्ष 22 नवंबर को समाप्त हो

गई है। हिमा को बीते वर्ष सितंबर माह में व्हेयर अबाउट फेल्योर के लिए नाडा ने अस्थाई रूप से प्रतिबंधित कर दिया था। नाडा की टीम तीन बार उनके दिए पते पर सैंपल लेने पहुंची, लेकिन तीनों ही बार वह नहीं मिलीं। नाडा के सुनवाई पैनल ने हिमा पर लगे सभी आरोप वापस लेते हुए उन्हें बरी कर दिया। नाडा ने इस पर अपील की, लेकिन अपील पैनल ने भी उन्हें बरी कर दिया। इसके बाद वाडा ने इस मामले को खेल पंचाट (कैस) में चुनौती देने का मन बनाया। इस बारे में हिमा को भी बताया गया कि वह वाडा के कोड 10.8.2 के तहत मामले के आपसी समझौते के लिए तैयार हैं या फिर कैस में लड़ाई लड़ेंगी। हिमा आपसी समझौते को तैयार हो गईं। इसके बाद उन पर इस वर्ष 8 नवंबर को 16 माह का प्रतिबंध पिछली तिथि से लगाया गया, लेकिन इसे सार्वजनिक नहीं किया गया। उन पर वाडा के आर्टिकल 2.4 के तहत प्रतिबंध लगा है।

टुंडी विधायक से चंद्रपुरा, दुगदा, जरीडीह को बोकारो कोर्ट से की जोड़ने की मांग

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। टुंडी के झारखंड मुक्ति मोर्चा के विधायक व मुख्य सचेतक मथुरा प्रसाद महतो से बोकारो के अधिवक्ताओं का प्रतिनिधिमंडल मिलकर उनसे झारखंड में अधिवक्ता प्रोटेक्शन एक्ट विधानसभा में लाने की मांग की।

इंडियन एसोसिएशन ऑफ लॉयर्स के नेशनल कौंसिल मेंबर अधिवक्ता रणजीत गिरि ने आए दिन अधिवक्ताओं पर हो रहे हमले से बचाव के लिए एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट विधान सभा से पास करवाने की मांग की। अधिवक्ता लालटू चरण महतो ने जनहित में चंद्रपुरा दुगदा जारीडीह को बोकारो कोर्ट के क्षेत्राधिकार में जोड़ने की मांग की। अतुल कुमार ने अधिवक्ताओं के लिए इंश्योरेंस पॉलिसी लाने में पहल करने की बात कही। विधायक मथुरा प्रसाद महतो ने अधिवक्ताओं को भरोसा दिलाया कि उनकी मांग को विधानसभा के पटल पर रखेंगे और जल्द लागू करवाने का प्रयास करेंगे।

मौके पर सोमनाथ महतो, शंकर कुमार महतो, लालटू चरण महतो, शिव नाथ महतो, रंजन कुमार मिश्रा, फटीक चंद्र सिंह, शंकर दे, पिंटू मिश्रा, संजय कुमार प्रसाद, अंकित ओझा, प्रेरणा पांडेय, जितेंद्र कुमार, चंदन कुमार कृष्ण देव प्रसाद, विकास कुमार राज, दीपिका सिंह, सुनीता कुमारी संजीत कुमार सिंह, मो हसनैन आलम, अनीश अंसारी, वंशिका सहाय, दीप्ति सिंह, रीना कुमारी बीरेंद्र प्रसाद महतो, काली पद मांझी, अरूप चक्रवर्ती समेत सैकड़ों अधिवक्ता मौजूद थे।

डीपीएस बोकारो में मनाया गया क्रिसमस

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। डीपीएस बोकारो में क्रिसमस और नववर्ष के उत्सव पर विशेष असेंबली आयोजित की गई।

जगमगाते क्रिसमस ट्री और सितारों की आकर्षक सजावट के बीच छात्र-छात्राओं ने सुरीले गायन व नृत्य प्रस्तुतियां सहित आर्केस्ट्रा के साथ क्रिसमस कैरोल गाए और जिंगल बेल कैरोल पर ऊजार्वान नृत्य-प्रस्तुति से सबकी भरपूर तालियां बटोरीं। उनके साथ सांता क्लॉज के वेश में सजे बच्चों ने झूम-झूम कर अपनी प्रस्तुतियों से सबको खूब लुभाया। असेंबली में लाल टोपी पहने हजारों विद्यार्थियों का जुटान अपने-आप में रमणीक बना रहा।

शिक्षकों ने भी क्रिसमस कैप पहनकर बच्चों का उत्साहवर्धन किया। इस क्रम में छोटे-छोटे विद्यार्थियों ने गीत गाए और क्रिसमस के गानों पर मनभावन नृत्य प्रस्तुत किए। मौके पर विद्यालय के प्राचार्य डॉ एएस गंगवार ने बच्चों की प्रस्तुतियों को सराहते हुए कहा कि क्रिसमस आज एक वैश्विक त्योहार बन चुका है।

यह हमें प्रेम स्नेह,सद्भावना और मानवता की रक्षा का संदेश देता है। उन्होंने सभी छात्र-छात्राओं व शिक्षक-शिक्षकेत्तर कर्मियों को क्रिसमस एवं आगामी नववर्ष 2025 की अग्रिम शुभकामनाएं दी। विद्यार्थियों ने प्राचार्य को स्वनिर्मित आकर्षक क्रिसमस कार्ड भी भेंट किए और प्राचार्य ने उन्हें टॉफियां देकर प्रोत्साहित किया।

एक नजर में

पुलिस अधीक्षक ने चतरोचट्टी थाना अंतर्गत नक्सल प्रभावित क्षेत्रों का भ्रमण किया

बेरमो। पुलिस अधीक्षक, बोकारो के नेतृत्व में मंगलवार को चतरोचट्टी थाना प्रभारी, क्यूआरटी टीम एवं चतरोचट्टी सैट के साथ चतरोचट्टी थाना अंतर्गत नक्सल प्रभावित क्षेत्रों का भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान नक्सली आसूचना संकलन, नक्सली सरेंडर पालिसी के तहत मिलने वाले लाभों का प्रचार-प्रसार किया गया, साथ ही उत्क्रमित मध्य विद्यालय बड़की चिदरी एवं मुरपा के बच्चों के बीच कॉपी एवं पेन का वितरण किया गया।

बाबा के दरबार अजमेर मे हाजिर लगाने के लिए खेतको से दो बसों से जायरिनो का जत्था रवाना

बेरमो/खेतको। पेटरवार प्रखंड अंतर्गत खेतको से दो बस बुधवार को खेतको कर्बला मैदान से अजमेर के लिए रवाना की गया। इस मौके पर पेटरवार प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष शब्बीर अंसारी, मुखिया अनवरी खातून, अंजुमन के सदर तनवीरूल कमर, अंजुमन सेक्रेटरी शमशेर आलम, डॉ रहमतुल्लाह, मुख्तार अंसारी, सलीम रजा,निजाम सरदार,अलाउद्दीन अंसारी, मुस्लिम अंसारी, कुदूस अंसारी, नजीर अंसारी आदि लोगों ने नारे तकबीर अल्लाहु अकबर के नारे के साथ खेतको कर्बला मैदान से अजमेर के लिए इस जत्थे को रवाना किया ।इस मौके में कांग्रेस नेता शब्बीर अंसारी व अंजुमन सदर तनवीरूल कमर ने कहा कि सभी साथ में रहेंगे और सभी जियारिन के पास गाड़ी के नंबर एवं मोबाइल नंबर की आदान प्रदान कर ले ताकि भीड़ भाड़ कोई खो न जाएं। सभी जियारीन से आरजू है कि ख्वाजा मोइनुद्दीन चश्ती के मजार में हम लोगों की नेक व देश प्रदेश अमन व शांति के लिए दुआ करें साथ-साथ देश,राज्य पंचायत में अमन चैन बना रहे ताकि हम सभी हिंदुस्तानी भाई चारा को निभा सके।

अब जल्द ही कथारा चौक को जाम की समस्या से मिलेगा निजात : ओपी प्रभारी

बेरमो। पिछले लंबे समय से कथारा चौक जाम की समस्या से जुझने को मजबूर था। मगर कथारा ओपी प्रभारी राजेश प्रजापति की अथक प्रयास ने लाया रंग और लगातार सीसीएल कथारा जीएम संजय कुमार से बाइक, कार व सब्जी बिक्रेताओ को अलग से स्थान सुनिश्चित करने की मांग कर रहे थे। लगातार दबाव के बाद आखिरकार ओपी प्रभारी का प्रयास रंग लाया और सीसीएल जीएम के आदेश पर कथारा कोलियरी द्वारा डोजर की व्यवस्था कर कथारा कोलियरी परियोजना पदाधिकारी कार्यालय के समीप खाली स्थान को डोजरिंग कर समतल किया गया। ताकि बाइक व कार से मार्केटिंग करने आये लोग इसी स्थान पर अपनी गाड़ियां खड़ी कर सके साथ ही कथारा चौक पर मुख्य सड़क के किनारे बैठकर सब्जी बेचने वाले लोग भी उसी स्थान पर बैठ सब्जी बेचा करेगे। ज्ञात हो कि कथारा चौक में जाम की समस्या का मुख्य कारण यही दोनो बताया जाता है। मौके पर कथारा ओपी प्रभारी प्रजापति ने बताया कि इस कार्य में कथारा जीएम की सकारात्मक पहल से ही संभव हो सका। उन्होंने कहा कि अब कथारा चौक को जल्द ही जाम की समस्या से नजात मिलेगा। साथ ही उन्होंने बाइक व कार धारकों को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर अब भी लोग अपनी गाड़ी कथारा चौक पर खड़ा करेगे तो उन पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मौके पर अनि गुप्तेश्वर पांडेय, चालक आरक्षी सुनील कुमार, मो अमीर जमा, हरिकेष पटेल, सीसीएल सुरक्षा प्रभारी नागेश्वर नोनिया, इन्द्रनाथ कुमार, साहिल खान व स्थानीय लोग उपस्थित थे।

स्पीड न्यूज

बेरमो : घायल सीसीएल कर्मी की इलाज के दौरान मौत

बेरमो/जारंगडीह। पिछले दिनों ड्यूटी जाने के क्रम में सीसीएल कर्मी नारायण भईया और उनका पुत्र बुरी तरह घायल हो गया था। पुत्र तो इलाज से ठीक हो रहा है मगर घायल सीसीएल कर्मी अपनी इलाज रांची से करवा रहा था। डाक्टर उन्हें यह कह कर घर भेज दिया कि वे 10 दिन बाद पुनः आये मगर इसी बीच बुधवार को सीसीएलकर्मी अपने आवास जारंगडीह 16 नंबर कॉलोनी में अंतिम सांस ली। इस घटना की खबर फैलते ही पुरे कॉलोनी मे मातम पसर गया और लोगों ने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि सीसीएल की लापरवाही का भेंट चढ़ गया। बताता चलू कि बितेगा कुछ दिनों से जारंगडीह कांटा घर से लेकर जारंगडीह कोलियरी तक मुख्य सड़क पुरी तरह किचड़ की फिसलन से भरा पड़ा है और लगातार आने जाने वाले बाइक सवार इस फिसलन का शिकार हो कर गिर चोटिल हो रहे हैं। यह मौत भी उसी कड़ी का एक हिस्सा है। मगर इतना सब कुछ होने के बाद भी सीसीएल प्रबंधन की कुंभकर्णी निद्रा टुटने का नाम नहीं ले रही है।

सैमसंग स्मार्ट प्लाजा फुसरो मे सेंटा बना आकर्षण का केंद्र

बेरमो। बेरमो के फुसरो बाजार के मेघदूत मार्केट स्थित सैमसंग स्मार्ट प्लाजा मे क्रिसमस के शुभ अवसर पर लगाया गया सेंटा क्लोज की प्रतिमा इन दिनो आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। प्रतिमा को देखने तथा सैमसंग के उत्पाद खरीदने के लिए लोगो की भीड़ लगी रहती है। प्रोपराइटर रवि सिंह ने ग्राहको को क्रिसमस और आने वाले नव वर्ष की ढेरों शुभकामनाएं दी। यह आयोजन क्रिसमस के उल्लास और सामाजिक एकता का अद्भुत प्रतीक है। क्रिसमस का यह उत्सव सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि लेकर आए।

जे पी मेडिकलस फुसरो मे लगाया गया निशुल्क किडनी जांच शिविर

बेरमो। फुसरो बाजार के पुराना बीडीओ ऑफिस स्थित जे पी मेडिकलस के द्वारा लगाया गया। जिसमे प्रसिद्ध किडनी रोग विशेषज्ञ डॉक्टर मुक्तेश्वर रजक ने 48 लोगो का जांच किया और उन्हे आवश्यक सलाह के साथ निशुल्क दवाईया भी प्रदान किया। उन्होंने कहा कि सभी पेशे के लोग अपने कर्तव्य का निर्वहन कर अपने लिए घन उपार्जन करते है लेकिन कभी कभार निस्वार्थ सेवा भाव से जो कर्तव्य किया जाता है उससे काफी आत्म संतुष्टी मिलती है। जेपी मेडिकलस के प्रोपराइटर प्रदीप कुमार वरणवाल ने कहा कि इस तरह का निशुल्क जांच शिविर आयोजित होता रहेगा। शिविर मे बिन्दू वरणवाल, विनय वरणवाल, अर्चना वरणवाल, कुंज बिहारी, मनोज चन्द्रवंशी, मदन खुराना, मोहम्मद कलीम आदि लोग मौजूद हुए।

प्रभू ईशू का पूरा जीवन मानव सेवा के लिये समर्पित रहा : विधायक जयराम

ईशू की जीवनी पर डाला प्रकाश, चर्च समिति ने किया जोरदार स्वागत

>> डुमरी विधायक ने जारंगडीह चर्च में क्रिसमस के रंगारंग कार्यक्रम का उठाया लुत्फ

खबर मन्त्र संवाददाता

बेरमो/जारंगडीह। जारंगडीह उतरी पंचायत स्थित क्रिश्चियन द्वारा स्थापित चर्च में बीते शाम से ही हैपी क्रिसमस की धूम देखी जा रही थी।

जहां हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी पुरे धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ ईसाई समुदाय द्वारा क्रिसमस का जश्न मनाया गया। विशेष निमंत्रण पर डुमरी विधायक जयराम महतो अपने समर्थकों के साथ उक्त चर्च में पहुंचे जहां चर्च समिति ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। उनके पहुचने के बाद वहां अनेको रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए गये जिसे देख खुद विधायक जी भी मंत्रमुग्ध नजर आये।

कार्यक्रम स्थल पर विधायक महतो के समर्थक खेतको, जारंगडीह, असनापानी, बोड़िया बस्ती आदि जगहों से दर्जनों की संख्या में उपस्थित थे। हैपी क्रिसमस के इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक महतो ने प्रभू ईशू के जीवनी पर प्रकाश डालने के साथ साथ उनके बताये मार्ग पर चलने की बाते कही। उन्होंने कहा कि हर साल हम हैपी क्रिसमस के रुप में प्रभू ईशू का जन्मोत्सव मनाते हैं जरुरत है उनके सिद्धांतों पर अमल करने की। कहा कि प्रभू ईशू का पुरा जीवन मानव सेवा के इर्द-गिर्द ही धुमता रहा। कहा कि आप हम भी मानते हैं कि मानव सेवा से बढ़कर कोई दुसरी सेवा नही फिर भी इसे अपने जीवन उतारने से कोशों दुर रहते हैं। जरुरत की उनके आदर्शों पर चलने की तभी हमारा और आपका जीवन सफल हो पायेगा।

इस मौके पर उक्त चर्च के पादरी डेविड जोसफ के अलावे जगदीश राय, मनोज महतो, पुरुषोत्तम महतो, सुरेंद्र सिंह, चिड़न महतो, प्रदीप ठाकुर, अमरेश महतो, सचिन तुरी, राजेश महतो, अरुण कुमार, बबलू तुरी आदि के अलावे सैकड़ों की संख्या में ईसाई समुदाय की महिला, पुरुष, युवक, युवतियां व बच्चे और बच्चियां उपस्थित थे।

विकसित भारत के निर्माण के महानायक थे अटल : प्रकाश सिंह

बेरमो। फुसरो नगर परिषद क्षेत्र के सुभाषनगर स्थित भाजपा कार्यालय मे पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की 100 वी जयंती मनाई गई। इस दौरान भाजपा कार्यकताओं ने अटल बिहारी वाजपेयी की चित्र पर माल्यार्पण किया। इस मौके पर भाजपा नेता प्रकाश सिंह ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी हमारे देश की शान है। कहा कि अटल बिहारी वाजपेई राजनीति के आजाद शत्रु थे। उनके व्यक्तित्व का लोहा पूरे विश्व ने माना। पार्टी उनके जन्मदिवस को सुशासन दिवस के रूप में मना रही है। उनके कार्यकाल में भारत ने नई बुलंदियों को हासिल किया। कहा कि अटल जी के कार्यकाल में ही भारत देश परमाणु शक्ति संपन्न देश बना।

डीपीएस चास में वार्षिक खेल दिवस 'स्पर्धा'-2024 संपन्न

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। डीपीएस चास में आयोजित 5 वें वार्षिक खेल दिवस समारोह स्पर्धा में सतलज सदन पहले गंगा सदन दूसरे और यमुना सदन तीसरे स्थान पर रहे। बेस्ट एथलीट के रूप में समूह दूसरी से बालक वर्ग में विनोद तथा तथा बालिका वर्ग में तन्वी समूह षष्ठ से बालक वर्ग में अनमोल कुमार तथा तथा बालिका वर्ग में कृतिका कृष्णन समूह नौवीं से बारहवीं के बालक वर्ग में सोमोदीप चौधरी बालिका वर्ग में अक्षरा कुमारी को चुना गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि विद्यालय की चीफ मेंटर डॉ हेमलता एस मोहन अतिथियों में विद्यालय के प्रो वाइस चेयरमैन-एन मुरलीधरन डीएस मेमोरियल सोसायटी के सचिव सुरेश अग्रवाल निदेशिका-डॉ मनीषा तिवारी सहित सभी शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित थे। मुख्य अतिथि डॉ मोहन ने कहा कि खेल शिक्षा का एक महत्त्वपूर्ण अंग ही नहीं बल्कि स्वयं में सम्पूर्ण शिक्षा है।

अन्य वक्ताओं ने कहा कि खेल हमें स्वस्थ रखने के साथ-साथ करियर बनाने का भी विकल्प देता है। संचालन विवेक कुमार व शिप्रा द्विवेदी के निर्देशन में कुमार मंगलम स्नेहा कुमारी रिषुराज कुमार तथा कृशांक तरेनिया ने किया।

विधायक श्वेता सिंह ने जनहित के मुद्दों पर बीएसएल के निदेशक प्रभारी से की वार्ता

विधायक ने अप्रेंटिस परीक्षा में विस्थापित अभ्यर्थियों को अतिरिक्त अंक देकर अप्रेंटिसशिप सहित अन्य परीक्षाओं में प्राथमिकता देने पर जोर दिया

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। बोकारो विधायक श्वेता सिंह और किम्स नेता संग्राम सिंह के साथ एक प्रतिनिधिमंडल बोकारो स्टील प्लांट के निदेशक प्रभारी बीरेन्द्र कुमार तिवारी से मिला और विधानसभा क्षेत्र में जुड़ी जनसमस्याओं के निराकरण के मुद्दे पर वार्ता की। विधायक सिंह ने कहा कि नगर के सेक्टर12 ई से पुनर्वास क्षेत्र तेलीडीह बांधगोड़ा को जोड़ने वाली एकमात्र सड़क लंबे समय से जर्जर स्थिति होने के कारण जनता को काफी दुर्घटनाओं का सामना करना पड़ा है। उन्होंने जल्द से जल्द इस सड़क का निर्माण कार्य शुरू करने की मांग की। उन्होंने विस्थापितों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए 500 शॉप/प्लॉट विस्थापितों को जल्द से जल्द अलॉट करने की भी मांग की जिससे शहर सुंदर भी दिखेगा और लाभुकों द्वारा बिजली बिल एवं रेंट का भी भुगतान किया जाएगा। इसके अलावा विधायक ने अप्रेंटिस परीक्षा में विस्थापित अभ्यर्थियों को अतिरिक्त अंक देकर अप्रेंटिसशिप सहित अन्य परीक्षाओं में प्राथमिकता देने पर जोर दिया। वार्ता के दौरान सिंह ने अप्रेंटिसशिप कर चुके विस्थापित युवाओं की उम्र सीमा को देखते हुए उन सभी युवाओं को सूचीबद्ध कर उन्हें रोजगार से जोड़ने पर बल दिया। इसके साथ ही बोकारो में ट्रांसपोर्ट नगर के निर्माण हेतु 20 एकड़ भूमि उपलब्ध कराने तथा मजदूर हित में बोकारो में ईएसआईसी अस्पताल के नवनिर्माण के लिए जल्द से जल्द भूखंड उपलब्ध कराने की मांग की ताकि मजदूरों के स्वास्थ्य की समस्याओं का समाधान सहूलियत से हो सके।

तेनू डैम पिकनिक स्थल पर मेले का शुभारंभ

बेरमो/तेनुघाट कोर्ट। कोयलांचल एवं बेरमो अनुमंडल मुख्यालय तेनुघाट स्थित विश्व प्रसिद्ध अर्ध डैम के पास 25 दिसंबर से 25 जनवरी 2025 तक भव्य मेला का आयोजन किया गया है। प्राकृतिक के गोद में बसा तेनुघाट डैम के हसीन वादियों में खूबसूरती बिखेर रही है तथा डैम के आसपास के क्षेत्रों में हरियाली के साथ चिड़ियों की चिहचिहाती आवाजों से लोगो को मनमोहक बना देती है। कहीं कहीं मोरो को फंख फैला कर नाचना खूबसूरती में चार चांद लगा दे रही है। इन दिनों नई वर्ष के मौके पर पिकनिक के लिए पर्यटकों का सबसे पसंदीदा स्थल बन गया है तेनुघाट। नौका विहार एवं बच्चों के लिए भिन्न भिन्न प्रकार का झूला लगाया गया है।अभी से ही पिकनिक के लिए लगनी लगी है भीड़। यहां पिकनिक मनाने के लिए विहार,बंगाल, एवं झारखंड के विभिन्न जिलों से लोग तथा स्कूल कॉलेज के छात्र छात्राओं आते हैं प्रति दिन।

गोड्डा उच्च विद्यालय के पूर्ववर्ती छात्रों ने पूनर्मिलन कार्यक्रम आयोजित कर अपनी पहचान बनाई

खबर मन्त्र संवाददाता

गोड्डा। आज के चीफ मिनिस्टर स्कूल आफ एक्सीलेंस सह पूर्व के गोड्डा हाई स्कूल के 1978 बैच से पास आउट मैट्रिक के छात्रों ने 25 दिसंबर को एक रीयूनियन कार्यक्रम आयोजित किया। जिसमें बड़ी संख्या में पूरे देश से पुराने छात्रों ने हिस्सा लिया। इनमें बड़ी संख्या में लोग अवकाश प्राप्त भी कर चुके हैं। गुजरात में ओएनजीसी के चीफ जनरल मैनेजर रह चुके राजीव कुमार, नॉर्थ ईस्ट में रह चुके न्यायाधीश विकास कुमार, एनटीपीसी छत्तीसगढ़ में चीफ जनरल मैनेजर के पद पर रह चुके राजीव सत्यकाम, बिहार के कमर्शियल टैक्स कमिश्नर रह चुके हीरा सहित दर्जनों पूर्ववर्ती छात्रों ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया एवं यहां विभिन्न तरह के कल्याण कार्य करने की इच्छा जताई। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से रांची के प्रख्यात किडनी विशेषज्ञ डॉक्टर अशोक कुमार वैद्य एवं इंडस्ट्री ऑफिसर सुशील कुमार बरीयार आदि ने भी कार्यक्रम में हिस्सा लिया। बड़ी संख्या में इन पूर्ववर्ती छात्रों के परिवार के लोग, नाती-नतनी, पोते-पोतियों ने भी हिस्सा लिया। प्लस टू हाई स्कूल के 1978 के पूर्ववर्ती छात्रों के समूह द्वारा कुछ दिनों पहले एक मेगा हेल्थ कैंप का भी आयोजन किया गया था, जिसमें छात्र, छात्राएं, शिक्षक, शिक्षिकाओं आदि ने अपने स्वास्थ्य का परीक्षण कराया। 1978 बैच के पूर्ववर्ती छात्रों द्वारा प्रति वर्ष प्लस टू स्कूल में कार्यक्रम एवं मिलन समारोह आयोजित किए जाते हैं जिसमें 50 से ज्यादा पूर्ववर्ती छात्र सम्मिलित होते हैं। इन पूर्ववर्ती छात्रों में अब्दुल कलाम, गणेश यादव, गणेश पंडित, रघु पंडित, गोपाल पंडित, स्नेहसीश सरकार, इबरार, रंजन कुमार, फोनी चौधरी, कौशल किशोर दुबे आदि शामिल थे।

श्रम शक्ति की कमी के कारण उत्पादन होगी प्रभावित : अजय

खबर मन्त्र संवाददाता

बेरमो। एशिया का सबसे बड़ा वाशरी का श्रेय कथारा क्षेत्र के अंतर्गत कथारा वाशरी प्रतिष्ठान को जाता है। कथारा वाशरी उत्पादन और उत्पादकता के लिए आज भी उपयोगी है। और निरंतर उत्पादन तथा डिस्पैच में अववल स्थान में है। वित्तीय वर्ष 2024 -2025 में इसके उत्पादन और उत्पादकता के लिए श्रम शक्ति के तहत 506 कर्मचारियों की आवश्यकता रही है। वही 507 कर्मचारी कार्यरत थे। यथार्थ एक कर्मचारी सर प्लस कर्मचारियों के तहत थे। लेकिन दिसंबर माह में कर्मचारियों की संख्या 475 रह गई है। स्वीकृत मैनपॉवर के तहत 31 श्रमिकों की आवश्यकता है। जबकि दूसरी ओर जहां 31 श्रमिकों की आवश्यकता है। ऐसे में आवश्यकता के अनुसार उत्पादन को सुचारू रूप से चलने के लिए कर्मचारियों की संख्या में कमी है। जिससे उत्पादन प्रभावित होने की संभावना है। इस संदर्भ में राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन के क्षेत्रीय अध्यक्ष व विधायक प्रतिनिधि अजय कुमार सिंह ने महाप्रबंधक को पत्र प्रेषित कर मेन पावर की कमी को दूर कर उत्पादन उत्पादकता को पूरा करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाने की मांग की है।

स्कूल के वार्षिक महोत्सव में विधायक उमाकांत रजक ने बच्चों को किया पुरस्कृत

बोकारो। चंदनकियारी सिल्फोर राजातांड स्थित संत स्टीफन कारमेल असेंबली स्कूल के वार्षिक महोत्सव सह स्थापना दिवस के कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक विद्यार्थी एवम अभिभावक गण मौजूद रहें। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चन्दनकियारी विधायक उमाकांत रजक एवम बोकारो रक्तवीर परिवार के संस्थापक अध्यक्ष संजय शर्मा की उपस्थिति में बच्चों ने रंगारंग प्रस्तुतियां दीं। इस अवसर पर विधायक उमाकांत रजक ने बच्चों को उनकी उपलब्धियों हेतु सम्मानित किया और कहा कि इस ग्रामीण क्षेत्र में ऐसे स्कूलों को होना बहुत ही जरूरी है। यहाँ पर ग्रामीण क्षेत्र में बच्चों को अच्छी शिक्षा मिल सके- इसके लिए विद्यालय को प्रयत्न करना पड़ेगा। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका राजलक्ष्मी मुखर्जी ने कहा कि विद्यालय का एक ही लक्ष्य है अच्छी शिक्षा प्रदान करना। वार्षिक महोत्सव को सफलता पूर्वक संपन्न करने में स्कूल की मेधा दीपक सोमनाथ अजीत अनु,पिंकी सुजाता संध्या शिवानी माधुरी शिप्रा हरजीन्दर पूर्णिमा सहित सभी का सहयोग सराहनीय रहा।

स्पीड न्यूज

असम के कोकराझार में दो जिहादी गिरफ्तार

गुवाहाटी। असम एसटीएफ ने ऑपरेशन प्रघात के तहत आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करते हुए कोकराझार से दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है। एसडीजीपी हरमीत सिंह ने असम पुलिस मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए इस बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मंगलवार रात कार्रवाई के दौरान हथियार और गोलाबारूद के साथ कोकराझार से दो जिहादियों को गिरफ्तार किया है। ये राज्य में हिंसा भड़काने की घटनाओं को अंजाम देने की कोशिश कर रहे थे। इन्होंने आईईडी हमले की योजना भी बनाई थी।

सन्नी देओल की फिल्म बॉर्डर 2 की शूटिंग शुरू

मुंबई। बॉलीवुड के माचो हीरो सन्नी देओल की फिल्म बॉर्डर 2 की शूटिंग शुरू हो गयी है। सनी देओल 27 साल पुरानी फिल्म ह्यबॉर्डरह्ल के सीक्वल ह्यबॉर्डर 2ह्ल के जरिए धमाका करने की पूरी तैयारी में हैं। फिल्म निमार्ता जेपी दत्ता एक बार फिर 1997 की ब्लॉकबस्टर फिल्म बॉर्डर की सफलता को दोहराने की कोशिश कर रहे हैं ह्यबॉर्डर 2ह्ल में सनी देओल के अलावा वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी जैसे स्टार्स दिखाई देने वाले हैं।

हरियाणा के तीन जिलों में भूकंप के झटके

चंडीगढ़। हरियाणा में बुधवार दोपहर भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप का केंद्र बिंदु सोनीपत जिले के गांव कुंडल रहा है। यहां किसी प्रकार के जानि नुकसान का समाचार नहीं है। बुधवार की दोपहर 12 बजकर 28 मिनट पर भूकंप आया। हरियाणा के रोहतक, सोनीपत और पानीपत में तेज झटके महसूस किए गए और लोग घरों से बाहर निकल आए। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के मुताबिक रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 3 .5 रही। इसका सेंटर सोनीपत के कुंडल गांव में पांच किलोमीटर गहराई में रहा।

आज वीर बाल दिवस में शामिल होंगे मोदी

नयी दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुरुवार को वीर बाल दिवस समारोह में शामिल होंगे और सुपोषित पंचायत अभियान का शुभारंभ करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय ने बुधवार को यहां बताया कि श्री मोदी 26 दिसंबर को दोपहर बच्चों को देश के भविष्य की नींव के रूप में सम्मानित करने वाले एक राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम, वीर बाल दिवस में शामिल होंगे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री सुपोषित पंचायत अभियान' का शुभारंभ करेंगे। इस अभियान का उद्देश्य पोषण संबंधी सेवाओं के कार्यान्वयन को सुदृढ़ करके और सक्रिय सामुदायिक भागीदारी सुनिश्चित करके पोषण संबंधी परिणामों तथा कल्याण में सुधार करना है।

ओला इलेक्ट्रिक ने देश में खोला 3200 नये शोरूम

बेंगलुरु। इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन बनाने वाली प्रमुख कंपनी ओला इलेक्ट्रिक ने आज पूरे देश में 3200 से अधिक नये शोरूम शुरू करने की घोषणा की जिससे उसके शोरूम की संख्या बढ़कर चार हजार हो गयी है। कंपनी नें कहा कि 3200 से अधिक नए स्टोर खोले गये हैं जो सर्विस सेंटरों के साथ जुड़े हैं, इससे भारत में सबसे बड़े ईवी नेटवर्क का विस्तार हुआ है। यह विस्तार सिर्फ मेट्रो और टियर 1 तथा 2 शहरों तक ही नहीं है, बल्कि छोटे कस्बों और तहसीलों तक हुआ है।

अफगानिस्तान में पाकिस्तान का हवाई हमला, 46 की मौत

पाकिस्तानी जेट ने पाकटिका प्रांत के सात गांवों में की बमबारी

एजेंसी

काबुल। अफगानिस्तान के पाकटिका प्रांत में पाकिस्तान की ओर से की गई बमबारी में 46 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। अफगानिस्तान ने इसे बर्बर कृत्य करार दिया है। मंगलवार देर रात पाकटिका प्रांत के बरमल जिले के कई इलाकों को निशाना बनाया गया। एक रिपोर्ट में तालिबान के प्रशिक्षण केंद्र को नष्ट करने का दावा किया गया है। पाकिस्तान ने अब तक आधिकारिक तौर पर हमलों की जिम्मेदारी नहीं ली है। हमले के बाद से दोनों देशों के बीच

तनाव बढ़ गया है। रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि सात गांवों पर बमबारी की गई, जिसमें लामन भी शामिल है, जहां एक ही परिवार के पांच सदस्यों की जान चली गई और मुर्ग बाजार गांव पूरी तरह नष्ट हो गया। स्थानीय सूत्रों का दावा है कि पाकिस्तानी जेट ने भीषण बमबारी की थी।

रिपोर्टों के मुताबिक बरमाल में मुर्ग बाजार गांव पूरी तरह से नष्ट हो गया, जिससे मौजूदा मानवीय संकट और बढ़ गया। हवाई हमलों में गंभीर नागरिक हताहत हुए और व्यापक विनाश हुआ, जिससे क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया। हवाई हमलों ने अफगानिस्तान में चल रहे मानवीय संकट को और गहरा कर दिया है। अफगानिस्तान की कार्यवाहक सरकार ने इसकी निंदा की और जवाबी कार्रवाई की चेतावनी दी है। तालिबान रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि अधिकांश पीड़ित आम नागरिक हैं, जिनमें वजीरिस्तान के शरणार्थी भी शामिल हैं। कई लोग घायल हुए हैं। मंत्रालय ने कहा है कि यह अंतरराष्ट्रीय सिद्धांतों के विपरीत आक्रामकता है। पाकिस्तानी पक्ष को समझना चाहिए कि ऐसी कार्रवाइयों से कोई समस्या हल नहीं होगी।

जवाबी कार्रवाई करेंगे : तालिबान

खामा प्रेस ने बताया कि बचाव कार्य जारी हैं। विवरणों की पुष्टि करने और हमलों की जिम्मेदारी स्पष्ट करने के लिए आगे की जांच जारी है। हमला किस उद्देश्य से किया गया है इस पर जानकारी जल्द सामने आएगी। तालिबान के रक्षा मंत्रालय ने बरमाल, पक्तिका पर हवाई हमले के बाद जवाबी कार्रवाई करने की कसम खाई है। मंत्रालय ने कहा कि अपनी भूमि और संप्रभुता की रक्षा करना उनका वैध अधिकार है और हमले की निंदा करते हुए दावा किया कि टारगेटेड लोगों में वजीरिस्तानी शरणार्थी भी शामिल थे।

कजाकिस्तान में विमान क्रैश अब तक 42 यात्रियों की मौत

- प्लेन में अजरबैजान के 37 कजाकिस्तान के 6, किर्गिस्तान के तीन और रूस के 16 नागरिक थे
- कजाकिस्तान के अक्टौ शहर के पास हुआ दुर्घटना
- अजरबैजान से रूस के लिए उड़ान भरी थी विमान

एजेंसी

अस्ताना। अजरबैजान एयरलाइंस का एक यात्री विमान बुधवार को कजाकिस्तान में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यह हादसा कजाकिस्तान के अक्टौ शहर के पास हुआ। विमान ने अजरबैजान से रूस के लिए उड़ान भरी थी। इस विमान में 67 यात्री और पांच क्रू मेंबर शामिल थे। कजाकिस्तान के अधिकारियों ने 12 लोगों के बचने की जानकारी दी है। हादसे में जिंदा बचे लोगों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। अजरबैजान

एयरलाइंस ने एक बयान जारी कर कहा है कि एम्ब्रेयर 190 एयरक्राफ्ट, जिसका फ्लाइट नंबर ख2-8243 था, बाकू से चेचन्या के लिए निकला था। लेकिन घने कोहरे के कारण विमान का रूट डायवर्ट करना पड़ा। कजाकिस्तान के अधिकारियों ने कहा कि वह घटना के हर संभव पहलू की जांच कर रहे हैं। माना जा रहा है कि हादसे के पीछे कोई तकनीकी गड़बड़ रही होगी। मंगिस्टौ क्षेत्र के एक अस्पताल में सर्जरी और ट्रॉमा यूनिट में 30 बिस्तर और इंटेंसिव केयर यूनिट में 10 बेड रिजर्व किए गए हैं। वहीं क्षेत्रीय बाल अस्पताल में भी जनरल वार्ड में 20 और आईसीयू में 10 बेड रिजर्व करने को कहा गया है। अस्पताल में अभी तक 13 लोगों को भर्ती कराया गया है। वहीं 5 का आईसीयू में इलाज हो रहा है। चिल्ड्रेन अस्पताल के इमरजेंसी में एक बच्चे का इलाज हो रहा है।

क्रिसमस पर रूस ने यूक्रेन के ऊर्जा संयंत्रों पर किया हमला

बैलिस्टिक समेत 70 से अधिक मिसाइलों और 100 से अधिक ड्रोन का किया इस्तेमाल, एक थर्मल पावर हुआ क्षतिग्रस्त

एजेंसी

कीव। रूस ने क्रिसमस पर यूक्रेन के ऊर्जा संयंत्रों को निशाना बनाते हुए बड़े पैमाने पर मिसाइल और ड्रोन से हमला किया। हमले में एक थर्मल पावर प्लांट क्षतिग्रस्त हो गया और लोगों को क्रिसमस की सुबह मेट्रो स्टेशनों में शरण लेनी पड़ी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि हमले में बैलिस्टिक समेत 70 से अधिक मिसाइलों और 100 से अधिक ड्रोन का इस्तेमाल किया गया। उन्होंने कहा कि पुतिन ने जानबूझकर हमले के लिए क्रिसमस को चुना। इससे ज्यादा अमानवीय क्या हो सकता है। वे यूक्रेन में ब्लैकआउट लाना चाह रहे हैं। रूस सर्दियों को हथियार बना रहा। हमलों पर रूस की ओर से कोई टिप्पणी नहीं की गई है। यूक्रेन 50 मिसाइलों और बड़ी संख्या में ड्रोन को मार गिराने में कामयाब रहा। जेलेंस्की ने कहा

कि खार्कीव में तापमान शून्य के करीब था और पांच लाख लोग बिना हीटिंग सुविधा के रहने को मजबूर हुए। छह लोग घायल हुए हैं। कीव और अन्य स्थानों पर ब्लैकआउट हो गया। यूक्रेनी विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने कहा कि एक रूसी मिसाइल मोल्दोवन और रोमानियाई हवाई क्षेत्र से गुजरी।

यूक्रेन की सबसे बड़ी निजी ऊर्जा कंपनी डीटीईके ने कहा कि यह इस साल यूक्रेन के पावर ग्रिड पर 13वां हमला है। डीटीईके के सीईओ ने कहा कि क्रिसमस का जश्न मना रहे लाखों शांतिप्रिय लोगों को रोशनी और हीटिंग सुविधा से वंचित करना घृणित कार्य है, जिसका जवाब दिया जाना चाहिए। अमेरिका की राजदूत ब्रिजेट ब्रिंक ने हमले को रूस का यूक्रेन को क्रिसमस उपहार बताया। यूक्रेन की सेना ने कहा कि 59 रूसी मिसाइलों और 54 ड्रोन को मार गिराया गया है। रूस ने इस साल वसंत से यूक्रेनी ऊर्जा क्षेत्र पर हमले तेज कर दिए हैं।

नड्डा के आवास पर एनडीए नेताओं ने की हुयी बैठक

- एक देश, एक चुनाव पर किया गया मंथन

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के आवास पर बुधवार को एनडीए के नेताओं की बैठक हुई। इस बैठक में राष्ट्रीय स्तर पर गठबंधन के बीच तालमेल और विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। एक देश एक चुनाव के क्रियान्वयन के बारे में विचार विमर्श किया गया।भाजपा अध्यक्ष ने एक्स पर इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में देश अभूतपूर्व उपलब्धियां हासिल कर रहा है और आज उसने खुद को वैश्विक महाशक्ति के रूप में स्थापित किया है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार सभी के उज्ज्वल और समृद्ध भविष्य के लिए विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। बैठक में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, टीडीपी नेता एवं आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू, जनता दल सेक्युलर नेता एचडी कुमार स्वामी, अपना दल (एस) की अनुप्रिया पटेल, राष्ट्रीय लोक मोर्चा नेता उपेंद्र कुशवाहा, जदयू नेता लल्लन सिंह और अन्य घटक दलों के नेता मौजूद रहे। बैठक में अंबेडकर पर गृह मंत्री के बयान, एक देश एक चुनाव, वक्फ संशोधन विधेयक सहित अन्य मुद्दों पर नेताओं ने चर्चा की।

सीरिया के बशर अल-असद को सत्ता से बेदखल के बाद सैदनाया चर्च में क्रिसमस मनाते लोग।

नीतीश और पटनायक को मिले भारत रत्न : गिरिराज

बिहार विधानसभा चुनाव राजग नीतीश कुमार के नेतृत्व में लड़ेगा

खबर मन्त्र संवाददाता

पटना। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने बुधवार को बेगूसराय में कहा कि 2025 का बिहार विधानसभा चुनाव राजग नीतीश कुमार के नेतृत्व में लड़ेगा। साथ ही उन्होंने नीतीश कुमार और ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक को भारत रत्न देने की वकालत की। गिरिराज ने कहा कि नीतीश कुमार इतने दिनों तक मुख्यमंत्री रहे। आज के बच्चे, जिनकी उम्र 30 साल है वह नहीं जानते कि लालू प्रसाद के जंगलराज में कुव्यवस्था थी। सड़कें, अस्पतालों और स्कूलों की जर्जर स्थिति थी। नीतीश कुमार ने बिहार को एक ऊंचाई पर ले जाने का काम किया है और ओडिशा में नवीन पटनायक ने इतने वर्षों तक

राज्य की सेवा की। ऐसे लोगों को देश में पुरस्कृत करने की जरूरत है। इसलिए ऐसे लोगों को भारत रत्न जैसे पुरस्कार से नवाजा जाना चाहिए। यह पहला मौका है जब भाजपा की तरफ से किसी केंद्रीय मंत्री ने अपनी ही सरकार से यह बड़ी मांग की है। भाजपा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को किसी भी हाल में नाराज नहीं करना चाहती है।

वाजपेयी की 100वीं जयंती पर कृतज्ञ राष्ट्र ने दी श्रद्धांजलि

- वाजपेयी की समाधि सदैव अटल पर राष्ट्रपति मुर्मू, उप राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री मोदी, लोकसभा अध्यक्ष के अलावा पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने पूर्व पीएम को किया नमन

एजेंसी

नयी दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की 100वीं जयंती पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला सहित कृतज्ञ राष्ट्र ने दिवंगत नेता को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्री वाजपेयी की समाधि सदैव अटल पर राष्ट्रपति, उप राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, लोकसभा अध्यक्ष के अलावा पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा, केंद्रीय मंत्री अमित शाह, ज्योतिरादित्य सिंधिया, हरदीप सिंह पुरी, किरेन रिजीजू, अश्विनी वैष्णव, पीयूष गोयल, भूपेंद्र यादव, अर्जुन राम मेघवाल, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू, भाजपा के महासचिव विनोद तावड़े, अरुण सिंह तथा पार्टी के अनेक पदाधिकारियों ने पुष्पांजलि अर्पित की। दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री की दत्तक पुत्री नमिता भट्टाचार्य, दामाद रंजन भट्टाचार्य एवं उनकी पुत्री, ग्वालियर से आए श्री वाजपेयी के अन्य परिजनों ने भी उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर भजन गायन भी आयोजित किया गया। राष्ट्रपति, उप राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने गायक मंडली के सदस्यों से भेंट की और उनकी कुशल क्षेम पूछी।

भारतीय राजनीति में अजातशत्रु के रूप में विख्यात श्री वाजपेयी ने अपनी अद्भुत वक्तृत्व शैली से अपार लोकप्रियता हासिल की। उनका जन्म 25 दिसम्बर 1924 को ग्वालियर में एक शिक्षक पंडित कृष्ण बिहारी वाजपेयी के घर में हुआ था। वह 1957 में पहली बार लोकसभा में निर्वाचित हुए थे और पहली बार 1984 में ग्वालियर लोकसभा सीट पर चुनाव में पराजित हुए थे। श्री वाजपेयी 1977 में जनता पार्टी की सरकार में विदेश मंत्री रहे। वह 1996 में 13 दिन के लिए, 1998 में 13 माह के लिए और 1999 में पूरे कार्यकाल के लिए प्रधानमंत्री रहे।

श्री वाजपेयी खराब स्वास्थ्य के कारण 2009 में राजनीति से अलग हो गये। उनका निधन 16 अगस्त 2018 में हुआ।